



CIN: L65910HR1983PLC050169

Website: sitalleasingfinance.com

Mob.: +91-9891709895, +91-8800446397

E-mail: sitalleasing83@gmail.com, sitalleasing@gmail.com

Regd. Off.: 322, 3rd Floor, SS Plaza Commercial Complex,

Mayfield Garden, Sector-47,

Gurugram, Haryana - 122001

Date:- 12.11.2021

To The Head-Listing & Compliances Metropolitan Stock Exchange of India Limited Vibgyor Towers, 4th floor, Plot No C 62, G - Block. Opp. Trident Hotel, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai - 400098

Subject:- Filing of clipping of the Unaudited consolidated Financial Results published in the newspaper for the Quarter and Half Year ended on 30th September, 2021 as per SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (SYMBOL: SITAL)

Dear Sir,

In terms of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find attached herewith copies of Newspapers- Open Search (Hindi Dainik News Paper) and Open Search (English Daily News Paper) dated 12th November, 2021 in which Unaudited standalone Financial Results of the Company has been published for the Quarter and Half Year ended on 30th September, 2021 as approved by the Board of Directors of the company in their meeting held on 11th November, 2021.

You are requested to take on your records and acknowledge the same.

Thanking You

For and on behalf of Sital Leasing and Finance Limited

For SITAL LEASING AND FINANCE LTD.

Surendra Kumar Jain

Director/Authorised Signatory

Managing Director

DIN: 00530035

Encl.: a/a

SEARCH

E-mail opensearchdelhi@gmail.com



Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in

RNI No.DELHIN/2015/66886



पजा हेगडे ने चेन्नई मे...पष्ट-8

Website | www.opensearch.co.in

मूल्य: 02 रूपए पृष्ठ : 08

: 06 अंक : 223

नर्ड दिल्ली, शुक्रवार 12 नवंबर -2021

नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित

भारत ने कोविड महामारी के खिलाफ सबसे प्रभावशाली अभियान चलाया : कोविंद

कोविड महामारी के कारण यह सम्मेलन पिछले दो वर्षों से आयोजित नहीं किया जा सका था।

नई दिल्ली एजेंसी

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज यहां राज्यपालों तथा उप राज्यपालों के 51 वें स्म्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने कोविड महामारी के खिलाफ ' सबसे प्रभावशाली' अभियान चलाया।

राष्ट्रपति भवन में दो वर्ष के अंतराल पर गुरूवार को आयोजित इस सम्मेलन में उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी हिस्सा लिया। कोविड महामारी के कारण यह सम्मेलन पिछले दो वर्षों से आयोजित नहीं किया जा सका था। पिछला राज्यपाल सम्मेलन नवम्बर 2019 में आयोजित किया गया था। श्री कोविंद ने कहा कि भारत ने कोविड का मुकाबला करने के लिए विश्व का सबसे प्रभावी अभियान चलाया गया। देश के सभी कोरोना यौद्धाओं ने अपने त्याग और समर्पण से अपने कर्तव्य का निर्वहन किया।

सरकार की पहल तथा वैज्ञानिकों और उद्यमियों के प्रयासों के बल पर देश में वैक्सीन का विकास और उत्पादन संभव हो सका। अभी



राष्ट्रपति भवन में दो वर्ष के अंतराल पर गुरूवार को आयोजित इस सम्मेलन में उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी हिस्सा लिया। कोविड महामारी के कारण यह सम्मेलन पिछले दो वर्षों से आयोजित नहीं किया जा सका था। पिछला राज्यपाल सम्मेलन नवम्बर 2019 में आयोजित किया गया था। श्री कोविंद ने कहा कि भारत ने कोविड का मुकाबला करने के लिए विश्व का सबसे प्रभावी अभियान चलाया गया। देश के सभी कोरोना यौद्धाओं ने अपने त्याग और समर्पण से अपने कर्तव्य का निर्वहन किया।

लगाये जा चुके हैं और टीकाकरण का

बढाया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वैक्सीन मैत्री अभियान चलाया

है। राज्यपालों ने भी इस महामारी से निपटने में सिऋय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि महामारी से निपटने के लिए समुचे देश ने मिलकर प्रयास किया और सभी राज्यों ने एक दूसरे के सहयोग के साथ साथ उनकी अच्छी बातों को अपने यहां लागू

इसी का परिणाम है कि भारत ने अनेक विकसित देशों की तुलना में कोविड का सामना बेहतर ढंग से किया। श्री कोविंद ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हाल ही में संपन्न हुए जलवायु परिवर्तन सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया ने देखा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से भारत अकेला ऐसा देश है जिसने पेरिस समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता रखी और वह निश्चित समय में लक्ष्यों को हासिल करने की स्थिति में है।

भारत ने आगे भी इस दिशा में अपने प्रयासों को तेज करने की प्रतिबद्धता जताते हुए पांच लक्ष्य तय किये हैं। उन्होंने राज्यपालों से कहा कि इन लक्ष्यों को हासिल करने में वे भी अपनी प्रेरक भूमिका निभायें। आप इस अभियान में युवा पीढी को भी

यूएस डिपार्टमेंट आफ डिफेंस की रिपोर्ट पर भारत ने कहा

चीन के अनुचित दावों को हमने कभी नहीं किया स्वीकार

नई दिल्ली एजेंसी

दिल्ली में 7 देशों के राष्ट्रीय सरक्षा सलाहकारों के बीच बैठक हुई। इस दौरान अफगानिस्तान के मुद्दे पर चर्चा हुई। इस बैठक में पाकिस्तान को भी निमंत्रण दिया गया था। अफगान को लेकर हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में पाकिस्तान ने हिस्सा नहीं लिया। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि इससे पता चलता है उनका अफगानिस्तान के मुद्दे पर क्या खैया है।

वहीं, दूसरे मुद्दे पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि यूएस डिपार्टमेंट आफ डिफेंस की रिपोर्ट में चीन द्वारा भारत-चीन बार्डर के पास निर्माण कार्यों की जानकारी दी गई। चीन ने पहले भी सीमा से लगते क्षेत्र में निर्माण कार्य किए हैं जिसमें दशकों के दौरान अवैध रूप से कब्जा किया गया क्षेत्र शामिल है। भारत ने न तो हमारे क्षेत्र पर इस तरह के अवैध कब्जे को स्वीकार किया है और न ही चीन के अनुचित दावों को स्वीकार किया है।

साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार ने हमेशा राजनियक माध्यमों से ऐसी गतिविधियों का कडा विरोध किया है। और भविष्य में भी ऐसा करती रहेगी। सरकार ने सीमा के बुनियादी ढांचे को भी बढाया है, जिसमें सडकों, पूलों का दशकों के दौरान अवैध रूप से कब्जा किया गया क्षेत्र शामिल है। भारत

चीन ने पहले भी सीमा से लगते क्षेत्र में निर्माण कार्य किए हैं जिसमें ने न तो हमारे क्षेत्र पर इस तरह के अवैध कब्जे को स्वीकार किया है और न ही चीन के अनुचित दावों को स्वीकार किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार ने हमेशा राजनयिक माध्यमों से ऐसी गतिविधियों का कड़ा विरोध किया है और भविष्य में भी ऐसा करती रहेगी।

स्थानीय आबादी को बहुत जरूरी संपर्क प्रदान किया है। सरकार अरुणाचल प्रदेश सहित आजीविका में सुधार के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ बुनियादी ढांचे के निर्माण के उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भारत की सुरक्षा को प्रभावित करने वाले विकास पर लगातार नजर रखे हुए है और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए सभी उपाय कर रही है। ओआईसी के शीर्ष अधिकारियों का कश्मीर की यात्रा पर विदेश मंत्रालय अरिंदम बागची ने कहा कि यह हमारा आंतरिक मामला है। मैंने पहले भी

कहा था कि हम गुलाम कश्मीर की इस तरह की यात्राओं को अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप मानते हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि लगभग 1500 तीर्थयात्रियों का एक जत्था 17-26 नवंबर से 1974 प्रोटोकाल के तहत भारत-पाक के बीच धार्मिक स्थलों की यात्रा पर

गुरुद्वारा दरबार साहिब, श्री पंजा साहिब, डेरा साहिब, ननकाना जाने के लिए निर्धारित है। साथ ही साहिब, करतारपुर साहिब गुरुद्वारा सच्चा सौदा

एनएसयुआई का नयी शिक्षा नीति के खिलाफ 'शिक्षा बचाओ देश बचाओ अभियान'

नई दिल्ली एजेंसी

कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयुआई) ने नयी शिक्षा नीति को देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए गुरुवार को कहा कि इसके विरोध में



बचाओं' अभियान चलाया जाएगा। एनएसयुआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज क्दन ने शिक्षा बचाओ देश बचाओ अभियान की शुरुआत का लोगो जारी करते हुए आज यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एनएसयआई का यह अभियान दो माह तक चलेगा और दिल्ली में राष्ट्रीय नेताओं की मौजूदगी में बडा आयोजन कर इसका समापन

सरकार सरकारी प्रतिष्ठानों को बेच रही है और इससे देशक युवाओं के समक्ष खासकर अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है। उनका कहना था कि सरकार प्रतिष्ठानों को बेचकर यह सरकार आरक्षण की व्यवस्था को खत्म करने

इसी नीति के विरुद्ध यह अभियान चालाया जा रहा है। नयी शिक्षा नीति का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति के जरिए निजीकरण को बढावा दिया जा रहा है और इससे गरीब तथा सामान्य किसान के बच्चों के लिए शिक्षा ग्रहण करना कठिन हो

जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका संगठन आरंभ से ही इस नीति का विरोध कर रहा है लेकिन केंद्र सरकार मनमानी कर रही है और किसी की बात नहीं सुन रही है। श्री कुंदन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के कार्यकाल में सभी बडी परीक्षाओं के आयोजन में घोटाले हुए हैं। इस सरकार ने पेपर लीक कराए हैं और छात्रों के जीवन से खिलवाड़ कर अपने चहेतों को भ्रष्टाचार के जरिए

भारत ने दूसरे देशों की मदद के लिए जिसकी दुनिया भर में सराहना हो रही नौसेना लीक मामले में आवाज के नमूनों की फोरेंसिक जांच

करा रही सीबीआइ, सीएफएसएल को भेजे गए हैं नमूने

नई दिल्ली एजेंसी

सीबीआइ नौसेना के अधिकारियों और कारोबारियों के कथित रैकेट का भंडाफोड करने के लिए अपने गृप्त अभियान के दौरान एकत्र किए गए आवाज के नमूनों का फोरेंसिक विश्लेषण करवा रही है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि एजेंसी ने आवाज के नमूने केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) को भेजे हैं और परिणाम का इंतजार है। सत्रों ने बताया. सीबीआइ इन आरोपों की जांच कर रही है कि आर्थिक लाभ के लिए नौसेना के उपकरणों की खरीद और रखरखाव से संबंधित गोपनीय जानकारी लीक की

साथ ही वह हैदराबाद की एक कंपनी एलन रिइनफो र्संड प्लास्टिक्स लिमिटेड से बारूदी सुरंग बिछाने वाले आरोपों की भी जांच कर रही है। केंद्रीय एजेंसी ने दो सितंबर को उन्होंने बताया कि एजेंसी ने कंपनी के



कार्यकारी निदेशक टीपी शास्त्री की रिश्वतखोरी में कथित भिमका सामने आने के बाद आठ सितंबर को उन्हें गिरफ्तार किया था।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआइ ने नौसेना में विचार किए जा रहे पनडुब्बियों के उपकरणों की खरीद से संबंधित संवेदनशील दस्तावेजों के लीक होने और अन्य संबंधित जानकारी के मामले में सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत आरोप सेवानिवत्त नौसैनिक अधिकारियों कोमोडोर रणदीप सिंह

> और कमांडर सतविंदर जीत सिंह के खिलाफ छपेमारी की थी। दोनो<u>ं</u> को एक ही दिन गिरफ्तार था। प्राथमिकी में आरोप है। कि पनडब्बी खरीदारी निदेशालय में कार्यरत रहे सतविंदर जीत सिंह ने

मासिक भुगतान के बदले रणदीप सिंह को नौसेना उपकरणों के रखरखाव संबंधित आंतरिक विचार-विमर्श के बारे में नियमित जानकारी प्रदान की। सतविंदर ने 31 जुलाई को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुना था।

नौसेना के दो अधिकारियों पर निजी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ नौसेना की खरीद और रखरखाव से संबंधित निविदा की आंतरिक फाइलों की गुप्त जानकारी साझा करके अपने और दूसरों के लिए अवैध धन प्राप्त करने का आरोप

कोविड टीकाकरण में हर व्यक्ति तक पहुँचने पर जोर दिया मांडविया ने

नई दिल्ली एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कोविड टीकाकरण अभियान में प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचने पर जोर देते हुए राज्यों को आश्वस्त किया है कि देश में कोविड टीकों की कोई कमी नहीं है।

श्री मांडविया ने गुरुवार को यहां राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ कोविड टीकाकरण के हर घर दस्तक अभियान को मजबूती देने के तौर तरीकों पर चर्चा करते हुए कहा कि कोविड टीका देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने

कहा, कोविड टीकाकरण अभियान में कोई भी व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। इसके लिये सामृहिक प्रयास किये जाने चाहिए। श्री मांडिविया ने कहा कि कोरोना महामारी के विरुद्ध प्रत्येक व्यक्ति को कोविड टीके का संरक्षण मिलना चाहिए।

सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया और कहा कि देश में कोविड टीकों की कोई कमी नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कोविड मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि टीकाकरण सुरक्षा कवच है लेकिन कोविड मानकों के पालन में ढील नहीं दी जानी चाहिए।

किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र लाभान्वित करने का काम किया है। उपकरणों के सौदे में रिश्वतखोरी के लगाने के लिए केंद्र से मंजुरी मांगी है। असम : ट्रक और आटोरिक्शा में टक्कर, छठ पूजा करके लौट रहे 10 लोगों की मौत, मुआवजे का एलान

टोपू करमाकर और आटोरिक्शा चालक की सोनूरी के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को दुख की इस घड़ी में हर संभव मदद करने का निर्देश दिया है।

गुवाहाटी एजेंसी

असम के करीमगंज जिले में छठ पूजा से लौटते समय गुरुवार को सीमेंट से लदे ट्रक और ऑटोरिक्शा की टक्कर में चार महिलाओं और दो बच्चों समेत दस लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी है। यह हादसा

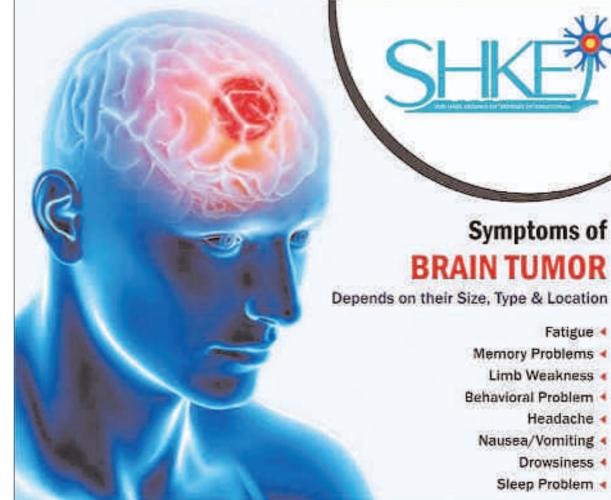


असम-त्रिपुरा राजमार्ग पर जिले के पाथरकांडी इलाके के बैठाखाल में हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आटोरिक्शा में सवार नौ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस बीच असम सरकार ने पीडितों के परिजनों को एक लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान

किया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार दुर्घटना में आटोरिक्शा चालक की मौत हो गई, जबिक ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। उन्होंने कहा कि उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। गुस्साए स्थानीय लोगों ने हाईवे जाम कर दिया और चालक की

पर भारी पुलिस बल तैनात है। मृतक पाथरकंडी के लोंगई चाय बागान के रहने वाले थे। इन लोगों की पहचान दूजा बाई पनिका, शालू बाई पनिका, गौरव दास पनिका, ललन गोस्वामी, शंभू दास पनिका, पूजा गौर, देव गौर, मांगली करमाकर, टोपू करमाकर और आटोरिक्शा चालक की सोनूरी के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को दुख की इस घड़ी में हर संभव मदद करने का निर्देश दिया है। सरमा ने कहा कि हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। परिजनों को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। हम हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। चिकित्सा राहत के लिए अधिकारियों को तैनात



SHKEI NEURO CARE CENTER: 465, SFS FLATS, DDA Pocket - 1, Sector 9, Dwarka, New Delhi 110077. NAJAFGARH NEURO CARE CENTRE:

A 27, Laxmi Garden, TURA Mandi, Najafgarh, New Delhi 110043 8882348324 Mail: info@drmanishneurosurgeen.com Web.: www.drmanishneurosurgeon.com

For more information call: 9810325181

गुनाहों से पीछा छुड़ाकर भाग नहीं सके आक्सीजन कांड के आरोपित डा. कफील

गोरखपुर (एजेंसी) बीआरडी मेडिकल कालेज में 10 व 11 अगस्त 2017 की रात हुए आक्सीजन कांड के आरोपी डा. कफील गुनाहों से पीछा छुड़ाकर भाग नहीं सके। सरकार ने उन्हें दोषी मानते हुए बर्खास्त कर दिया है। आक्सीजन कांड के दौरान वह मेडिकल कालेज में बतौर बाल रोग विशेषज्ञ तैनात थे। कांड के बाद उन्हें निलंबित कर जांच शुरू कर दी गई थी। अन्य आरोपितों के साथ ही डा. कफील पर भी मकदमा दर्ज कराया गया था। अभियुक्त बनने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया था।

जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने अपनी गलतियों से कोई सबक नहीं ली और नियम विरुद्ध कार्यों को लेकर हमेशा चर्चा में रहें। बहराइच के जिला अस्पताल में बिना अनुमति वह बच्चों की जांच व इलाज करने पहुंच गए। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक ने पुलिस को सूचना दी। वहां पुलिस ने गिरफ्तार कर उन्हें मथुरा जेल भेज दिया। मथुरा में ही उनके विरुद्ध रासुका की कार्रवाई की गई थी। बाद में वह जेल से बाहर तो आ गए लेकिन अपने सरकार विरोधी बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहे। दूसरी तरफ शासन में उनके खिलाफ जांच चल रही थी। जांच में वह दोषी पाए गए और सरकार ने उन्हें बीआरडी मेडिकल कालेज के बाल रोग विशेषज्ञ पद से बर्खास्त कर दिया है।

गोला के वार्ड नंबर 11 के सभासद दीपक जायसवाल के डीसीएम से मंगलवार की रात चोरों ने डीजल चोरी किया है। दीपक के मुताबिक उनकी डीसीएम गोला की सब्जी मंडी स्थित पेट्रोल पंप के पास खड़ी थी। रात में चोरों ने उसमें से 48 लीटर डीजल निकाल लिया।

अभी दस दिन पहले भी इसी स्थान से कस्बा निवासी जानेआलम हाशमी के ट्रक से ढाई सौ लीटर डीजल चोरी हो गया था। शाहपुर के रेल बिहार में बुधवार शाम 45 वर्षीय एक युवक का शव मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था। वह करीब पखवारे भर रेल बिहार इलाके में देखा जा रहा था। युवह हाफ लोवर और शर्ट पहने हुए था। प्रभारी निरीक्षक शाहपुर संजय सिंह ने कहा कि मृतक पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

प्रयागराज के बीएसए ने लंबे समय से लापता चार शिक्षकों को हाजिर होने का भेजा नोटिस

प्रयागराज (एजेंसी) प्राइमरी और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सख्ती करनी शुरू कर दी है। लंबे समय से बिना बताए गैर हाजिर चल रहे चार शिक्षकों को बीएसए ने नोटिस जारी किया है। इसमें एक शिक्षक तो दो साल गैरहाजिर है। उन्होंने इन शिक्षकों को नोटिस भेजकर कहा कि 16 नवंबर तक स्कूल में उपस्थित हो, अन्यथा उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा।

पिछले दिनों बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने लंबे समय से गैरहाजिर शिक्षकों की सूची बनवाई। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय इसौटा मेजा के विद्याकांत सिंह चार सितंबर 2019 से बिना कारण बताए गैरहाजिर हैं। वह दो साल से अधिक समय से स्कुल नहीं आ रहे हैं। उनको कई बार नोटिस दी जा चुकी है। इसके बाद भी वह विभाग से संपर्क नहीं कर रहे हैं। उनके गैरहाजिर रहने के कारण शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। पता ही नहीं चल पा रहा है कि आखिर इन शिक्षक के साथ क्या मसला है।

शिक्षण कार्य पर वह क्यों नहीं आ रहे हैं और आगे आना है कि नहीं। ऐसे ही पूर्व माध्यमिक विद्यालय डेरागदाई सोरांव की सहायक अध्यापिका वान्या गंगवार 14 अक्तूबर 2020 से बिना बताए स्कूल नहीं आ रही हैं। प्राथमिक विद्यालय खजुरी करछना की सहायक अध्यापिका तेजल जैन एक जुलाई 2020 और प्राथमिक विद्यालय देवरिया बहरिया की सहायक अध्यापिका दिव्या वर्मा नौ जनवरी 2021 से बिना सूचना के अनुपस्थित चल रही हैं।इन शिक्षकों को घर पर पहले भी नोटिस भेजी जा चुकी है।

लेकिन अब यह आखिरी नोटिस है। इसके बाद भी नहीं आए तो बर्खास्त किया जाएगा। लापरवाह शिक्षकों के चलते शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। चार शिक्षक बिना कारण बताए लंबे समय से छुट्टी पर हैं। उनको अब अंतिम नोटिस जारी की गई है। इसके बाद इनको बर्खास्त करने की प्रिक्रिया शुरू हो जाएगी।

गायत्री प्रजापति को पिता समान बता दुष्कर्म पीड़िता ने दी थी क्लीनचिट, पिछले दो साल से बच्चों समेत है लापता

चित्रकट (एजेंसी) जिले की जिस महिला संग सामहिक दष्कर्म के मामले 1 अदालत न संपा सरकार में मत्रा रह गायत्रा प्रसाद प्रजापात का दाषा पाया है, उसने वर्ष 2019 में उनको पिता तुल्य बताकर क्लीनचिट दे दी थी। बुधवार को फैसला आने के बाद पीड़िता के घर कई परिचित पहुंचे तो उन्हें मायूसी मिली। कारण, घर के दरवाजे पर ताला लटका था।

आसपास के लोगों ने बताया कि पीड़िता करीब डेढ़ साल पहले से बच्चों समेत लापता है। जुलाई 2019 में दुष्कर्म पीड़िता ने अपने घर में प्रेसवार्ता कर पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति को क्लीनचिट दे दी थी। उनको पिता तुल्य बताया था। साथ ही हमीरपुर के एक शख्स को आरोपित ठहराते हुए कहा था कि उसके बहकावें में आकर यह कदम उठाया था। इसके बाद उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एक अन्य मामले में समन जारी किया था।

तब से पीड़िता घर छोड़ कर चली गई थी। बुधवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व मंत्री के मामले में फैसला सुनाते हुए पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति, अशोक तिवारी, आशीष शुक्ला को सामृहिक दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत दोषी करार दिया तो फिर से जिले में प्रकरण की चर्चा शुरू हो गई।

गली-नुक्कड़ से लेकर सियासी गलियारों में लोग बातें करते रहे। कुछ परिचित पीडिता से मिलने उसके घर तक भी गए, लेकिन वहां ताला लगा होने से लौटना पड़ा। पीड़िता से बात करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल फोन नंबर भी स्विच आफ मिला।

मेरठ में सीएम के दौरे से पहले ही पुलिस को चुनौती, गंगानगर में डाक्टर के घर लाखों की चोरी

मेरठ (एजेंसी) मेरठ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन से पहले बदमाशों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर दी। गंगानगर स्थित आइआइएमटी विश्वविद्यालय में खिलाड़ी ठहरे हुए हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री आज सम्मानित करेंगे। मेन डिवाइडर रोड से लेकर आइआइएमटी विवि के आसपास



गांव गए थे। हैरान करने वाली बात है कि डाक्टर

का घर राष्ट्रीय पिछडा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष लोकेश प्रजापित के आवास के ठीक सामने है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है। एच-28 में प्रणवीर सिंह चौहान सपरिवार रहते हैं। वह अपने भाई शहर के जाने-माने फिजिशियन डा. अनिल चौहान के साथ ही क्लीनिक पर बैठते हैं। उनका घर राष्ट्रीय पिछडा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष लोकेश प्रजापित के आवास के ठीक सामने है। उन्होंने बताया कि वह दस नवंबर की रात वह घर पर ताला लगाकर साढ़े आठ बजे अपनी ससुराल में पत्नी को वापस लाने के लिए दौराला के मटौर गांव गए थे। उन्होंने बताया कि जब वह देर रात लौटकर घर पहुंचे तो दरवाजे के ताले टूटे हुए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके साले की शादी है। जिसके चलते पांच लाख की नकदी घर पर रखी हुई थी। बदमाशों ने पांच लाख की नकदी के अलावा लगभग ढाई से तीन लाख रुपये के जेवर भी चोरी कर लिए। पुलिस घटना की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल?द ही बदमाशों को गिरफ्त में ले लिया जाएगा।

क्रांति धरा मेरठ को सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया नमन, पैरालंपिक खिलाड़ियों का सम्मान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को करीब पौने एक बजे सरदार पटेल कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहें सम्मान समारोह में पहुंचे। वे गाजियाबाद से सडक मार्ग से यहां पर पहुंचे हैं।अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि 1857 की ऋांति की धरा को नमन। पैरालंपिक खिलाडियों का स्वागत करता हूं। संबोधन से पूर्व सीएम योगी ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगवाए।

कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद मोदी, अनुराग ठाकुर के नेतृत्व में भारतीय खिलाडियों का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। सभी को ऐसे खिलाडियों का स्वागत करना चाहिए। सीएम बोले कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैं, लेकिन सुबह 8.30 बजे अनुराग ठाकुर पहुंच गए और खुद व्यवस्था में जुट गए। कुछ नया करना पड़े तो पैरालंपिक व अन्य खिलाड़ियों के लिए उसे किया जाएगा। मेरठ की जब बात होती है तब खेल उत्पाद के लिए भी जाना जाता

शुरू हुई है। यह अर्थव्यवस्था को गति देगा। मेरठ का चयन बडे शोध के बाद खेल में किया गया। मेरठ में जो खेल उत्पाद बनते हैं उनकी गुणवत्ता अलग है। हर सांसद निमंत्रण दे रहे हैं कि सांसद खेल प्रतियोगिता में मंत्री जरूर आएं। प्रधानमंत्री का यह कदम सराहनीय है। हर सांसद निमंत्रण दे रहे हैं कि सांसद खेल प्रतियोगिता में मंत्री जरूर आएं। प्रधानमंत्री का यह कदम सराहनीय है। भारत के पैरालंपिक दल में आठ खिलाडी उत्तर प्रदेश से थे। योगी ने डीएम सुहास एल वाई की कोरोना प्रबंधन को लेकर सराहना की। राज्य सरकार ने सुहास को पांच वेतन वृद्धि दी। पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वालों को 2 करोड, रजत को डेढ करोड और कांस्य पदक को एक करोड़ और प्रतिभागी 25 लाख की परस्कार राशि आज प्रदान की जा रही है। अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि सभी प्रशिक्षक को भी 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। साढ़े चार साल में खेल इंफास्ट्रकर पर काम किया है। दो



अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम बनाए। 11 वेटलिफ्टिंग हाल बनाए। 44 छात्रावास संचालित किए। तीन खेल कॉलेज लखनऊ, इटावा व गोरखपुर में संचालित किए जा रहे हैं। खेल महत्वपूर्ण होता है। शारीरिक दिव्यांगता को दरिकनार करके खेला यह अभिनंदनीय है। हॉकी के जादुगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर होगा खेल विश्वविद्यालय का नाम। अब शुरू हुआ खिलाडियों का सम्मान। सीएम

योगी का संबोधन खत्म। अवनी को मिलेगा देश का सर्वोच्च खेल रत्न पुरस्कार। भारत सरकार की घोषणा के बारे में बताया गया। समारोह में बागपत के आकाश.मेरठ के तीरंदाज विवेक चिकारा का मुजफ्फरनगर की ज्योति बालियान का स्वागत। इन्हें भी 25 लाख दिए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर सीएम योगी के संबोधन से पहले प्रदेश सरकार के

लिए नहीं खेलता है। वह प्रदेश और देश के लिए खेलता है। 73 वर्षों से पैरा खिलाड़ियों की मांग लंबित थी। उसे मुख्यमंत्री ने पूरा किया। उन्हें भी अन्य खिलाडियों की तरह मान सम्मान मिलेगा। कुश्ती एकेडमी की स्थापना की गई। 75 जिलों में खेल इंफास्ट्रकर की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री ने तमाम सुविधाएं प्रदान की।

अनुदान की धनराशि पांच लाख से 25 लाख किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि खेल विभाग सुविधाएं देने में लगा है। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा युवा रहते हैं। उपेंद्र तिवारी सभी खेल विधाओं व प्रतियोगिता में दी जानी वाली अनुदान राशि की जानकारी दी। सभी राशि कई गुना बढाई गई है। इसके बाद टोक्यो ओलिम्पिक का वीडियो दिखाया गया, इसमें देश के खिलाडियों के एडिट शॉट्स हैं। खिलाड़ियों के लिए ताली के आह्वान पर मुख्यमंत्री भी बजा रहे हैं ताली। कार्यऋम के इसके बाद केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान का संबोधन

पहले हरियाणा में हुआ करता था उसे अब मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश में भी सम्मान समारोह शुरू किया। हरियाण व पश्चिम उत्तर प्रदेश खेल में आगे रहा है। जो खेल विश्वविद्यालय का उपहार मिला है उससे लाभ मिलेगा। इसके बाद मंच से केंद्रीय सामाजिक अधिकारिता मंत्री का संबोधन शुरू हुआ।

उन्होंने कहा कि योगी जी ने जो परंपरा शुरू की है। पैरालंपिक के खिलाडियों का सम्मान करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। इन खिलाडियों ने देश का मान बढाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश स्तर पर सुविधाएं बढ़ाई। उत्तर प्रदेश सरकार नए स्टेडियम का निर्माण कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार नए स्टेडियम का निर्माण कर रही है। स्पेशल ऋिकेट ओलंपिक में सफलता हासिल की। इसका मतलब उन्हें सुविधाएं मिलें तो वे किसी से कम नहीं हैं। केंद्र सरकार ने 2016 में दिव्यांग सशक्त जन कानुन लाई।

मुजफ्फरनगर में अखिलेश यादव बोले- किसानों का इस बार इंकलाब होगा और 22 में बदलाव होगा

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर पार्टी की जड़ें मजबूत करने में लगे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुजफ्फरनगर में गुरुवार को कश्यप सम्मेलन को संबोधित किया। यहां के बढ़ाना कस्बे में इस सभा में उन्होंने सहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर का आभार भी जताया। बुढ़ाना में कश्यप सम्मेलन के मंच से पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्षे अखिलेश यादव ने कहा कि यहां पर कार्यऋम बहुत दिनों बाद हो रहा है।

यहां पर पिछली तारीख पर बारिश के कारण नहीं पहुंच पाए। दूसरी तारीख पर भी हमारे नेता घबरा रहे थे कि लोग आ पाएंगे या नहीं। आपका उत्साह बता रहा है कि आने वाले समय मे उत्तर प्रदेश की सरकार बदलने का फैसला जनता ने ले लिया है। उन्होंने कहा कि इस बार किसानों और गरीबों ने तय कर लिया है कि भाजपा का सफाया करके रहेंगे। किसानों का इस बार इंकलाब होगा और 22 में बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर के लोगों ने कभी समाजवादी पार्टी को निराश नहीं किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर जब से आये हैं हमें काफी मजबूती मिली है। राजभर के हमारे साथ आने से अब तो हर तरफ से भाजपा के लिए दरवाजे बंद हो गए। आज का सम्मेलन इतना बड़ा है कि भाजपा के

लखनऊ (एजेंसी)

आने पर हुई।

रकाबगंज इलाके में रहने वाली एक

युवती के बैंक खाते से बीते एक माह

से ट्रांजेक्शन हो रहा था। एक हफ्ते में

दो लाख से अधिक रुपये किसी ने

जमा किए और निकाल लिए। इसकी

जानकारी उसे बीते दिनों बैंक से फोन

वजीरगंज थाने में मुकदमा दर्ज

कराया। रकाबगंज में रहने वाले एक

व्यक्ति सरकारी विभाग में चालक हैं।

उनकी बेटी कानपुर स्थित एक निजी

कंपनी में नौकरी करती है। उन्होंने

बताया कि बेटी का वजीरगंज क्षेत्र

स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया में खाता

है। बीती 24 अक्टूबर से एक नवंबर

के बीच अज्ञात व्यक्ति ने उसके खाते

में दो लाख से अधिक रुपये जमा

इसके बाद युवती के पिता ने



दरवाजे यहां से भी बंद करेंगे। इस बार किसानों और गरीबों ने तय कर लिया है कि भाजपा का सफाया करके रहेंगे। किसानों का इस बार इंकलाब होगा और 22 में बदलाव होगा। जो आठ सूत्रीय मांग पत्र कश्यप समाज के नेताओं ने दिया है। मौका मिलने पर सपा इन्हें जरूर पूरा करेगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि अभी समाजवादी पार्टी का गठबंधन होने जा रहा है। सपा सभी वर्गों सभी दलों को जोड़ने का काम कर रही है। दूसरे दलों की सरकार ने सपने दिखाकर आपका वोट लिया। सरकार में आने के बाद आपके हक को छीना है। आपके नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया गया, लेकिन झूठ के अलावा आपको कुछ नहीं मिला। अगर अब यह सरकार में आए तो आपसे सब कुछ छीन लेंगे। भाजपा के लोगों ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। किसान भाइयों

युवती को जानकारी ही नहीं, खाते से हो रहा लाखों

का ट्राजेक्शन; लखनऊ मे एफआइआर दर्ज

किए और फिर निकाल भी लिए। दो

नवंबर को बैंक मैनेजर का फोन आया

कि आपके खाते में प्रतिदिन 35 से

40 हजार का ट्रांजेक्शन हो रहा है। यह

सुनकर बेटी अवाक रह गई। बैंक

शाखा में जाकर स्टेटमेंट देखा। पता

चला कि खाते में नेट बैकिंग से

ट्रांजेक्शन हुआ है। जिन्होंने ट्रांजेक्शन

किया है उनके चार मोबाइल नंबर भी

हैं। जिसमें से एक पर बात की गई।

बताओ आय दोगुनी हुई। आय तो बढ़ी नहीं महंगाई जरूर बढ गई। वादा किया था कि हवाई चप्पल वाले हवाई जहाज में चलेंगे। लेकिन, पेट्रोल डीजल के इतने दाम बढ़ाए कि मोटरसाइकिल पर चलना भारी हो गया। अखिलेश यादव ने कहा कि यह तीन काले कानुन आपके खेतों पर पुंजीपतियों के कब्जा करा देंगे। हम किसानों के साथ है। तीनों कृषि कानूनों का विरोध करते रहेंगे। किसानों के साथ नौजवानों के सामने भी संकट खड़ा है। न रोजगार है और न ही खाने-कमाने के साधन। हमें लगा कि बाबा मुख्यमंत्री इसलिए लैपटॉप नहीं बांट रहे क्योंकि वह चलाना नहीं जानते। नौजवानों को 70 लाख नौकरी देने का वादा घोषणा पत्र में किया था।

किसी को नौकरी नहीं मिली। जब बाबा मुख्यमंत्री से पूछा गया कि कहां है नौकरी, तो मुख्यमंत्री कहते हैं कि हमारे पास नौकरी तो बहुत हैं लेकिन हमारे युवाओं में टेलेंट नहीं है। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि पलायन हो गया। अगर उत्तराखंड से मुख्यमंत्री का पलायन न होता तो हमारे पांच साल खराब न होते। उन्होंने कहा कि कोरोना में गरीबों की जान गई। भाजपा सरकार समय पर गरीबों को ऑक्सीजन दे देती तो सड़कों पर गरीब की मौत न होती। सरकार ने गरीबों को अनाथ छोड दिया था। अगर उस वक्त कुछ काम आया तो समाजवादी सरकार में शुरू की गई एम्बलेंस। सरकार कानून व्यवस्था का राग अलापती है। अब पुलिस की निर्दोष लोगों की हत्या कर रही है।

लखनऊ में आमरण अनशन से लौटे विधायक अमेटी में बनाने लगे सड़क पुलिस ने लिया हिरासत में

अमेठी (एजेंसी) गौरीगंज से समाजवादी पार्टी के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने जिन दो सड़कों को लेकर लखनऊ में आमरण अनशन किया था। गुरुवार को खुद के प्रयास व श्रमदान से उनका निर्माण शुरू करा दिया। विधायक खुद सड़क निर्माण में लगे रहे। दोनों सड़कें 24 से 48 घंटे के भीतर चलने योग्य बनाए जाने का दावा विधायक की ओर से किया गया है।

मुसाफिरखाना एसडीएम व सीओ के साथ पहुंची पुलिस विधायक राकेश

प्रताप सिंह को अपने साथ कादुनाला पुलिस चौकी पर लाई है। जिले की दो सडकों को लेकर गौरीगंज से सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह पिछले काफी दिनों से संघर्षरत हैं। गत 31 अक्तूबर को विधायक अपने पद से त्याग पत्र देने के बाद हजरतगंज में गांधी प्रतिमा के सामने धरने पर बैठ गए थे। दीपावली से उन्होंने



धरने को आमरण अनशन में तब्दील कर दिया था। जिसके बाद मंगलवार को उन्होंने अनशन तोड़ा था। बुधवार की शाम से ही विधायक से जुड़े लोग मजदूरों को एकत्र करने लगे थे। जो गुरुवार सुबह अलग-अलग रास्तों से दोनों सड़कों पर निर्माण के लिए पहुंच गए। दोनों ही सड़कों पर रात में ही ईट व गिट्टी गिर

वहीं पलिस अधीक्षक दिनेश सिंह ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विधायक को 151 में हिरासत में लिया गया है। दोनो सड़कों के पुनर्निमाण के लिए भेजा गया 2468.85 लाख का जिन दो मार्गों को लेकर बवाल चल रहा है। वे तहसील मुसाफिरखाना अन्तर्गत पीएमजीएसवाई योजनांतर्गत बने हैं। जिसमें 09 किमी कादुनाला-थौरी मार्ग तथा 5.65 किमीमुसाफिरखाना-इसौली-पारा मार्ग है। उक्त दोनों मार्गों के चौड़ीकरण व सुदृद्धीकरण के लिए 2468.85 लाख का आगणन तैयार कर मुख्य अभियंता अयोध्या क्षेत्र लोक निर्माण विभाग अयोध्या द्वारा स्वीकृति हेतु शासन को भेजा जा चुका है।

बागपत में युवक के अपहरण का मुकदमा दर्ज, पुलिस ने एक हिरासत में लिया, स्वजन का हंगामा

बागपत (एजेंसी) बागपत में तीन दिन से लापता युवक बरामद नहीं हुए तो स्वजन ने गुरुवार को कोतवाली पर हंगामा करते हुए अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं पुलिस संदिग्ध एक युवक को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही

है। पुलिस का कहना है कि लापता युवक को जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा। बागपत नगर के नौरोजपुर रोड निवासी युवक रविंद्र कुमार रहस्यमय ढंग से लापता है।

स्वजन का आरोप है कि रविंद्र अपने दो दोस्तों के साथ गत आठ नवंबर को घर से गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। जबकि रविंद्र के

दोस्त कुछ समय बाद ही अपने घर लौट आए थे। रविंद्र के बारे में जानकारी करने पर आरोपित युवकों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। पीड़ित स्वजन का आरोप है कि रविंद्र का अपहरण किया गया है। उन्होंने अनहोनी की आशंका जताई गई है। शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने सुनवाई नहीं की तो स्वजन ने कोतवाली में हंगामा किया। उनकी मांग है कि घटना का मुकदमा दर्ज कर पलिस कार्रवाई करें। उधर कोतवाली प्रभारी अजय कमार शर्मा का कहना है इस मामले में युवक आकाश के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया गया है। एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। युवक रविंद्र को जल्द ही बरामद किया जाएगा।

लूट की दोनों वारदातों में हो सकता है एक गिरोह, असमंजस में है प्रतापगढ़ की पुलिस

प्रतापगढ़ (एजेंसी) बदमाशों ने 20 दिन के अंतराल पर लूट की दो वारदातें कर पुलिस को कड़ी चुनौती दी है। दोनों घटनाओं को अंजाम देने का अंदाज काफी कुछ एक जैसा होने से पुलिस को इस बात की भी आशंका है कि यह एक ही गिरोह की करतूत भी हो सकती है।

हालांकि बिना किसी बदमाश के पकड़ में आए यह बात साफ नहीं होगी। इतना तय है कि पिछले दस दिनों में लूट की दो बड़ी वारदात को अंजाम देकर बदमाशों ने पुलिस को छकाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। 20 दिन पहले सई नदी पुल के पास सदर चौराहे के नजदीक बदमाशों ने दोपहर में लूट की थी। शराब व्यापारी के मैनेजर व गार्ड को गिराकर बाइक समेत आठ लाख रुपये ले भागे थे। इसमें भी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज समेत दूसरे तकनीकी संसाधनों का प्रयोग किया, पर अब तक सुराग नहीं लगा। पुलिस को असफल देख

बदमाशों ने फिर से उसी तरह की एक और सनसनीखेज वारदात को अंजाम दे दिया। यह भी शहर के किनारे सुनसान स्थान पर लगभग उसी तरह से की। दोनों में लाखों की नकदी ले गए। नगर कोतवाली क्षेत्र के पूरे शुकाल गांव में ई-कामर्स कंपनी के कैश एक्जीक्यूटिव से लूट करने वाले बदमाशों का विकास भवन के बाद लोकेशन नहीं मिल रहा है।

पुलिस की चार टीमें पसीना बहा हैं। प्रतापगढ़ के साथ ही प्रयागराज, अमेठी व जौनपुर में भी खाक छान रही हैं, पर बुधवार को शाम तक पुलिस के पास बताने लायक कोई खास बात नहीं थी। कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला गया, संदिग्धों को पकड़कर पूछा गया, पर कड़ी से कड़ी जुड़ नहीं पा रही है। आम पब्लिक से लेकर पुलिस तक को इस बात की आशंका है कि हो सकता है कि दोनों वारदातों में एक ही गिरोह के बदमाश रहे हों।

फोन रिसीव करने वाले सुशील मिश्रा ने कहा कि वह खाताधारक का पति है। इसके बाद उसने फोन काट दिया। उन्होंने बताया कि जबकि बेटी अविवाहित है। आनन-फानन वजीरगंज कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई। इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कोलकाता, मुंबई, बिहार और दिल्ली से हुआ ट्रांजेक्शन : युवती ने बताया कि जो मोबाइल नंबर उसके स्टेटमेंट में दिख रहे हैं, उनके बारे में पडताल की गई तो पता चला कि कोलकाता, मुंबई, दिल्ली और बिहार के हैं। यहां के लोगों ने रुपये जमा करके निकाले हैं। युवती के अनुसार वह इन लोगों को नहीं जानती। क्या कहते हैं साइबर एक्सपर्ट : साइबर ऋाइम सेल के एक्सपर्ट फिरोज बदर ने बताया कि

बना लिया और खाता संचालित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगर किसी व्यक्ति को एक बार आपका ओटीपी और एटीएम कार्ड पर दर्ज 16 अंको वाला नबर मिल गया तो वह यपीआइ अकाउंट बना सकता है। यह अकाउंट बनते ही वह व्यक्ति आपका खाता आपरेट करने लगेगा। इसकी जानकारी आपको नहीं होगी। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को आपके इंटरनेट बैंकिंग का लागइन पासवर्ड के साथ ही उसे एक बार का ओटीपी मिल गया तब भी वह आपका खाता संचालित कर सकता है। उक्त प्रकरण में भी ऐसा ही होने की संभावना है।

आशंका है कि जालसाजों ने ओटीपी

(वन टाइम पासवर्ड) और एटीएम

कार्ड का नंबर लेकर युपीआइ

(यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) अकाउंट

2021 : 19 नवंबर को पांच लाख दीपों से जगमग होगा संगम तट लोगों को बांटा जाएगा। कोविड-19 कहा कि पार्किंग की व्यवस्था इस प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रकार रहे कि आमजन को कोई

प्रयागराज (एजेंसी) देव दीपावली के मौके पर 19 नवंबर

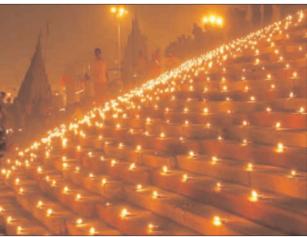
को संगम तट की छटा निराली होगी। उस दिन शाम को वहां पर पांच लाख दीप जलाए जाएंगे। यह दूश्य देखने के लिए दूर दराज से लोग आएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है।

संगम सभागार में डीएम संजय कुमार खत्री की देव दीपावली पर्व को भव्य एवं दिव्य रूप में मनाए जाने की तैयारियों के लिए बैठक की। इसके लिए एडीएम प्रशासन को नोडल अधिकारी नामित किया गया है और उन्हें निर्देश दिया कि देव दीपावली के लिए तैयारियों को तेज किया

डीएम ने बताया कि देव दीपावली के अवसर पर पांच लाख दीपों से संगम तट को सजाया जाएगा। इसमें जिला प्रशासन के साथ-साथ जिले के तमाम गणमान्य लोग शामिल होंगे। सेक्टर वाइज विभागों एवं अन्य कार्यऋम का आयोजन किया जाएगा। डीएम ने सीएमओ को एम्ब्रुलेंस के

साथ-साथ आवश्यक दवाएं आदि की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने मार्गो पर साइनेज और पार्किंग आदि की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिए।

समस्या न हो। इस दौरान वहां पर सांस्कृतिक कार्यऋम का भी आयोजन



किया जाएगा। गंगाघाटों पर मुख्य रूप से गंगा आरती मंच के दोनों तरफ साज सज्जा से युक्त छतरी लगायी जाएगी। उस दिन पर्यटक नावों से

भ्रमण कर सकेंगे, इसके लिए एक निश्चित शुल्क तय होगा। कार्यक्रम को आकर्षक एवं भव्य बनाने के लिए कलाकारों को आमंत्रित किया जाएगा।

डीएम ने कहा कि वाराणसी देव दीपावली के तर्ज पर यहां भी कार्यक्रम होगा।

यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सैंड आर्ट्स भी बनाया जाएगा। शहर के चौराहों को भी सजाया जाएगा। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देशित किया कि देव दीपावली पर्व पर बिजली

सप्लाई बेहतर रहे। नगर निगम के अफसरों को साफ-सफाई एवं पानी के टैंकर, मोबाइल शौचालय आदि की व्यवस्था करने को कहा। इस अवसर पर नगर आयुक्त

रवि रंजन, एडीएम प्रशासन हर्ष नारायण द्विवेदी, मेला अधिकारी संत श्रीवास्तव, विनोद चन्द्र दुबे, रंजना त्रिपाठी, प्रभाकर त्रिपाठी, अनिल

दिल्ली में पैदल चलने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी) विकासपुरी थाना क्षेत्र में बदमाशों ने दो लोगों के साथ झपटमारी की वारदात को अंजाम दिया। दोनों ही मामले में पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है। विकासपुरी निवासी राजकेश्वर वर्मा तीस हजारी कोर्ट से अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने सब्जी खरीदी और पैदल ही घर जा रहे थे। इस बीच वे मोबाइल से किसी से बात करने लगे।

जैसे ही वे बुढेला पार्क के नजदीक पहुंचे बदमाश मोटरसाइकिल से आए और मोबाइल झपटकर चलते बने। वहीं, केशोपुर मंडी में सब्जी का कारोबार करने वाले बजरंग को भी मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने निशाना बनाया। पुलिस को आशंका है कि दोनों मामले में आरोपित एक ही हो सकते हैं। वहीं, द्वारका जिला पुलिस ने क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की धरपकड़ का अभियान चला रखा है। इस ऋम में मोहन गार्डन थाना पुलिस ने 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

ये सभी नाइजीरिया के रहने वाले हैं। इनमें से कई ऐसे थे, जिनके पास न तो वीजा और न ही पासपोर्ट था। कई ऐसे भी थे जिनके वीजा की अवधि बीत चुकी थी। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी ने बताया कि आपरेशन वर्चस्व के तहत मोहन गार्डन थाना क्षेत्र में जिन अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है कि उनमें नेसेफी, थाम्पसन, ओकोन, संडे, प्रिंस, चुकोउमेका, गास्पेल, इग्नाटियस, जूनियर यहां बिना वीजा के रह रहे थे।

वहीं, यजोमा व केविनब्राइफोर के पास न तो पासपोर्ट और न ही वीजा था। वहीं, डाइडेर, एमेनुएल, ओलिवर, ब्लेसिंग के पास भी कोई कागजात नहीं था। उपायुक्त का कहना है कि अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ प्रतिस्न की कर्मवाई जारी रहेगी।

पहलवान निशा के हत्यारोपित पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित

नई दिल्ली, सोनीपत (एजेंसी) हरियाणा के सोनीपत जिले में महिला पहलवान निशा दिहया और उसके भाई दीपक की हत्या में स्थानीय पुलिस ने आरोपित पवन कुमार पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। दरअसल बृहस्पतिवार को ग्रामीणों द्वारा बुलाई गई पंचायत में परिवार ने दो बड़ी मांग की है। पहली 24 घंटे में आरोपित पवन कुमार को गिरफ्तार किया जाएगा और दूसरी मांग आरोपित पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित करने की थी। वहीं, पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम पवन पर घोषित किया है।

इसके साथ सोनीपत पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपित पवन को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परिवार का कहना है कि जब तक निशा के हत्यारोपितों को गिरफ्तार नहीं कर लिया जाता है, तब तक डेड बाडी नहीं लेंगे। वहीं, निशा के पहलवान पिता दयानंद दिहया का करना है कि आरोपित निशा को लगातार परेशान कर रहे थे। उसने इस बारे में अपनी मां को बताया था। मैंने अपनी बेटी को अकादमी के बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन उनके (आरोपियों) ने उसका ब्रेनवाश कर दिया।

वे लगातार अलग-अलग कारणों से पैसे की मांग कर रहे थे। बता दें कि निशा दिहया की हत्या के बाद उसके गांव हलालपुर में दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी तनावपूर्ण स्थित बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोपत लगाया है कि कुश्ती अकादमी चला रहे पवन ने अपने साले के साथ मिलकर खिलाड़ी निशा उसके भाई सूरज और उसकी मां पर गोलियां चलाई हैं। बता दें कि निशा की मां की तबीयत ठीक है, उनके कंधे पर गोली लगी थी। इस घटना के बागद ग्रामीणों ने पवन की अकादमी में तोड़फोड़ करनेके बाद उसे आग के हवाले कर दिया था। निशा गांव हलालपुर में ही स्थापित सुशील कुमार अकादमी में कुश्ती की प्रैक्टिस करती थी। बुधवार दोपहर के बाद रोजाना की तरह वह अपने भाई सूरज और मां के साथ आई थी। बताया जा रहा है कि यहां मौजूद संचालक पवन और उसके कुछ साथियों ने तीनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

ड्रग तस्करी करने वाले हुए हाइटेक, अब विदेश से इन तरीकों से मंगवा रहे ड्रग्स और बिटकाइन में कर रहे भुगतान

नई दिल्ली (एजेंसी) डार्कनेट के जिरये विदेश से ड्रग्स तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को ऋइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों से कनाडा से मंगाया गया 1800 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। इसका भुगतान कनाडा में बिटकाइन से किया गया था। ऋइम ब्रांच की टीम इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। संयुक्त आयुक्त (अपराध) आलोक कुमार के मुताबिक, ऋइम ब्रांच की विशेष टीम ड्रग्स तस्करी करने वाले गिरोह को लेकर जानकारी जुटा रही थी। सूचना मिली कि पश्चिमी दिख्नी के कुछ युवक डार्कनेट के जिरये विदेश से ड्रग्स मंगवा रहे हैं।

इस जानकारी पर एसीपी अरविंद कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर दाता राम के नेतृत्व में गठित टीम ने शालीमार बाग इलाके में छापेमारी कर पश्चिम विहार निवासी करण सजनानी, संजीव मिड्डा और विकासपुरी निवासी प्रियांश को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 1800 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि संजीव विकासपुरी थाने का घोषित बदमाश है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया उन्होंने पहले विकर एप का इस्तेमाल कर कनाडा में बैठे शख्स से बात की। इस एप पर चैट तीन दिन में अपने आप ही नष्ट हो जाती है। इसके बाद गांजे की डील करने के लिए डार्कनेट के जिंदे कनाडा में बैठे से शख्स से बात करने लगे।

संयुक्त आयुक्त ने बताया कि डार्कनेट पर 50 से 60 आनलाइन मास्क लेयर के पीछे आइपी एड्रेस होता है। इसकी वजह से जांच एजेंसी के लिए भी आरोपितों को पकड़ना आसान नहीं होता। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गांजा कनाडा से दिल्ली हवाई जहाज से पहुंचाया गया था। इसके लिए कनाडा में बैठे तस्करों ने विशेष प्रकार से एयर टाइट पैकिंग की थी। इससे किसी भी स्कैनर की जद में नहीं आ सका। इंटरनेट पर डार्कनेट एक ऐसा माध्यम है, जहां तमात तरह की अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है।

छोटे भाई के साथ अकादमी आती थी पहलवान निशा

नई दिल्ली, सोनीपत (एजेंसी) जागरण संवाददाता। सुशील कुमार कुश्ती अकादमी में भाई-बहन की हत्या के बाद गांव हलालपुर के ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है। अकादमी में आगजनी के बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। पुलिस स्थित पर बृहस्पतिवार को भी नजर बनाए हुए है। हलालपुर निवासी 22 वर्षीय निशा तीन वर्ष से इस अकादमी में प्रशिक्षण ले रही थी। तीन बहनों में छोटी निशा का एक छोटा भाई सूरज भी था। सूरज रोजाना सुबह और शाम को अपनी बहन को घर से अकादमी लेकर जाता और वापस घर लाता था। बुधवार को भी यही हुआ था।

सूरज सुबह निशा को अकादमी में छोड़कर गया था। निशा के चचेरे भाई दीपक ने बताया कि अकादमी से घर पर फोन करके सूचना दी गई थी कि निशा की तबीयत खराब हो गई है, उसे ले जाओ। इस पर सूरज और उसकी मां धनपित स्कूटी पर निशा को लेने पहुंचे थे। वहां अंदर से भागती हुई आई निशा ने बताया कि कोच उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा था। तभी पीछ से आए कोच पवन ने गोली मारकर निशा की हत्या कर दी। निशा और सूरज घर के छोटे बच्चे थे। दो बड़ी बहने शादीशुदा हैं। मां धनपित के साथ निशा और सूरज हलालपुर में रह रहे थे।

उनके पिता दयानंद श्रीनगर में ड्यूटी पर तैनात हैं। निशा ने तीन वर्ष पहले आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में हिस्सा लेते हुए रजत पदक जीता था, जिसके बाद से ही वह इस अकादमी में प्रैक्टिस करती आ रही थी। वारदात के बाद घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी की फुटेज को नष्ट करने के लिए हत्यारे डीवीआर भी उखाड़ ले गए। मुख्य गेट के पास लगे सीसीटीवी कैमरे के साथ ही अंदर कोच के कमरे में लगे डीवीआर की तारों को काटकर उसे साथ ले गए हैं, ताकि सबूतों को मिटाया जा सके। घटना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए जो वारदात के पीछे के कारणों के बारे में भी जानना चाह रहे थे लेकिन वारदात के पीछे की वजह सामने नहीं आई। पुलिस की तरफ से इस मामले में गहनता से जांच की जा रही है।

लैंडफिल साइट पर आग की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए एमसीडी को एक्शन प्लान बनाकर देने के निर्देश : गोपाल राय

यह टीमें दिन-रात निरीक्षण और पेट्रोलिंग कर जगह-जगह जलने वाले कूड़े और आग लगने की घटनाओं को रोकेंगी: गोपाल राय

11 नवंबर से 11 दिसंबर तक चलने वाले एंटी ओपेन बर्निंग कैंपेन को सफल बनाने के लिए सौंपी गई 10 विभागों को जिम्मेदारी

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के अंदर के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज एंटी ओपेन बर्निंग कैंपेन की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने गाजीपुर लेंडफिल साइट का निरीक्षण भी किया। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि 11 दिसंबर तक चलने वाले इस कैंपेन के तहत 550 टीमें दिन-रात निरीक्षण और पेट्रोलिंग कर जगह-जगह जलने वाले कूड़े और आग लगने की घटनाओं को रोकेंगी। साथ ही, लैंडफिल साइट पर आग की घटनाओं को समय रहते नियंत्रित करने के लिए एमसीडी को एक्शन प्लान बनाकर देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने

कहा कि पिछले ढाई साल में गाजीपुर लैंडफिल साइट से सिर्फ 5.5 फीसद कूड़े का निस्तारण ही किया जा सका है। एमसीडी को कूड़े के निस्तारण को लेकर सही एक्शन प्लान बनाने की जरूरत है। इस संबंध में जल्द ही समीक्षा बैठक करेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि राज्यों की इमरजेंसी बैठक बुलाने के संबंध में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। इसलिए उन्हें दोबारा पत्र भेज रहा हुं, ताकि

पराली के प्रदूषण को कम किया जा सके। दिल्ली में आज से एंटी ओपेन बर्निंग कैपेन शुरू हो गया है। 11 दिसंबर तक चलने वाले इस कैपेन की शुरूआत दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने की।

कैंपेन की शुरूआत के उपरांत पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने गाजीपुर लैंडिफिल साइट का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अभी दिल्ली के अंदर प्रदूषण का स्तर काफी है और दिल्ली के चारों तरफ पराली जलने की घटनाएं हो रही हैं। दिल्ली के अंदर खुले में कूड़ा आदि जलाया जाता है, उससे होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए आज से एंटी ओपेन बर्निंग



कैपेन शुरू किया गया है। यह कैपेन आगामी
11 दिसंबर तक चलेगा। कैपेन को सफल
बनाने की जिम्मेदारी अलग-अलग दस
विभागों को दी गई है। इन विभागों में करीब
550 टीमें बनाई गई हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल
राय ने कहा कि पिछले साल भी नवंबर के
महीने में गाजीपुर लैंडिफल साइट पर आग लगी
थी। जब इस कूड़े के पहाड़ में आग लगती है,
तो फिर वह कई दिनों तक जलता रहा है और
इसका प्रदूषण पूरे वातावरण में फैलता रहता है।
आज हमने गाजीपुर लैंडिफल साइट का
निरीक्षण भी किया है, ताकि यहां पर आग लगने
की घटनाओं को रोका जा सके। हमने

लैंडफिल साइट पर कार्यरत एमसीडी को निर्देशित किया है कि अगर लैंडफिल साइट पर आग लगती है, तो उसे बुझाने का एक फूल प्रूफ एक्शन प्लान बनाकर साँप। जिससे कि अगर कभी भी आग लगती है, तो उसको समय रहते ही निर्यत्रित किया जा सके और आग लगने की वजह से होने वाले प्रदूषण से बचा जा सके। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आज से दिख्ली के अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग

विभागों की तरफ से निरीक्षण और पेट्रेलिंग करने का दिन-रात का यह अभियान शुरू हो रहा है। जिससे कि जगह-जगह जलने वाले कूड़े और आग लगने की घटनाओं को रोका जा सके और दिख्ली के अंदर के प्रदूषण को कम किया जा सके।

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर कूड़े के निस्तारण को लेकर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि एमसीडी के इंजीनियर्स और डीपीसीसी के वैज्ञानिकों ने भी अपनी रिपोर्ट दी है। बताया जा रहा है कि पिछले ढाई साल में केवल 5.5 फीसद ही कूड़े का निस्तारण किया जा सका है। मेरे ख्याल से इस गति से कूड़े का

निस्तारण बहुत मुश्किल लग रहा है। एमसीडी के लोग कह रहे हैं कि कूड़े के निस्तारण में 13 साल लगेंगे। मेरे ख्याल से कूड़े के निस्तारण को लेकर अभी तक की जो प्रगति है, वह बहुत ही खराब है। मुझे लगता है कि एमसीडी को कूड़े के निस्तारण को लेकर एक सही एक्शन प्लान बनाने की जरूरत है। क्योंकि अगर पिछले ढाई साल में सिर्फ 5.5 फीसद ही कूड़े का निस्तारण हुआ है, तो इस औसत से इसका निस्तारण होना मुश्किल दिख रहा है।

कूड़े के निस्तारण को लेकर भी हम समीक्षा बैठक करेंगे। जिससे कि यह समझ में आ सके कि कूडे के निस्तारण में इतनी देर क्यों हो रही है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आगे कहा कि दिल्ली के अंदर के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हमने पांच बिंदुओं पर काम शुरू कर दिया है। जैसे आज से हमने एंटी ओपेन बर्निंग कैंपेन शुरू किया है। कल हम एंटी डस्ट कैंपेन का दूसरा चरण भी लांच करने जा रहे हैं। जिससे कोई ऐसी निर्माण साइट बची है, जहां से धूल का प्रदूषण हो रहा है, तो उसको भी रोका जा सके। साथ ही निर्माण साइटों का दबारा निरीक्षण किया जाएगा. ताकि यह पता चल सके कि कोई मानदंडों का उल्लंघन तो नहीं कर रहा है। पूरे दिल्ली के अंदर सड़कों पर पानी के छिड़काव का अभियान भी चल रहा है।

नाबालिग युवक ने मामूली बात पर चाचा

और उनकी बेटी पर कर दी फायरिंग,

मामला जानकर रह जाएंगे हैरान

नर्ड दिल्ली (एजेंसी) सब्जी मंडी इलाके में पहले बाल कटाने को लेकर

हुए विवाद में नाबालिंग ने युवक पर फायरिंग कर दी। इससे युवक के 42

वर्षीय चाचा ब्रज किशोर व उनकी बेटी 18 वर्षीय ट्विंकल घायल हो गए।

वहीं आरोपित नाबालिग फरार हो गया। सुचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को

सेंट स्टीफन अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर दोनों की हालत खतरे से बाहर

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस के

मुताबिक, वारदात दोपहर करीब 2.30 बजे कबीर बस्ती इलाके में हुई। यहां

रहने वाला लवली सैलून पर बाल कटवाने गया था। इस दौरान इलाके में रहने

वाला एक नाबालिंग भी वहां पहुंचा। पहले बाल कटाने को लेकर नाबालिंग

और लवली से झगडा हुआ। बात बढी तो लवली ने नाबालिंग को थप्पड मार

दिया। अधिक विवाद होने पर दोनों के स्वजन भी वहां पहुंच गए। लवली की

मां और उनके चाचा ब्रिज किशोर, चचेरी बहन ट्विंकल भी वहां पहुंच गए।

दूसरी ओर नाबालिंग का बड़ा भाई हिमांशु आ गया। आरोप है कि कहासुनी

के दौरान अचानक नाबालिंग भागकर घर गया और वहां से तमंचा लेकर आया

और पहुंचते ही गोली चला दी। गोली लवली के चाचा को लगते हए टिंवकल

की जांघ में जा लगी। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। उधर दक्षिणी दिल्ली में

दीपावली पर घुमने निकले तीन युवकों को लुटने वाले चार बदमाशों को

है। बताया जा रहा है कि आरोपित

नाबालिंग किसी को चाकू मारने के

मामले में बाल सुधार गृह में भेजा जा

चुका है। वह हाल में वहां से छूट कर

आया था। मामले में सब्जी मंडी थाना

पुलिस ने हत्या के प्रयास, अवैध

हथियार व अन्य धाराओं में मामला

दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस

इस बार कितने घंटे की होगी परीक्षा और किस काम के लिए मिलेगा एक घंटा अतिरिक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमित व दूरस्थ के स्नातक छात्रों की परीक्षाएं 30 नवंबर से प्रस्तावित हैं। तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर के छात्रों की ओपन बुक परीक्षा होगी। छात्र चाहें तो घर या फिर कालेज आकर परीक्षा दे सकते हैं। डीयू प्रशासन ने बताया कि परीक्षा चार घटें की होगी।

तीन घंटे छत्रों को उत्तर पुस्तिका लिखने के लिए मिलेंगे। जबकि एक घंटा पेपर डाउनलोड व उत्तर पुस्तिका

अपलोड करने के लिए मिलेंग। दिव्यांग छत्रों को परीक्षा के लिए छह घंटे का समय दिया जाएगा। डीयू प्रशासन ने बताया कि उत्तर पुस्तिका अपलोड करने में तकनीकी दिक्कत पेश आने पर छत्रों को एक अतिरिक्त घंटा दिया जाएगा। हालांकि इसके लिए छत्रों को तकनीकी खामी संबंधी प्रमाण का स्क्रीन शाट भी जमा करना होगा।

यदि एक घंटा अतिरिक्त मिलने के बाद भी तकनीकी खामी के चलते छात्र उत्तर पुस्तिका जमा नहीं कर पाते हैं तो फिर ईमेल का विकल्प दिया जाएगा। छात्र संबंधित कालेज के नोडल अधिकारी को उत्तर पुस्तिका ईमेल कर सकेंगे। इसके लिए 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। डीयू ने स्पष्ट किया है कि चार घंटे के बाद जो भी अतिरिक्त समय



दिया जाएगा, उसमें जमा की गई कापियां रिव्यू कमेटी को सौंपी जाएंगी। यह कमेटी सुनिश्चित करेगी कि कापियां जांचनी है या नहीं। डीयू ने कालेजों को निर्देश दिया है कि परीक्षा संबंधी जानकारी छत्रों को वाट्सएप, ईमेल भी करें। यही नहीं सभी कालेजों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने एवं इनके नंबर, ईमेल वेबसाइट पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए हैं। नान कालेजिएट वुमेन एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) ने बीकाम, बीए के तीसरे, पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं टाल दी है। डीयू ने बताया कि ये परीक्षाएं 30 नवंबर से प्रस्तावित थी। इन्हें अगले आदेश तक टाला जा रहा है। ये परीक्षाएं अब स्नातक की कक्षाओं के बाद होंगी। परीक्षा की तिथि बाद में जारी की जाएगी। एनसीवेब में दिख्नी की छत्राओं को

दाखिला दिया जाता है। डीयू ने दस्तावेजों के सत्यापन के बाद एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटी (ईसीए) से दाखिले के पात्र छत्रों की सूची जारी कर दी गई है। डीयू ने कहा है कि पात्र छत्र शुक्रवार रात 11 बजकर 59 मिनट तक कालेज एवं

पाठ्यक्रम चुन सकते हैं।
छत्रों को निर्देश दिए गए हैं कि
दाखिला पोर्टल पर लाग इन करें एवं
कालेज का चयन करें। डीयू इसके बाद
दाखिले के लिए तिथि जारी करेगी। डीयू
ने स्नातकोत्तर का अकादिमक कैलेंडर

जारी कर दिया है। स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों की पहले सेमेस्टर की कक्षाएं पहली दिसंबर से चलेंगी। जबिक दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं 16 अप्रैल 2022 से शुरू होंगी। पहले सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षाएं अगले साल 20 से 29 मार्च के बीच होंगी। जबिक परीक्षाएं 30 मार्च से 12 अप्रैल तक होंगी। दूसरे सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षाएं अगले साल 2 से 11 अगस्त के बीच होंगी।

वहीं परीक्षाएं 12 से 29 अगस्त तक होंगी। डीयू के पीजीडीएवी कालेज में एक बार फिर छत्रों के लिए टीकाकरण केंद्र शुरू हुआ है। प्राचार्य डा. आरके गुप्ता ने बताया कि छत्रों, शिक्षकों के लिए टीकाकरण की सुविधा है। यही नहीं, छत्रों को वायरल बुखार के प्रति भी सचेत किया गया।

पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से लूट के छह मोबाइल फोन और विदेशी सिगरेट के पैकेट बरामद किए हैं। आरोपितों की पहचान सूरज रोहित, पुष्प कुमार, और रवि कुमार के रूप में की गई है। इन दिनों क्यों परेशान चल रहे हैं दिल्ली कांग्रेस के विरष्ठ नेता

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता इन दिनों कुछ परेशान हैं। वह इसलिए क्योंकि उनकी सुनी ही नहीं जा रही। प्रदेश नेतृत्व सभी को साथ लेकर चलने बात तो करता है, लेकिन चलता मनमर्जी से हैं। कहा जा रहा है कि इन वरिष्ठ नेताओं के समर्थकों को जंबो कार्यकारिणी में भी जगह नहीं मिली। अब यह समर्थक अपने आकाओं के पास पहुंच रहे हैं और आका खुद ही हैरान परेशान हैं।

चर्चा इस बात की भी है कि कार्यसमिति के बाद अब प्रदेश कार्यकारिणी भी जल्द घोषित हो सकती है, वह भी जंबो ही होगी। समर्थकों को लग रहा है कि कहीं इसमें भी उन्हें जगह न मिले। ऐसे में नेताजी का परेशान होना तो स्वाभाविक ही है। लेकिन उन्हें समझ नहीं आ रहा कि करें क्या, खुद से बात करने में अहम आड़े आ रहा है और बात न करें तो समर्थकों के भागने का भय सता रहा है। बढ़ती ठंड के साथ प्रदेश महिला कांग्रेस का उत्साह भी कुछ ठंडा पड़ता नजर आ रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के हर कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेने वाली यह इकाई कुछ दिनों से अपनी उपस्थिति भी ठीक से दर्ज नहीं करा पा रही। अगर यह कहा जाए पार्टी की किसी भी गतिविधि में महिला कांग्रेस की भागीदारी ही नहीं के बराबर हो गई है तो शायद अतिश्योक्ति नहीं होगी। सुनने में आ रहा है कि परदे के पीछे प्रदेश कांग्रेस के साथ कुछ खटपट हो गई है। दरअसल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष अमृता धवन जिस तरह से प्रदेश के कार्यक्रमों में होंग लगे न फिटकरी, रंग चोखा ही चोखा.. की तर्ज पर प्रचार प्रसार पाने का प्रयास करती रही हैं, वह बहुत से नेताओं को नागवार गुजरा।

मनीष सिसोदिया ने धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर राष्ट्रीय उपलिख सर्वेक्षण को स्थगित करने का आग्रह क्यों किया

नर्द दिल्ली (एजेंग्री)

नई दिल्ली (एजेंसी) उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर देश भर के स्कूलों में शुक्रवार को होने वाले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) को स्थगित करने का आग्रह किया है। सिसोदिया, जो दिल्ली के शिक्षा मंत्री भी हैं, ने कहा कि सर्वेक्षण में एकत्र किया गया डेटा विश्वसनीय नहीं होगा क्योंकि कोविड-19 के कारण लंबे समय तक बंद रहने के बाद स्कुल पूरी तरह से नहीं खुले हैं। ऐसे में यह अभ्यास समय और पैसे दोनों की बर्बादी होगी। सिसोदिया ने पत्र में लिखा, डेढ़ साल के बाद छात्र धीरे-धीरे स्कुलों में आने लगे हैं। मेरा मानना है कि इस समय हमें छात्रों के सामाजिक, मानसिक भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। बड़ी संख्या में छात्र स्कूल



नई दिल्ली (एजेंसी) सीमापुरी बस डिपो में कलस्टर बस को पीछे करते वक्त चालक ने एक सुपरवाइजर को रौंद दिया। सुपरवाइजर के सिर पर बस का पहिया चढ़ने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के वक्त आरोपित चालक फोन पर बात करते हुए बस को पीछे कर रहा था, हादसे के बाद आरोपित फरार हो गया। मृतक की पहचान ओमवीर के रूप में हुई है। आरोप है स्वजन जब मौके पर पहुंचे तो ओमवीर का शव बस के पास ही पड़ा हुआ था। डिपों के प्रबंधन ने स्वजन के पहुंचने पर मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित चालक सुभाष को दबोच लिया है। पुलिस के अनुसार ओमवीर अपने परिवार के साथ जवाहर नगर, गाजियाबाद में रहते थे।



पर किए गए सर्वेक्षण के आधार पर नीति बनाने के बजाय उन्हें वापस लाने के लिए प्रयास होना चाहिए।मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि सर्वेक्षण को अभी के लिए रोक दिया जाना चाहिए और बाद में ऐसे समय में आयोजित किया जाना चाहिए जब स्थिति सामान्य हो जाए। सर्वेक्षण का उद्देश्य तभी पूरा होगा और डेटा विश्वसनीय होगा। इस समय सर्वेक्षण कर इसके आधार पर कोई नीति बनाई जाती है तो परिणाम घातक हो सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को देश भर के 733 जिलों के 1.23 लाख स्कूलों के 38 लाख से अधिक छात्र सर्वेक्षण में भाग लेंगे। सर्वेक्षण, जो छात्रों द्वारा तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा के स्तर पर विकसित

दक्षताओं का आकलन करता है, हर तीन साल में आयोजित किया जाता है। यह आखिरी बार 2017 में आयोजित किया गया था और 2020 में होने वाला था। लेकिन कोविड -19 स्थिति के कारण, इसे इस वर्ष तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। जबकि उपकरण विकास, परीक्षण, परीक्षण मदों को अंतिम रूप देना, स्कूलों का नमूनाकरण आदि एनसीईआरटी द्वारा किया गया है, नमूना स्कूलों में परीक्षण का वास्तविक प्रशासन संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से सीबीएसई द्वारा किया जाएगा। सर्वेक्षण सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों को कवर करेगा और महामारी के दौरान सीखने में रुकावट और नई सीख का आकलन करने और उपचारात्मक उपाय करने

नगर निगम चुनाव २०२२ में भाजपा उठाएगी छठ पर प्रतिबंध का मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)

छठ महापर्व तो संपन्न हो गया, लेकिन इसे लेकर जिस तरह से राजनीति हुई उसका असर आने वाले नगर निगम चुनाव पर भी पड़ेगा। यह पर्व पूर्वाचल के लोगों की भावना से जुड़ा हुआ है और राजधानी दिख्नी में इनकी संख्या चुनावी समीकरण को बदलने के लिए काफी है। यही कारण है कि छठ पूजा के आयोजन को लेकर लगाए गए प्रतिबंध को भाजपा ने मुद्दा बना लिया। पार्टी के नेताओं ने सड़कों पर उतर रोष जताया और प्रतिबंध का उछंचन करते हुए यमुना तट पर पुजा अर्चना की।

अपने आप को पूर्वाचल के लोगों का हितैषी दिखाने की पूरी कोशिश की गई। आगे भी इस मुद्दे को जनता के बीच उठाने की तैयारी है जिससे कि निगम चुनाव में पूर्वाचल के लोगों का साथ मिल सके। दिख्ली में दुर्गा पूजा, दशहरा और दीवाली के आयोजन की अनुमित देने के साथ ही सार्वजनिक रूप से छठ पूजा मनाने पर रोक लगा दी गई थी। भाजपा ने इसका विरोध करते हुए इसे पूर्वाचल के लोगों की पहचान से जोड़ दिया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व उत्तर पूर्वी दिख्ली के



सांसद मनोज तिवारी ने इसके विरोध में छठ रथ यात्रा निकालकर छठ पूजा समितियों व पूरिबया लोगों को साथ जोड़ने की कवायद शुरू कर दी। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) पर पूर्वांचल विरोधी होने का आरोप लगाते हुए हरहाल में सार्वजनिक रूप से छठ मनाने की घोषणा करी दी। बाद में

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सार्वजनिक रूप से छठ पूजा के आयोजन की अनुमति तो दे दी, लेकिन यमुना किनारे इसे मनाने पर प्रतिबंध जारी रखा। भाजपा नेताओं ने इसका विरोध जारी रखा।

नहाए खाए के दिन पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने प्रतिबंध का उल्लंघन कर आइटीओ स्थित घाट की सफाई कर वहां पूजा की और पूर्वांचल के लोगों से यहां आकर पूजा करने का आह्वान किया। उसके बाद मंगलवार को पुलिस घेरा तोड़ते हुए वहां उन्होंने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ पूजा अर्चना की। इसी तरह से प्रदेश अध्यक्ष व तिवारी ने सोनिया विहार में यमुना किनारे व्रतियों के साथ पूजा की।

भाजपा के रणनीतिकार अब इसे चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश में जुट गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष अपनी झुग्गी सम्मान यात्रा में इसे उठाएंगे। अन्य नेताओं को भी इसे प्रचारित करने के लिए कहा गया है कि किस तरह से दिख्नी सरकार ने उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। इसके लिए विशेष अभियान चलेगा।

अदेश गुप्ता (दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष) का कहना है कि क सरकार पूर्वाचल विरोधी, आस्था विरोधी और हिंदू धर्म की विरोधी है। यमुना में गंदे नाले को गिरने से नहीं रोक सकी, लेकिन छठ पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया। उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में आयोजन की अनुमित थी फिर दिल्ली में क्यों रोक लगाई गई। सरकार के इस धर्म विरोधी कदम के खिलाफ जनता को

सम्पादकीय

ओपन सर्व

प्लास्टिक कचरे के भयावह खतरे

पर्यावरण के लिए प्लास्टिक पूरी दुनिया में बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। इसीलिए इसका उपयोग सीमित करने और कई प्रकार के प्लास्टिक पर प्रतिबंध की मांग उठती रही है। भारत में भी ऐसी ही मांग निरंतर होती रही है। समय-समय पर इसके लिए अदालतों द्वारा सख्त निर्देश भी जारी किए जाते रहे हैं किन्तु इन निर्देशों की पालना कराने में सख्ती का अभाव सदैव स्पष्ट परिलक्षित होता रहा है। यही कारण है कि लाख प्रयास के बावजूद प्लास्टिक के उपयोग को कम करने में सफ्लता नहीं मिल पा रही है। इसका अनुमान इन आंकडों से भी लगाया जा सकता है कि भारत में 1990 में पॉलीथीन की जो खपत करीब बीस हजार टन थी, वह अगले डेढ दशकों में ही कई गुना बढ़कर तीन लाख टन से भी ज्यादा हो गई।

10 अगस्त 2017 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के तत्कालीन चेयरपर्सन स्वतंत्र कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने अपने एक अहम फैसले में दिल्ली में 50 माइक्रोन से कम मोटाई वाली नॉन बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाते हुए सरकार को एक सप्ताह के भीतर ऐसे प्लास्टिक के सारे भंडार को जब्त करने का आदेश देते हुए कहा था कि दिल्ली में अगर किसी व्यक्ति के पास से प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद होते हैं तो उसे पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 5 हजार रुपये की राशि भरनी होगी। देश के बीस से भी अधिक राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में

प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर इसी समय-समय पर तरह के नियम लागू हैं लेकिन इसके लिए अदालतों द्वारा विडंबना है कि सख्ती के अभाव में इतना समय बीत जाने के बाद सख्त निर्देश भी जारी किए भी दिल्ली तथा देश के अन्य तमाम जाते रहे हैं किन्तु इन निर्देशों राज्यों में पॉलीथीन का उपयोग की पालना कराने में सख्ती बदस्तूर जारी है। अगर देश में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग में का अभाव सदैव स्पष्ट कमी नहीं आ रही है तो इसका परिलक्षित होता रहा है। यही सीधा और स्पष्ट अर्थ यही है कि कारण है कि लाख प्रयास के इनके उत्पादन, बिक्री और उपयोग बावजूद प्लास्टिक के को लेकर संबंधित विभागों का रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना और उपयोग को कम करने में लापरवाही भरा रहा है। सफलता नहीं मिल पा रही है। अक्सर देखा जाता है कि इसका अनुमान इन आंकड़ों हमारी छोटी-बडी लापरवाहियों और कचरा प्रबंधन प्रणालियों की से भी लगाया जा सकता है खामियों की वजह से पॉलीथीन कि भारत में 1990 में या अन्य प्लास्टिक कचरा नालियों पॉलीथीन की जो खपत में भरा रहता है, जो नालियां,

करीब बीस हजार टन थी,

वह अगले डेढ़ दशकों में ही

टन से भी ज्यादा हो गई।

कई गुना बढ़कर तीन लाख

बारिश होते ही जगह-जगह बाढ जैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से बताया है कि किस प्रकार 1988 और 1998 में बांग्लादेश में आई भयानक बाढ़ का कारण यही प्लास्टिक ही था क्योंकि नालियों या नालों में प्लास्टिक जमा हो जाने से वहां के नाले जाम हो गए थे और इसीलिए इससे सबक लेते हुए बांग्लादेश में 2002 से प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आयरलैंड में प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल पर 90 फीसदी टैक्स लगा

डेनेज और सीवरेज सिस्टम को

ठप्प कर देता है। यही कचरा अब

निदयों के बहाव को अवरुद्ध

करने में भी सहायक बनने लगा

है, जो अब थोड़ी सी ज्यादा

दिया गया, जिसके चलते इनका इस्तेमाल बहुत कम हो गया। आस्ट्रेलिया में सरकार की अपील से ही वहां इन थैलियों के इस्तेमाल में 90 फीसदी कमी आई। अफ्रीका महाद्वीप के देश खांडा में प्लास्टिक बैग बनाने, खरीदने और इस्तेमाल करने पर जुर्माने का प्रावधान है। फ्रांस ने 2002 में प्लास्टिक पर पाबंदी लगाने का अभियान शुरू किया और 2010 में इसे पुरे देश में पुरी तरह से लागु कर दिया गया। न्युयॉर्क शहर में रिसाइकल नहीं हो सकने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा है। चीन, मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, इटली इत्यादि देशों ने प्लास्टिक कचरे के आयात पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए हैं। चीन विश्व का सबसे बड़ा प्लास्टिक कचरा आयातक देश रहा है लेकिन उसने भी कुछ समय पहले 24 श्रेणियों के ठोस प्लास्टिक कचरे के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

प्लास्टिक पर पाबंदी के लिए चरणबद्ध तरीके से भारत में भी इसी प्रकार के संख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है। हालांकि वर्ष 2022 तक देश को 'सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त भारत' बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 1 जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए जाने का निर्णय लिया जा चका है लेकिन फ्लिहाल भारत न केवल दिनया के सर्वाधिक प्लास्टिक कचरा आयात करने वाले देशों में शामिल है बल्कि यहां प्रतिदिन बहुत बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा भी उत्पन्न होता है। हालांकि भारत द्वारा भी 'खतरनाक अपशिष्टों के प्रबंधन और आयात से जुड़े नियम 2015' में संशोधन करते हुए 1 मार्च 2019 को ठोस प्लास्टिक के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था किन्त इन नियमों में कुछ खामियों के चलते अभी भी देश में प्लास्टिक कचरे के आयात को छूट मिल रही है। इसी का पायदा उठाकर प्लास्टिक की खाली बोतलों को महीन कचरे के रूप में आयात किया जा रहा है।

क्यों अंतिम सांसें लेता किसान आंदोलन

आर.के. सिन्हा

तीन कृषि कानूनों के निरस्त होने तक अपना आंदोलन जारी रखने का फैसला करने वाले ढाई राज्यों के किसान अब पूरी तरह से पस्त और थके लग रहे हैं। इनके धरना स्थलों पर किसानों की उपस्थिति लगातार घट रही है। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान नेताओं की लाख कोशिशों के बावजूद अपने आंदोलन को अखिल भारतीय चरित्र तो एक दिन के लिए भी नहीं

इस आंदोलन को उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को छोडकर अन्य किसानों तक का समर्थन नहीं मिला है। 75 जिलों में मात्र चार-पांच जिलों के किसान ही इसमें सिऋय दिखे इसलिए इस आंदोलन को सवा दो राज्यों का आंदोलन कहना पड़ रहा है। महाराष्ट्र और गुजरात का किसान आंदोलन भी बहुत सशक्त है लेकिन वहां के किसान इन सवा दो राज्यों के किसानों के साथ नहीं जुड़े। इन किसानों की फ्लिहाल सरकार से कहीं कोई बात नहीं हो रही है। इसके लिए जिम्मेदार किसान नेता स्वयं हैं। आप कह सकते हैं कि विगत 21 जनवरी के बाद किसान और सरकार के बीच बातचीत के रास्ते पूरी तरह बंद हो गए हैं। यह स्थिति अपने आप में गंभीर है। किसान सरकार से कह रहे हैं कि तीनों किसान कानून वापस लो तभी कोई बात होगी।

वापस नहीं लोगे तो आंदोलन जारी रहेगा। सरकार का कहना है कि ये शर्त नहीं मानी जा सकती है। सरकार किसानों से बातचीत के लिए तैयार अवश्य है। सरकार किसानों से पूछ रही है कि वह यह बताए तो सही कि आखिर इन कानूनों में खराबी कहां है। सरकार के इस सवाल का जवाब देने के लिए ये आंदोलनजीवी तैयार नहीं हैं। क्या यह अब किसी को बताने की जरूरत है कि किसान आंदोलन से जुड़े लोग अपनी जिद और हठधर्मिता पर उतरे हुए हैं। पहले पंजाब के किसानों की ही बात कर लेते हैं। पंजाब में भूमि के नीचे का जलस्तर बहुत ही नीचे जा चुका है। हालात वहां पर लगातार खराब

राज्य में धान और गेहं की खेती करने के अलावा कुछ और बदलाव करने से बाज नहीं आ रहे।

इन दोनों फ्सलों की खेती के लिए जल की खूब मांग होती है। पर ये सुनने के तैयार नहीं हैं। इन्हें पता है कि इन्हें इनकी फसलों पर फिर इन्हें पराली जलाकर दूसरों की सेहत खराब करने में भी शर्म नहीं आती है। पर इन्हें समझाए कौन। नए कानूनों से इनके हित सुरक्षित हैं, पर ये मान नहीं रहे क्योंकि इन्हें देश विरोधी शक्तियों का समर्थन और संरक्षण

हो रहे हैं। इस स्थिति से बेपरवाह किसान 🏻 कि उनके राज्य में जमीन तबाह हो गई है। 🗸 यह देश ने शाहीन बाग में भी देखा था। अब हरियाणा के किसानों की बात कर लें। इससे राज्य के जाट मुख्य रूप से जुड़े हुए हैं। इनकी मोदी सरकार से नाराजगी की वजह बिल्कुल अलग है।

इन्हें गुस्सा इस कारण से है कि राज्य में मिला हुआ है। यह शीशे की तरह से साफहों लगातार दो बार इनके समर्थन के बिना राज्य



न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तो मिलेगा ही। इन्हें बिजली और पानी मुफ्त मिलती ही है। खाद पर भी सब्सिडी मिलती है। पंजाब का किसान अपनी फ्सलों पर तमाम तरह के कीटनाशक भी भरपूर डालता

इस कारण जो इनके द्वारा पैदा अनाज का सेवन करते हैं, उन्हें कैंसर जैसा असाध्य रोग अपनी चपेट में ले रहा है। पंजाब में धरती बंजर हो रही है, क्योंकि वहां के बड़े किसानों का एक वर्ग समझ ही नहीं रहा है

गया है कि किसानों का यह कथित आंदोलन कुछ वामपंथी ताकतों, देश विरोधी एनजीओ, खालिस्तान समर्थकों वगैरह के कारण ही पैसे के बल पर चल रहा है। यही लोग कभी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के विरोध में सड़कों पर आ जाते हैं। बस इनके चेहरे बदलते हैं। ये सड़कों और हाईवे पर बैठ जाते हैं। फिर आम जन को इनके धरने के कारण कितना भी नुकसान हो, इसकी यह परवाह नहीं करते।

में भाजपा की सरकार बन गई। पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ और दूसरी बार भाजपा को पूर्ण बहुमत से कुछ कम सीटें मिलीं। इन किसानों को लगता है कि भाजपा ने उनकी ताकत छीन ली है। उन्हें सियासत की दुनिया में हाशिए पर डाल दिया। इसलिए इन्होंने राज्य में जाटों को आरक्षण की मांग पर तगड़ा बवाल भी काटा था। यह तब हुआ था जब मनोहर लाल खट्टर पहली बार सत्ता पर काबिज हुए ही थे। यह 2014 की बात है। तब जाटों को आरक्षण देने की आड में राज्य में कसकर हिंसा हुई थी और सरकारी संपत्ति को नष्ट किया गया था। अगर बात पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसानों की करें तो वे तो शुरू में इस आंदोलन के साथ ही नहीं थे। ये तो मुख्य रूप से गन्ना किसान हैं और इनकी उपज चीनी मिलें खरीद ही लेती हैं। हां, चीनी मिलें इन्हें गन्ना की कीमत देने में कुछ देरी कर देती हैं। अपने को राजनीति की दुनिया में स्थापित करने के लिए राकेश टिकैत इस आंदोलन का हिस्सा बन गए। पर अब किसानों का आंदोलन लंबा खिंचने के कारण किसान आंदोलन से दूर हो रहे हैं।

आखिर किसी भी आंदोलन की कोई सीमा होती है। दरअसल किसान नेता यह बता नहीं पा रहे हैं कि कृषि कानूनों से किसानों को नुकसान कहां होगा। क्या यह किसानों के लिए खराब स्थिति होगी कि वे अपनी उपज देश में कहीं भी, किसी भी व्यक्ति या संस्था को अपनी मर्जी की कीमत पर बेचें ? सरकार किसानों से धान-गेहुं की खरीद तो पहले की ही तरह करती रहेगी और किसानों को एमएसपी का लाभ भी पहले की तरह देती रहेगी। अब किसान मंडी के साथ-साथ मंडी से बाहर भी अपनी उपज बिना रोकटोक के बेच सकेंगे। एक बात और। जिस प्रकार आर्थिक सुधारों के बाद आशंका जताई जा रही थी कि सेवा क्षेत्र तबाह हो जाएगा, लेकिन आज तीन दशकों बाद सेवा क्षेत्र में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। भारत की 20 पीसदी आबादी सेवा क्षेत्र से जुड़ गई है। देखिए, किसानों के धरने टिकरी, सिंघू बार्डर और गाजीपुर बार्डर पर चल रहे हैं।

दूसरी तरफ, इनसे राजधानी का किसान या इन बार्डरों के आसपास का किसान तक नदारद है। वह इस आंदोलन का हिस्सा नहीं है। वह अपने खेतों में पूरी मेहनत से काम कर रहा है। किसान नेता आखिर क्यों नहीं बताते इसकी वजह ? लोकतंत्र में अहिंसक आंदोलन करने का सबको अधिकार है। किसानों को भी है। पर इसबार किसानों के नाम पर कुछ संदिग्ध शक्तियां ही आंदोलन का हिस्सा बन कर रह गई हैं।

> (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

गोवा सियासत का केंद्र भंडारी

पंडित संदीप

कोंकण की धरती से जुड़े भंडारी साहस, शौर्य, धीरता, वीरता का उदाहरण बन हक अधिकार स्वाभिमान की साँसों के साथ जिंदगी को मेहनत के सांचे में ढाल सींचते रहे। उम्मीद की डोर में खुद को समेटे एक नए गोवा को बनाने, एक नये गोवा की जमीन को सजाने, संवारने, रचने, गढने, आगे बढ़ाने में भंडारी समाज ने सदा सर्वस्व समर्पित किया है गोवा के सम्मान की

समय के बढ़ते पहिए के साथ पसीने की बंदों को सोना बना सपनों को साकार करने में भंडारी शुरवीरों की इस बिरादरी ने साँसों की बाजी लगा स्वाभिमान, सम्मान की रक्षा की, खेत की माटी में धरती का कलेजा चीर अन्न पैदा करने की बात हो या फिर शिक्षा का दिया जला अक्षरों की चमक से समाज को चमकदार बनाने की, स्वतंत्रता आंदोलन का बिगुल फूंक हंसते-हंसते प्राण लुटाने का प्रण हो या फिर आजाद गोवा का सूरज देखने के लिए हंसते हंसते यातना का जीवन सहर्ष स्वीकार कर तन मन धन सब गोवा पर कुर्बान करने का जुनून... इतिहास बताता है वीर राष्ट्रभक्त भंडारी के कदम सदा पहली कतार में शुमार रहे। सच गोवा का गर्व है, गौरव है, मान, सम्मान, स्वाभिमान, साहस, समर्पण, सहयोग, स्वतंत्रता का दूसरा नाम है भंडारी। गोवा के गौरव का अहम पन्ना



पढा जाए तो निर्माण, उत्थान, आंदोलन, बलिदान, ललकार, संगठन, सेवा, सहयोग, समर्पण, साहस बन हर अध्याय की पहली लकीर, पहला अक्षर, पहली पंक्ति में भंडारी अंकित ना हो यह कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भंडारी समाज का बाहुबल, भंडारी समाज का बृद्धि बल, भंडारी समाज का जनबल, धनबल, गोवा की माटी का सुनहरा रंग बन गोवा की धरा को धन्य बना रहा है भंडारी समाज। गोवा गौरव गाथा के पन्ने दर

है भंडारी, गोवा को एक पुस्तक के रूप में पन्ने को पलट यह जाने की भंडारी महज एक नाम नहीं भंडारी शौर्य है, गौरव है, सम्मान और गोवा का उजियारा है गोवा की आजादी की सरक्षा संरक्षण अभिमान का सम्मान भंडारी अडिंग खडा है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गोवा की सियासत का पहाड होने के बावजूद सत्ता के शीर्ष से दूर ही रहा है बहादुर वीर भेंडारी समाज क्यों? यह साजिश है सियासत की या समाज के बिखराव की दास्तां जिस समाज का मतदाता राज्य में सबसे अधिक हो उस समाज को सियासत

या समाज के बिखराव की दास्तां जिस समाज का मतदाता राज्य में सबसे अधिक हो उस समाज को सियासत कब तक कोने में सीमित रख सकती है? 720 महीनों के आजाद गोवा राज के इतिहास में महज 23 महीने ही एक भंडारी मुख्यमंत्री का होना गोवा की जमीन से सवाल पूछता है। कब तक कोने में सीमित रख सकती है?

गोवा की सियासत का पहाड़ होने

के बावजूद सत्ता के शीर्ष से दूर ही

रहा है बहादुर वीर भंडारी समाज

क्यों? यह साजिश है सियासत की

सवाल पूछता है। चुनाव का बिगुल बज गया है, लगभग सौ साल के संगठित भंडारी समाज के इतिहास में पहली बार भंडारी समाज के दफ्तर में कोई मुख्यमंत्री भंडारी समाज से मिलने पहुंचा, यह दिल्ली के मुख्यमंत्री का बड़ा दिल है, बड़ी सोच है या बड़ा सियासी

720 महीनों के आजाद गोवा राज के

इतिहास में महज 23 महीने ही एक भंडारी

मुख्यमंत्री का होना गोवा की जमीन से

दांव गोवा के लोकतंत्र में गूंज रहा है अरविंद के इस पहले कदम की धमक। गोवा सबका है सभी गोवा वासियों को सुंदर, सुरक्षित, सम्मानित, संगठित गोवा मिलजुल कर बनाना है। 60 साल की आजादी के बाद भी एक ईमानदार सरकार के इंतजार में खड़ा है गोवा। गोवा के लोग भयमुक्त, स्वार्थ मुक्त, लोभमुक्त, प्रभु प्रिय हैं। जीवन आदर्श की उच्चता इमानदारी, जिम्मेदारी, भागीदारी के भाव से भरे पड़े हैं। धरती पर गोवा जैसी जीवनशैली, गोवावासियों जैसी ईमानदारी, बिरला ही कहीं और देखने को मिलेगी। पर अफसोस ईमानदार गोआ वासियों की कमान बेईमान, भ्रष्ट राजनीतिज्ञों के सियासी हाथ में सिमटा पडा है।

गोआ वासी सबसे ईमानदार और सबसे भ्रष्ट गोवा सरकार... ये कैसे क्यों कब तक यह सवाल गोवा की गली गली में उठने लगा है कि ईमानदारी शांतिप्रिय गोवा वासियों की सादगी, गोवा की शान पर कछ भ्रष्टाचारियों ने कब्जा कर रखा है। थोडे से भ्रष्ट राजनीतिज्ञों की वजह से कब तक अपमानित होता रहेगा गोवा? कब तक भ्रष्टाचारी कहलाता रहेगा गोवा? आखिर बेईमान नेताओं का बोझ कब तक ढोने को मजबूर रहेगा गोवा? गोवा समझने लगा है, गोवा सोचने लगा है, गोवा बदल रहा है फिर एक बार इसकी शुरुआत भंडारी समाज ने आंदोलन के रूप में की है आइए मिलकर ईमानदार सरकार चुने गोवा की सुने।

मध्यप्रदेश में सबसे पहले जनजातियों ने फूंका था आजादी के संघर्ष का बिगुल

रंजना चितले

भारत की संस्कृति, स्वाभिमान और स्वायत्तता के लिए जितना बलिदान और संघर्ष जनजातियों का है, वैसा उदाहरण संसार में कहीं नहीं मिलता। भारत में प्रत्येक विदेशी आऋमणकारी के विरुद्ध जनजातियों ने सबसे पहले शस्त्र उठाये हैं। यदि देशी सत्तायें पराभूत हुई हैं तो उन्हें संरक्षण देने का कार्य भी जनजातियों ने ही किया है। इतिहास में एक भी ऐसा उदाहरण नहीं है जब किसी आऋमणकारी के भय या लालच से भ्रमित होकर जनजातियों ने घात

अंग्रेजी राज में सबसे पहले जनजातियों ने स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा के लिए मजरों, टोलों से तीर-कमान उठाये और अंग्रेजों से संघर्ष किया। मध्यप्रदेश में जनजाति ऋांति का लम्बा इतिहास है। भारत में स्वाधीनता का अंकुर स्वतंत्रता प्रिय जनजातियों के बीच ही अंक्रित हुआ। वनों और पर्वतों में रहने वाली जनजातियों की जनजातीय चेतना ने अंग्रेजों सहित हर आततायी, । निरंकुश और आऋमणकारी सत्ता के विरुध्द निर्लिप्त । संघर्ष किया। अपनी माटी के प्रति समर्पित इन जनजातियों के इसी स्वाधीनता संघर्ष को आगे चलकर समूचे राष्ट्र ने स्वीकारा। इसीलिए अंग्रेजों ने जनजातियों का दमन करने के लिए दो काम किये। ! पहला शिक्षा और सेवा के नाम पर परिवर्तन का

अभियान चलाया और दूसरा कुछ जनजाति समहों को अपराधी घोषित किया। उत्तर में विध्याचल से लेकर दक्षिण-पश्चिम में सहयाद्रि के पश्चिमी घाट तक का अंचल भीलों का निवास स्थान था। अंग्रेजी राज के चलते भीलों पर दमन, शोषण का लम्बा सिलसिला चला। अन्ततः भीलों ने भी शांतिपूर्ण जीवन छोडकर शस्त्र उठाए और अंग्रेजों के लिए आतंक बन गए। भीलों ने श्रृंखलाबद्ध संघर्ष किया। सन् 1817 में खानदेश के भीलों का विद्रोह हुआ। अंग्रेजों ने इस विद्रोह के पीछे पेशवा के मंत्री त्रियंबक के होने की बात कही। बम्बई प्रेसीडेन्सी के एलिफंस्टन ने लिखा है- 'त्रियंबक और उनके दो भतीजे गोंडा जी दंगल और महीपा दंगल खानदेश के विद्रोही नेता हैं।

हरे-भरे वनों में ऋांति की ज्वाला

खानदेश पर अंग्रेजों का कब्जा सन् 1818 में होते ही भीलों ने पराधीनता को सिरे से नकार दिया और संघर्ष शुरू कर दिया। अंग्रेजों ने क्रूरता से भील ऋांति का दमन किया। भील नायकों को कैद कर लिया गया, रसद की सप्लाई रोक दी गयी और पहाडियों के दर्रों पर सेना तैनात कर दी गई। यही नहीं भीलों को नौकरी और भत्ते का प्रलोभन भी दिया गया लेकिन अंग्रेजों को सफ्लता नहीं मिली। भीलों ने पुनः ऋांति सन् 1819 में की, पहाडी क्षेत्र की विभिन्न चौकियों पर कब्जा कर लिया, भीलों की टोलियों ने अंग्रेज शासकों की

हालत खराब कर दी थी। यह सिलसिला लंबे समय तक चला। भीलों के नेता शहीद हो जाने पर नये नेता नेतृत्व संभाल लेते थे और चौकियों की रक्षा करते थे। इस तरह पहाड़ियों और जंगलों में भील अजेय रहे। अंग्रेजों ने कई साजिशें रचीं, यहां तक कहा कि भील हथियार रख देंगे तो वे उन्हें माफकर देंगे। स्वाभिमानी भील इस पर भी नहीं झके तो अंग्रेजों ने दमन चऋ तेज किया। सतमाला पहाडी के भील सरदार चील नायक को पकड़कर फांसी दे दी गई। भील नायक दशस्थ ने सन् 1820 में मोर्चा संभाला तो हिरिया नायक के नेतृत्व में भीलों ने सन् 1822 में अंग्रेजी राज को चुनौती दी। कर्नल रॉबिन्स सन् 1823 में बड़ी सेना लेकर भीलों के क्षेत्र में दाखिल हुए।

दो वर्षो तक भीलों का कत्ल किया गया। उनकी बस्तियों में आग लगा दी गयी, इस पर भी वे भीलों को तोड नहीं पाये। सन् 1824 में त्रियंबक के भतीजे गोंडा जी दंगलिया ने भीलों को एकत्र कर विप्लव किया। वहीं सन 1826 में दांग सरदारों और लोहारा के भीलों ने अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा लिया। सन् 1827 में लेफ्टिनेंट आउटरम ने भील सेना की स्थापना की और भील ऋांति को दबाने के लिए उनका उपयोग किया गया। इसके बाद भी कई साल तक भील आऋोश सुलगता रहा। धार राज्य के भीलों ने सन् 1831 में संघर्ष शुरू किया तो सन् 1846 में मालवा के भीलों ने मोर्चा लिया।

खानदेश के भीलों ने सन 1852 में प्रबल संघर्ष किया और फिर सन् 1857 में भगोजी नायक तथा काजर सिंह के अलावा कई भील- भिलाला नायक और असंख्य भीलों ने युध्द में अपना योगदान दिया। भारत के पहले मुक्ति संग्राम सन् 1857 में लगभग ७ लाख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिन्हें अंग्रेज विद्रोही कहते थे। जब सन 1857 की ऋांति असफ्ल हुई तो इन ऋांतिकारियों ने वनों में ही शरण ली। इनकी तलाश में अंग्रेजों की सेना ने जंगलों में आग लगाई, जनजातियों के गांव जलाये। लेकिन फिर भी किसी जनजाति बंधु ने समर्पण नहीं किया। यदि हम सन् 1857 के विवरण में जायें तो पुरे देश में नेतत्व भले ही देशी सत्ताओं या सैनिकों ने किया हो लेकिन उनके पीछे सामृहिक संघर्ष जनजातियों का ही रहा है। स्वाधीनता संग्राम का युगान्तकारी मोड़

वस्तुतः सन् 1857 का स्वाधीनता संग्राम इतिहास का एक युगान्तरकारी मोड़ है, जिसमें भूत, वर्तमान और भविष्य समाहित है। इस मक्ति संग्राम के बीज सन् 1857 से ठीक 100 वर्ष पूर्व तभी पड़ गये थे जब अंग्रेजों ने छल-बल से सन् 1757 में प्लासी के युद्ध में विजय के बाद अपना शासन आरम्भ किया था। चेतना के स्तर पर लगे इसी अंकुर ने सन् 1857 में महासंग्राम का रूप लिया। कालान्तर में भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की प्रेरणा ने श्रृंखलाबद्ध आंदोलनों की पृष्ठभूमि निर्मित की। अंग्रेजों की लट-खसोट और अत्याचार से भारतीयों का सब्र टुट गया। स्वधर्म और स्वराज की गूंज के साथ भारतवासी उठ खड़े हुए, जिसमें सम्पूर्ण भारत के स्वर समाए थे। सन् 1857 की ऋांति से लगभग ढाई सौ वर्ष पूर्व संत रामदास द्वारा शिवाजी महाराज को दिया मंत्र देश में गुंज उठा। मंत्र

धर्मासाठी मरावे, मरोनी अवध्यांस मारावे।

मारिता मारिता घ्यावे, राज्य आपुले॥ अर्थात् अपने धर्म के लिये मरो। मरते-मरते शत्रु का विनाश करो। इसी तरह लडते रहो, मरते रहो और अपना राज्य वापस ले लो। इसी मनोविज्ञान के साथ अंग्रेजों की अत्याचारी, अन्यायी, दमनकारी नीति, आर्थिक शोषण, सामाजिक रीति-रिवाजों और धार्मिक परम्पराओं में गंभीर हस्तक्षेप के कारण उपजे असंतोष की छटपटाहट पूर पड़ी थी। महासमर में 10 मई 1857 को भारतीयों ने बलिदानी पहल कर यह साबित कर दिया कि अपनी धरती, अपना देश और अपनी स्वतंत्रता के लिए भारतीय जन किसी भी सीमा तक बलिदान दे सकता है। स्वाभिमानी स्वतंत्रता प्रिय जनजातियों ने तो आरम्भ से ही विदेशी सत्ता को नकार दिया था। सन् 1857 में मुक्ति संग्राम की चिंगारी जब उत्तर भारत होती हुई मध्यभारित पहुंची तो मालवा-निमाड के जनजाति भील-भिलाला नायकों ने मोर्चा थामा।

इन नायकों में टंटया भील. भीमा नायक. खाज्या नायक, सीतराम कंवर और रघनाथ सिंह मंडलोई आदि ने संघर्ष का गौरवपूर्ण इतिहास रचा। जनजाति ऋांतिनायकों के साथ बरुद के श्यामसिंह, अकबरपुर के रेउला नायक, मकरोनी परगना के कल्ल बाबा, नाना जगताप, दौलत सिंह, टिक्का सिंह, परगना सिकन्दर खेरा के निहाल सिंह के अतिरिक्त फौजी टीकाराम जमादार और जवाहर सिंह ने मिलकर अनुठा संघर्ष किया।

सेठ-साहकारों के चंगुल से गरीबों को दिलाई मुक्ति

सन् 1857 ऋांति के दिनों में सम्पूर्ण मालवा, निमाड में ऋांतिकारियों का जाल फैला था। खरगौन और उसके आसपास का क्षेत्र ऋांतिकारियों का प्रमुख केन्द्र था। जनजाति ऋांतिकारियों की श्रृंखलाबद्ध व्यवस्था अद्भुत थी। एक नायक के बलिदान होते ही दूसरा नायक मोर्चा थाम लेता था ताकि ऋांति अनवरत चलती रहे। इन भील जननायकों में टंटया भील तो अपने शौर्य और पराऋम से अलौकिक किवंदंती बन गये। टंटया भील का जन्म सन् 1842 के आसपास हुआ। मात्र 16 वर्ष की आयु में वह ऋांतिवीर हो गये। वह हजारों बहनों का भाई और तरुणों का मामा था। संकट में लोग टंटया मामा को पुकारते। वह हवा की तरह आता, लोगों को शोषण से मक्त करवाता और अगले मोर्चे पर चल देता।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन ५, बहादूर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-११००२ से मुद्रित कराकर १५३६/१०८ गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-११००३५ से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886 अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानृनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 🏿 सिंधिया हाउस, कस्तुरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

पंजाब पावरकाम की ४६३७ करोड़ सब्सिडी सरकार के पास फंसी, कर्मचारियों का भुगतान करने में हो रही देरी

पटियाला (एजेंसी) पंजाब सरकार की ओर से बिजली सब्सिडी का पावरकाम को समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। सरकार ने अक्टूबर, 2021 तक पावरकाम को 10,284 करोड़ रुपये की सब्सिडी का भुगतान करना था, लेकिन केवल 5647 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। सरकार पर पावरकाम का 4637 करोड़ रुपये बकाया है। पीएसईबी इंजीनियर्स एसोसिएशन ने कहा कि सब्सिडी की रकम समय पर न मिलने से पावरकाम को अपने खर्च चलाने में मुश्किलें आ रही हैं।

रिटायर कर्मचारियों का भूगतान करने में भी देरी हो रही है। एसोसिएशन ने पावरकाम के चेयरमैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर को पत्र भेजकर कहा कि पावरकाम ने सरकार से 4637 करोड़ रुपये का भुगतान लेने के बजाय डिफाल्टर उपभोक्ताओं का करीब 1500 करोड़ रुपये के बकाया बिल माफ कर दिया। बिजली दरों में भी कटौती के प्रयास जारी हैं, जिससे पावरकाम को 3500 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान होगा। सरकारी विभागों की तरफ भी 2000 करोड़ रुपये के बिजली बिल बकाया हैं।

सरकार से इस राशि का भुगतान करने की मांग की जाए। एसोसिएशन के महासचिव इंजीनियर अजयपाल सिंह अटवाल ने कहा कि सब्सिडी का भुगतान न होने से काम प्रभावित हो रहे हैं। बिजली सप्लाई के लिए पावरकाम को निजी थर्मल प्लांटों पर निर्भर रहना पड रहा है, जिसका खामियाजा राज्य के बिजली उपभोक्ता भुगत रहे हैं। स्टेट इलेक्टिसिटी रेगुलेटरी किमशन की अनुमति के बिना इस तरह से विभिन्न उपभोक्ताओं को बिजली किराए में छूट दिए जाने का फैसला ठीक नहीं है।

डेंगू का खतरा बरकरार, 25 नए मरीजों की पृष्टि; कोरोना के 2 केस मिले

लुधियाना (एजेंसी) डेंगू का खतरा अब भी बना हुआ है। जिले में डेंगू का डक जारी रहने से लोगों में दहशत का माहौल है। बुधवार को सेहत विभाग ने डेंगू के 25 नए मरीजों की पुष्टि की। यह मरीज न्यू चंद्र नगर, पुलिस लाइन, उपकार नगर, घुमार मंडी, सिविल लाइन, मॉडल ग्राम, एसएऐस नगर और बैंक कालोनी के रहने वाले हैं।

जिले में अब तक डेंगू के 1485 मरीजों की पुष्टि हो चुकी हैं। गौरतलब है कि पिछले साल के मुकाबले इस बार डेंगू ज्यादा खतरनाक नजर आ रहा है। इस बार कई लोग पीड़ित हो रहे हैं तथा कई की मौत भी हो चुकी है। वहीं जिले के रहने वाले 2 लोग कोरोना पाजिटिव मिले। इसके अलावा दूसरे जिलों के 3 लोग भी पाजिटिव पाए गए। हालांकि कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। सेहत विभाग के अनुसार जिले में अब कोरोना पाजिटिव मरजीों की संख्या 87628 पहुंच गई है, जबकि कोरोना के एक्टिव केस 19 रह गए हैं।

वहीं कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 97.57 फीसद हो गई है। कोरोना के बाद डेंगू का खतरा एकदम बढ़ने से जिला प्रशासन और सेहत विभाग में हड़कंप मच गया है। डेंगू के लाखा पनपने का बड़ा कारण शहर के कई इलाकों में फागिंग नहीं होना भी है। प्रशासन ने जिले के लोगों से इस मौसम में स्वच्छता नियमों का पालन करें ताकि बीमारी से बचाव हो सके।

लुधियाना में प्रापर्टी विवाद में सौतेली मां, भाई और भाभी पर हमला; पिता की मौत के बाद बेटों ने की मारपीट

लुधियाना (एजेंसी) टेक्सटाइल कालोनी में पिता की मौत के बाद जमीनी विवाद में बेटों ने सौतेली मां पर हमला कर करके मारपीट की। उसे बचाने के लिए आए सौतेले भाई तथा उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट की। आरोपितों ने महिला के कपड़े फाड़ने का प्रयास किया।

मारपीट कर घायल करने के बाद वो उन्हें जान से मारने की धमिकयां देते फरार हो गए। अब थाना मोती नगर पलिस ने इंडस्टियल एरिया ए स्थित टेक्सटाइल कालोनी के ही घरप्रीत सिंह, हरप्रीत सिंह तथा जगदीश कौर के खिलाफ केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है। एएसआइ राजकुमार ने बताया कि यह केस उसी क्षेत्र में रहने वाली रविंदर कौर की शिकायत पर दर्ज किया गया। अपने बयान में उसने बताया कि आरोपित उसके पति की पहली पत्नी के बेटे हैं। गत 5 अक्टूबर को उसके पित की मौत के बाद जायदाद को लेकर उन लोगों ने झगड़ा शुरू कर दिया।

नवंबर को उन्होंने उस पर हमला कर दिया। जब बेटा जसप्रीत व उसकी पत्नी प्रियंका उसे बचाने के लिए आए तो आरोपितों ने उन्हें भी पीट दिया। उन्होंने प्रियंका के कपड़े फाड़ने का प्रयास किया।

व्यापारियों ने दी बाजार बंद करने की चेतावनी, पुलिस ने आरोपितों पर की कार्रवाई

जींद (एजेंसी) जींद में पुरानी अनाज मंडी में व्यापारी नितिन गोयल को बंधक बनाकर 10 लाख रुपये वसूलने के मामले सीआइए स्टाफ ने मुख्य आरोपित बाबा मुकेश गिरी सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने के बाद से बाबा मुकेश गिरी अपने साथियों के साथ भूमिगत हो गया था। बाबा की गिरफ्तारी के लिए व्यापारी लगातार दबाव बना रहे थे और इस मुद्दे को लेकर सात नवंबर को जींद में व्यापारियों का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन हुआ था।

व्यापारियों ने घटना के विरोध में 17 नवंबर को जींद जिले के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करने व 30 नवंबर को प्रदेशभर में बंद रखने का ऐलान का दिया था। व्यापारियों द्वारा लगातार दबाव बनाने व आरोपित मकेश गिरी के भूमिगत होना पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया था। इसलिए पुलिस की चार टीमें आरोपित की तलाश में छापेमारी कर रही थी। पुलिस का दावा है कि उनको पता चला कि आरोपित मुकेश गिरी राजस्थान में छुपा हुआ है। जहां से पुलिस ने आरोपित को काब कर लिया।

जब उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि वारदात को उसके गांव पोकरीखेडी निवासी राममेहर व प्रदीप ने अंजाम दिया था। राममेहर व प्रदीप का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उनको भी काबू कर लिया था। ज्ञात रहे कि 26 अक्टूबर को मोबाइल का कारोबार करने वाले नितिन गोयल को पुरानी अनाज मंडी स्थित मुकेश गिरी के कार्यालय पर असलाह के बल पर बंधक बना लिया था और दस लाख रुपये की डिमांड की थी। जहां पर नितिन गोयल के भाई द्वारा रुपये लेकर वहां पर पहुंचने के बाद ही उसको छोड़ा था।

सिरसा में गहने बेचने का झांसा देकर टगे तीन लाख रुपये, ऐसे दिया वारदात को अंजाम

सिरसा (एजेंसी) सोने के जेवरात बेचने के नाम पर तीन लाख रुपये ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पंजाब के मानसा के कोर्ट का टिब्बा निवासी बलजीत सिंह ने ठगी की वारदात के बारे में नाथुसरी चौपटा थाना पुलिस में शिकायत दी है। उसका कहना है कि कीर्तिनगर में रहने वाले संदीप व उसके साथ बलवंत ने उसे सोने के जेवरात बेचने का झांसा देकर उससे तीन लाख रुपये ठग लिये।

आरोपित बलवंत ने उसे तीन दिन पहले डेरा सच्चा सौदा के पास बुलाया, वहां से उसे कार में बैठा कर ले गया और रास्ते में नकदी छीन कर उसे व उसके साथी को उतार दिया। पुलिस को दी शिकायत में मानसा के कोर्ट का टिब्बा के वार्ड छह में रहने वाले बलजीत सिंह ने बताया कि वह केटरिंग का काम करता है। उसकी चचेरी बहन कीर्तिनगर में सरकारी स्कूल के पास

रहती है। उनके पड़ोस में संदीप सिंह नामक युवक रहता है। संदीप सिंह से वह कुछ समय पहले मिला था। दो तीन बार मुलाकात हुई, उसने बताया कि वह सोने का काम करता है। अगर उसे सोना चाहिए तो उससे संपर्क कर लेगा। बलजीत ने बतया कि उसने अपने बडे भाई की शादी के लिए सोने के जेवरात बनवाने थे। उसने करीब एक महीने पहले संदीप से संपर्क किया। उसने उसे बलवंत नामक व्यक्ति से मिलवाया। उसने खुद को जयपुरा का रहने वाला बताया और कहा कि वह सोने का कारोबार करता है।

फ्लाइंग फार्मर से खुशहाली की ऊंचाई छुएंगे किसान, पंजाब में विशेषज्ञों व स्टूडेंट्स ने तैयार किया बहुउद्देश्यीय ड्रोन

जालंधर (एजेंसी)

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये हथियार और नशीले पदार्थ भेजने की खबरों के बीच यह जानना काफी सुखद है कि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के कृषि विशेषज्ञों ने 40 विद्यार्थियों के साथ मिलकर एक ऐसा बहउद्देश्यीय डोन तैयार किया है जो किसानों के लिए बहुत मददगार साबित होगा। जालंधर से करीब 22 किलोमीटर दूर कपूरथला जिले के फगवाडा में खेतों के ऊपर उडते ड्रोन देखकर एक बार लोग भले ही चौंक जाते हों, लेकिन किसान इसे बडी उम्मीद से देख रहे हैं।

कई महीनों की मेहनत से तैयार किए गए इस ड्रोन को 'फ्लाइंग फार्मर' नाम दिया गया है। इसकी मदद से किसान फसल पर बेहतर ढंग से छिडकाव कर सकते हैं। इसकी मदद से आंधी व बारिश से खराब हुई फसल की सही जानकारी भी मिल सकती है। साथ ही फसल में कहां कितना पानी लग गया है, इसकी लाइव से सिंचाई कर सकते हैं। इससे फसल के उत्पादन में भी सुधार होगा। इसका इस्तेमाल खेती के काम में कई तरह से किया जा सकता है। किसान इसे यनिवर्सिटी से संपर्क कर

इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण भी

दिया जाएगा। पंजाब में शादियों,

चुनावी रैलियों और सुरक्षा के लिए ड्रोन का इस्तेमाल आम है, लेकिन ऐसा पहली बार है, जब इसे कृषि उद्देश्य से इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे खेती की लागत कम होगी और किसानों का काम आसान होगा। क्योंकि छिडकाव के लिए श्रमिकों पर काफी खर्च करना पडता है। इसे बीटेक सीएसई थर्ड ईयर के विद्यार्थी आशीष जांगडा और स्कश अवस्थी ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल और कृषि इंजीनियरिंग विभाग के 45 विद्यार्थियों के साथ पांच संकाय सदस्यों की मदद से छह माह में तैयार



खेतों में बाढ आने या आंधी से नुकसान की सही जानकारी किसान को देता है। किसान अपने कमरे में बैठकर इससी मदद से पूरे खेत की लाइव तस्वीरें देख सकते हैं कि खेत में कहां-कहां पर ज्यादा पानी लग गया

है या ज्यादा फसल का नुकसान हो गया है। इससे वह समय रहते पानी की निकासी की व्यवस्था कर सकते हैं। एलपीयू के चांसलर अशोक मित्तल का कहना है कि इस ड्रोन से किसान कभी धोखा नहीं खाएगा। ये दो तरह

कीटनाशकों की बर्बादी रुकेगी। दसरा, कीटनाशकों का अति प्रयोग भी नियंत्रित होगा। इसे अगले छह माह में किसानों को समर्पित कर दिया जाएगा। इसे कोई भी किसान हासिल कर सकता है। एलपीयू की टीम ने इसे किसानों से फीडबैक के आधार पर तैयार किया है।

फसल के उत्पादन में 15 से

20 प्रतिशत का सुधार हुआ है।

फ्लाइंग फार्मर एक बार में 10 लीटर तक कीटनाशक का छिड़काव 15 से 20 मिनट में कर सकता है, जबिक किसान हाथ वाली मशीनों से या अन्य विधियों से तीन घंटे में इतना छिडकाव कर पाते हैं। इसमें 50 प्रतिशत कम खर्च होगा। खासियत यह है कि कीटनाशकों के छिडकाव में फसल में बराबर मात्र डाली जा सकती है। इससे कीटनाशक का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल भी नहीं होगा। किसान टीवी स्क्रीन पर

छिडकाव को लाइव भी देख सकते हैं।

पर 25 मिनट तक उड सकता है। ड्रोन की कीमत लगभग 10 हजार से 15 हजार के बीच होगी। पहले चरण में कीटनाशक का छिड़काव व उपचार और खरपतवार का पता लगाने के लिए इसे तैयार कर किया गया है। कंप्यटर विजन एल्गोरिदम और इन्फ्रारेंड सेंसर के साथ इसे प्रोग्राम किया गया है।

खरपतवार की सटीक स्थिति का पता लगाकर किसान को जानकारी भेजता है। जानवरों और पक्षियों से भी रखवाली किसानों के सामने यह चुनौती होती है कि वह जानवरों व पिक्षयों से खेतों की रखवाली कैसे करें। इसके लिए किसान पारंपरिक तरीके का इस्तेमाल करते हुए खेतों के बीच में पुतले बनाकर खड़ा कर देते हैं। फ्लाई फार्मर की मदद से पशु-पक्षियों को आसानी के भगाया जा सकता है। इसके लिए इसमें से विभिन्न प्रकार की आवाजें निकालने व फ्लैश लाइट की सुविधा है।

फतेहाबाद में लेबर व पक्का आढ़ती यूनियन गई हड़ताल पर, नहीं हुई धान की खरीद व उठान

फतेहाबाद (एजेंसी)

त्योहारी सीजन के बाद धान की सही तरीके से खरीद नहीं हो रही है। यहीं कारण है कि आढती व लेबर यूनियन परेशान है। करीब नौ दिनों के बाद हैफेड ने खरीद शुरू की थी। ऐसे में व्यापारियों को धरना भी देना पड़ा। लेकिन स्थित में सुधार न आने पर वीरवार को फतेहाबाद व रतिया के व्यापारियों ने एक दिन की हडताल कर

यहीं कारण है कि दोनों जगह धान की सरकारी खरीद नहीं हो सकी, हालांकि प्राइवेट खरीद जारी रही। व्यापार मंडल की तरफ से एलान किया गया है कि वीरवार को कोई भी आढती धान नहीं खरीदेगा। ऐसे में अगर मंडी में खरीद कार्य सही ढंग से नहीं होता है तो आगामी दिनों में भी हडताल जारी रह सकती है। वीरवार सुबह ही रतिया की मार्केट कमेटी के बाहर पक्का व्यापारी यूनियन धरने पर बैठ गई। वहीं मंडी में हडताल कर दी। इसके अलावा

फतेहाबाद में भी व्यापारियों ने हड़ताल की। लेबर यूनियन सुबह से ही हडताल पर है। युनियन के सदस्यों का कहना है कि मंडी में धान की खरीद सही तरीके से नहीं हो रही है। जिस



दुकान पर बोली खत्म की जाती है अगले दिन अगली दुकान से नहीं बल्कि दूसरी जगह से बोली शुरू की जा रही है। जिससे व्यापारी के अलावा किसान भी परेशान है। वहीं लेबर यूनियन के सदस्यों का कहना है कि लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। शहरं की जो मंडियों है वहां पर उठान कार्य नहीं हो रहा है। इस कारण यहां पर धान डालने के लिए जगह तक नहीं है। लेबर यूनियन ने त्योहार से पहले भी

> धरना दिया था। जिले की मंडियों व खरीद केंद्रों से अभी तक 593785 टन धान की फसल का उठान किया गया है, जो कि आवक का 96 प्रतिशत है। अब तक 620422 टन धान

> उठान कार्य न होने पर

की आवक हुई है। जिले में अब तक 593785टन धान की फसल का उठान किया गया है, जिसमें फूड सप्लाई ने 94806 टन, हैफेड ने 229244 टन, एचडब्ल्यूसी ने 269735 टन धान की फसल का उठान किया है, जो कि आवक का 96

620422 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है। जिसमें से फूड सप्लाई ने 99048 टन, हैफेड ने 241330 टन, एचडब्ल्यूसी ने 280044 टन की खरीद की है। जिले में अब तक किसानों को 1160 करोड़ 73 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया जा

जिसमें खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 190 करोड़ 51 लाख रुपये, हैफेड द्वारा 445 करोड़ 36 लाख रुपये व हरियाणा वेयरहाउस द्वारा 524 करोड 86 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। गेट पास कटने के 72 घंटे के बाद ही किसानों को यह राशि जारी हो रही है। आढती व लेबर यूनियन हड़ताल पर जाने के कारण

धान की खरीद नहीं हो रही है। मंडी में धान की खरीद सुचारू करवा दी जाएगी। व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि जो समस्या है वो लिखित में दे ताकि उच्चाधिकारियों

सावधान! महिलाओं को छेडा तो लगेगा बिजली का झटका, एनआइटी जालंधर की टीम ने बनाया विशेष सेफ्टी डिवाइस

जालंधर (एजेंसी) अब सूनसान एरिया हो या फिर चलती बस। दफ्तर हो या फिर भीड़भाड़ वाला क्षेत्र। महिलाएं खुद छेड़खानी करने वालों को करंट से झटका देकर सबक सिखाएंगी। जालंधर में पहली बार ऐसी डिवाइस खुद महिलाओं की तरफ से ही तैयार की गई है।

इसे डा. बीआर अंबेदकर नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी की महिला

रिसर्च टीम ने तैयार किया है। इससे महिलाएं खुद को करंट से बचाते हुए उनके साथ छेड़छाड़ करने वालों को बिजली जैसे करंट का झटका दे सकती हैं। एनआइटी की तरफ से अबतक विभिन्न क्षेत्रों में की गई रिसर्च से संबंधित 80 पेटेंट करवाए जा चुके हैं। मगर महिलाओं की



तरफ से अभी तक एक भी रिसर्च की पेटेंट नहीं करवाई जा सकी थी एनआइटी के इलेक्ट्रानिक्स एंड संचार इंजीनियरिंग विभाग की डा. इंदू सैनी और सहायक प्रोफेसर नीतू सूद ने दो साल में यह डिवाइस तैयार की है। बैटरी संचालित इस डिवाइस को रिचार्जेबल बैटरी के साथ आपरेट किया जा सकता है। इसे महिलाएं व लड़िकयां अपने हाथ या फिर कमर में लगा सकती हैं। डिवाइस को एक्टिवेट करने के लिए इसकी वायर को सैंडल, जूते के बीच में अंगुलियों के साथ रखा जा सकता है।

इसके बाद अगर कोई शरारती तत्व बैड डच करने की कोशिश करता है तो डिवाइस पहनने वाले स्थिति को भांपते हुए इसे दो बार टैप करते हुए चंद ही सेकेंड में एक्टिवेट कर सकेंगी। जैसे ही कोई बैड टच करता है तो उसे जोर से झटका लगेगा। ऐसी डिवाइस पहली बार बनी है, जो बिना किसी को सामने से दिखाए चंद ही सेकेंड में आपरेट होगी।

भाजपा नेताओं की पत्नियों नहीं देंगी टिकट, आज चुनाव प्रभारी तय करेंगे रोड मैप

चंडीगढ (एजेंसी) नगर निगम चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस बार किसी भी दावेदार से टिकट के लिए आवेदन नहीं मांगा है। पार्टी अपने स्तर पर दावेदारों के नाम पर मंथन कर रही है। ऐसे में भाजपा में किसी को भी यह जानकारी नहीं कि कि

कटेगी। चंडीगढ़ भाजपा में गुटबाजी भी हावी है। एक गुट दूसरे गुट के समर्थकों की टिकट कटवाने की कोशिश में हैं। इस बीच नगर निगम चुनाव के लिए पार्टी हाईकमान ने अलग से प्रभारी और सह प्रभारी बनाए हैं।



चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी आज सेक्टर-33 भाजपा कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। इस दौरान चुनाव के लिए रोड मैप तय किया जाएगा। इस समय वार्ड डा ने कई नेताओं के फिर से चनाव लड़ने का सपना तोड़ दिया है। अब उनका वार्ड महिला उम्मीदावर के लिए रिजर्व हो गया है। ऐसे में अब यह सिटिंग पार्षद और नेता अपनी पितनयों के लिए टिकट मांग रहे हैं। जबकि पार्टी के सीनियर नेता इसके पक्ष में नहीं है। पार्टी का मानना है कि नेताओं की पत्नियों को टिकट देने की बजाए पार्टी की महिला मोर्चा की नेत्रियों को चुनाव मैदान में उतारा जाए, ताकि संगठन के नेता भी आगे आएं। नेताओं की पत्नियों को टिकट देने से परिवारवाद की राजनीति सिक्रय होगी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष अरुण सद ने नगर निगम चनाव के लिए संभावित दावेदारों के नाम जिला और मंडल की कार्यकारिणयों से मांगे हैं। ऐसे में जिला और मंडल इकाई भी हर वार्ड से दावेदारों के नाम भेजेंगे। भाजपा ने कांग्रेस की तरह टिकट आवेदन प्रक्रिया नहीं की है।

पार्टी खुद उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। नामांकन तारीख से दो दिन पहले उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। इसके साथ ही पार्टी के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से भी उम्मीदवारों को लेकर उनकी राय पूछी गई है। इस बार भाजपा अपने 50 फीसद पार्षदों की टिकट काटने का मन बना रही है। उनकी जगह पर नए चेहरों को मैदान में उतारा जाएगा। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय शुऋवार को शहर में आ रहे हैं।

पंजाब विधानसभा में सीएम चन्नी का भाजपा व आरएसएस पर बड़ा हमला, अकाली दल को भाजपा से संबंधों को लेकर घेरा

चंडीगढ (एजेंसी)

पंजाब विधानसभा की कार्यवाही शुरू हो गई है। उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सदन में क्रस्त्र की सीमा 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया। कृषि कानूनों के मुद्दे पर भी प्रस्ताव लाया गया। सदन में बहस के दौरान सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने अकाली दल पर जमकर निशाना साधा। कहा कि भाजपा व आरएसएस को पंजाब में दाखिल कराने में अकाली दल की अहम भूमिका है। चन्नी ने आरएसएस व भाजपा

को पंजाब की दुश्मन जमात करार दिया। कहा कि शिरोमणि अकाली दल पंजाब की गद्दार पार्टी है। इसने हमेशा पंजाब को खराब किया। जम्मू कश्मीर से जब अन्याय हुआ तब अकाली दल भाजपा के साथ था। चन्नी ने सीधे-सीधे सुखबीर बादल पर निशाना साधा। कहा कि जब संसद में राज्यों के अधिकारों पर हमला किया जा रहा था, तब अकाली दल ने चुप्पी साधे रखी।

चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि अकाली दल ने आरोप लगाया कि वह वह पीएम से मिलने गए। कहा कि वह करतारपुर कारिडोर को खोलने के मुद्दे पर मिलने गए। बीएसएफ के मुद्दे पर मिलने गए। क्या कोई सीएम पीएम से मिलने नहीं जा सकता है। कहा कि अकाली दल ने नशा लाकर पंजाब को बर्बाद किया। चन्नी ने सीधे-सीधे

पानीपत (एजेंसी) पानीपत में चोर

बेखौफ हो कर चोरी की वारदातों को

अंजाम दे रहे हैं। तीन घरों और एक

कार्यालय में चोरी कर ली गई। बिल्ल

कालोनी, धूप सिंह नगर और रमेश

नगर में घरों में नकदी व जेवर चोरी

कर लिए गए। इसी तरह से माडल

टाउन के शांति नगर में कार्यालय में

आसपास के सीसीटीवी कैमरों की

जांच कर चोरों का पता लगाने में जुटी

है। बिल्लू कालोनी की रचना ने पुलिस

को शिकायत दी कि वह किराये के

मकान में रहती है और पांच-छह साल

से मजदूरी करती है। उसने 2.20

लाख रुपये जोड़कर बेड में रखे थे।

पुलिस वारदात स्थल के

चोरी कर ली गई।

चोरी की वार्दातें बढ़ी, चोरों ने शहर में तीन

मकानों और एक कार्यालय में चोरी की

उसका बैंक खाता नहीं खला था। बेड

से उसके रुपये चोरी कर लिए गए।

किला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर

लिया है। ध्रुप सिंह नगर के इमान

अली ने पुलिस को शिकायत दी कि

वह किसी काम से अपने गांव

ट्टा हुआ था। सामान बिखरा पडा था।

30 हजार रुपये, चांदी का गले का

हार, सोने के पैंडिल, सोने की नथ,

माथे का झूमर, चांदी की छह अंगूठी

और सोने का कुंडल चोरी कर लिया

गया। थाना चांदनी बाग पुलिस ने

मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी

है। रमेश नगर के खुशाल ने पुलिस

को शिकायत दी कि उसकी पत्नी

वापस लौटा तो घर का ताला

फतेहपुर गया था।



बिऋम सिंह मजीठिया पर निशाना साधा। कहा कि मजीठिया ने पंजाब को नशेडी बनाया। इस दौरान अकाली विधायकों ने जमकर हंगामा किया. लेकिन चन्नी पूरी रौ में नजर आए। इससे पहले डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बीएसएफ के मुद्दे पर कहा कि यह पंजाब पुलिस समेत राज्यों की पुलिस पर अविश्वास है।

इस मामले में केंद्र सरकार ने राज्यों से कोई चर्चा नहीं की। कहा कि केंद्र सरकार तुरंत नोटिफिकेशन को वापस ले। कहा कि बीएसएफ के दायरा बढाने के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया जाएगा। सरकार दो-तीन दिन में हाई कोर्ट जाएगी। इस मुद्दे पर सदन में नवजोत सिंह सिद्धू व बिक्रम सिंह मजीठिया भिड़ गए। 45 सर्वसम्मति से सदन में पास हो गया। बीएसएफ के मुद्द पर भाजपा विधायकों ने पूरी तरह से चुप्पी साधे रखी। इससे पूर्व, सेशन को छोटा रखने को लेकर विपक्ष ने सदन में शोरशराबा किया। आप और अकाली विधायक नारे लगाते हुए सदन में आए। विधायकों के हाथ में प्रक्र के खाली थैले थे।

मिनट की बहस के बाद यह प्रस्ताव

सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि सरकार विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने को तैयार है, लेकिन अकाली विधायक सदन से वाकआउट कर गए। आप विधायक अभी सदन में

नारेबाजी कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि कोआपरेटिव सोसायटी में डीएपी की कोई कमी नहीं है।

जिस सोसायटी में नहीं मिल रही वहां कल तक खाद मिल जाएगी, लेकिन विपक्ष के विधायक नहीं माने और वाकआउट करके चले गए। आज विधानसभा में 8 बिल पेश किए जाने हैं। तीन कृषि कानूनों को राज्य में कैसे निष्प्रभावी किया जाए इस पर भी सदन में चर्चा होगी। निजी थर्मल प्लांटों के साथ हुए समझौते को रद करने पर भी सरकार अपनी बात रखेगी। वहीं, आप विधायक हाथों में तिख्तयां लेकर पैदल ही विधानसभा पहुंचे। आप विधायक डीएपी खाद की कमी को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

🖝 महत्वपूर्ण सूचना 👈

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के डिब्बों की संख्या में अस्थायी तौर पर वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है:--

विशेष रेलगाड़ियों के यात्री डिब्बों की संख्या में वृद्धि बढ़े हुए डिब्बों की श्रेणी एवं संख्या संशोधित यात्री डिब्बे वृद्धि की तिथि रेलगाड़ी सं. एवं नाम वर्तमान यात्री डिब्बे वास्को–द–गामा सेः 02779 वास्को-द-गामा -13.11.21,14.11.21, अनुकूल–2, सामान्य–3. अनुकूल-2, सामान्य-3, ह. निजामुद्दीन एक्सप्रेस विशेष शयनयान-2 16.11.21 एवं 17.11.21 को शयनयान–9, पैन्ट्री कार–1, **शयनयान—11**, पैन्ट्री कार—1, ह. निज़ामुद्दीन सेः 2 टियर वाता.-1, 2 टियर वाता.-1, 02780 ह. निज़ामुद्दीन – 3 टियर वाता.-1 12.11.21, 13.11.21, 15.11.21, 16.11.21, 18.11.21 एवं 19.11.21 को 3 टियर वाता.-4, 3 टियर वाता.-5, वास्को–द–गामा एक्सप्रेस विशेष कुल डिब्बे= 20 कुल डिब्बे= 23

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय—सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइटः www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें

रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर कोविड—19 से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी नियमों

रेलमदद हेल्पलाइन नं. रेलमदद ऐप डाउनलोड करें









पुराने दस्तावेज न होने के कारण मायके गई थी।

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर हमला, कहा- २३ राज्यों की अपेक्षा बिहार में अधिक बेरोजगारी

पटना (एजेंसी) । महापर्व छठ के मौके पर भी नेता प्रतिपक्ष व राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला। आरा के नवादा इलाके में बने कार्ट्न की तस्वीर लगाकर तेजस्वी यादव ने जदय-भाजपा की सरकार पर बेरोजगारी बढाने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि 23 राज्यों की अपेक्षा बिहार में बेरोजगारी दर सबसे अधिक है। यहां तक कि देश के औसत में भी बिहार की बेरोजगारी दर ज्यादा है। 16 सालों में नीतीश कुमार युवाओं को रोजगार देने में विफल रहे। नीतीश कुमार और भाजपा



सरकार युवाओं का पलायन भी रोक नहीं सकी। बताते चलें कि आदर्श कला मंदिर की ओर से छठ पूजा समिति ने कई तरह के कार्टून लगाए हैं। इसमें बीटेक पास युवा को पकौडा तलते दिखाया गया है। एमबीए कर चुका युवा

बट पॉलिस कर रहा है। बीएड पास यवा सब्जी बेचते नजर आ रहाँ है और इन सबके बीच छठी मैया सूप लिए खड़ी हैं। यह कार्टून नवादा चौक पर लगाया गया है। इसकी तस्वीर के साथ पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने ट्वीट किया। इससे पहले उन्होंने ट्वीट कर बिहारवासियों को महापर्व छठ की बधाई दी। मालूम हो कि बिहार उप चुनाव के नतीजे आने के बाद तेजस्वी यादव अपने पिता लालु प्रसाद यादव और मां राबडी देवी के साथ दिल्ली चले गए। उन्होंने दिल्ली जाने का मकसद पिता के स्वास्थ्य की जांच करना बताया था। इसके बाद बिहार में जहरीली शराब से गोपालगंज, बेतिया, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर में हो रही मौतों को लेकर लगातार सत्ता पक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरते नजर आए। वे ट्वीट कर आंकडों के साथ नीतीश सरकार में शराबबंदी पर हमला कर रहे थे।

मुजफ्फरपुर के एसपी सिटी के बेटे की वैशाली में सड़क दुर्घटना में मौत, एक साथी घायल

पटना (एजेंसी) । छठ के प्रातः कालीन अर्घ्य के दिन एक बुरी खबर सामने आई है। मजफ्फरपर के सिटी एसपी राजेश कमार के बेटे राजवीर शेखर की पटना-मुजफ्फरपुर फोरलेन पर वैशाली में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। राजवीर की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पानी भरे गढ़े में जा गिरी। कार में राजवीर का एक दोस्त भी सवार था, जो बुरी



तरह जख्मी हो गया है। हादसा उस वक्त हुआ, जब राजवीर अपने दोस्त के साथ कार पर छठ पूजा में शामिल होने पटना से मुजफ्फरपुर जा रहे थे। मिली जानकारी के मुजफ्फरपुर के सिटी एसपी राजेश कुमार के बेटे राजवीर शेखर अपने एक दोस्त के साथ छठ पूजा में शामिल होने पटना

से मुजफ्फरपुर जा रहे थे। इसी दौरान मुजफ्फरपुर एनएच 22 पर दौलतपुर-देवरिया में हादसा हुआ। दुर्घटना में सिटी एसपी के बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। उनके बुरी तरह घायल दोस्त अंगद को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल अंगद ने बताया कि पटना-मुजफ्फरपुर फोर लेन पर जब वे दोनों कार से जा रहे थे, तभी कोई दूसरी गाडी सामने आ गई। बचने की कोशिश के दौरान कार पानी भरे गढें में जा गिरी। दोस्त अंगद के अनुसार कार को राजवीर शेखर ही चला रहे थे। हाजीपुर सदर एसडीपीओ राघव दयाल ने कहा कि घटना की सूचना सुबह में मिली। उस वक्त ज्यादातर पुलिस बल छठ घाटों तैनात थी। पुलिस जब तक वहां पहुंची, तब तक कार सवार दोनों युवकों को ग्रामीण अस्पताल पहुंचा चुके थे। वहां राजवीर को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है। मुजफ्फरपुर के एसएसपी जयंतकांत ने भी घटना

बिहार में शराबबंदी पर विपक्ष की तो छोडें. अब बीजेपी भी दे रही नसीहतः सीएम नीतीश को संजय जायसवाल ने कही बड़ी बात

पटना (एजेंसी) । बिहार में जहरीली शराब से लगातार हो रही मौतों पर सियासत गर्म है। विपक्ष तो सरकार पर हमलावर है ही, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सहयोगी भारतीय जनता पार्टी भी सरकार को नसीहत दे रही है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सलाह देते हुए कहा है कि शराब की तस्करी में ऊपर से नीचे तक माफिया का ही हाथ है। हाल के दिनों में जहरीली शराब से मौत की लगातार हुई घटनाओं से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खफा बताए जा रहे हैं। उन्होंने 16 नवंबर को समीक्षा बैठक की घोषणा कर दी है। बिहार के कई जिलों में पिछले कुछ दिनों के दौरान जहरीली शराब से कई मौत



हुई है। इसके बाद शराबबंदी की विफलता को लेकर विपक्ष सवाल खडे कर रहा है। दूसरी ओर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने भी शराबंदी की समीक्षा की बात कही है। उन्होंने कहा है कि बिहार के हर जिले में ऊपर से लेकर नीचे तक माफिया शराब के धंधे लगे हैं। उनका राज चलता है। अब इन माफिया

तत्वों पर कडी कार्रवाई होनी चाहिए। जब तक ऐसा नहीं होगा, शराबबंदी परी तरह सफल नहीं हो सकेगी। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा शराबबंदी की समीक्षा बेहतर कदम है। उन्होंपे कहा कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं की मांग पर शराबबंदी का ऐतिहासिक फैसला लिया था, लेकिन जिस तरह शराब का अवैध कारोबार चल रहा है, उसे देखते हुए इसकी समीक्षा करने का समय आ गया है। विदित हो कि हाल के दिनों में बिहार के गोपालगंज, चंपारण, मुजफ्फरपुर व समस्तीपुर में जहरीली शराब के सेवन के कारण दर्जनों लोगों की मौत हो गई है।

औरंगाबाद में जीटी रोड पर चालक की लापरवाही से ट्रैक्टर पलटा, पांच महिलाएं समेत सात घायल, गोसेया जा रहे थे ग्रामीण

औरंगाबाद (एजेंसी) । मुफस्सिल थाना क्षेत्र में जीटी रोड पर ओरा पंचायत के शेखपुरा गांव के पास गुरुवार की सुबह ट्रैक्टर पलटने से पांच महिलाएं समेत सात ग्रामीण घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायल राजरती देवी, सुरेश यादव, सुरेश की पत्नी सुनीता देवी, लीला देवी, प्रियांशु कुमारी एवं सौरभ राज का इलाज सदर अस्पताल में किया गया। सभी फेसर थाना क्षेत्र के पोखराहां पंचायत के गोसेया गांव के निवासी हैं। घायलों ने बताया कि हमलोग देव सूर्य कुंड तालाब पर सुबह में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर घर लौट रहे थे। ट्रैक्टर के ट्राली में बांस बंधा हुआ था जो किसी वाहन से टकरा गया जिस कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया और सड़क पर ट्रैक्टर पलट गया। ट्रैक्टर पर सवार सभी श्रद्धालु घायल हो गए। मुफस्सिल थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि दुर्घटना हुई है। पांच महिलाएं समेत सात ग्रामीण घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेजा गया है। घटना के बाद सभी का आऋोश ट्रैक्टर के चालक पर फूट पड़ा है उन सभी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह दुर्घटना चालक की वजह से ही हुई है।

परदेशियों पर रेलवे मेहरबान, आज से तीन दिनों तक दिल्ली की तीन नई ट्रेन

मुंगेर (एजेंसी) । इस बार छठ पुजा में घर पहुंचे परदेशियों पर रेलवे मेहराबन है। पहले से दिल्ली और मंबई के लिए चलाई जा रही स्पेशल टेनों के अलावा तीन और स्पेशल ट्रेनें चला रही है। 12 से 14 नवंबर के बीच तीन दिनों तक लगातर तीन ट्रेनें चलेंगी। तीनों ट्रेनों का परिचालन जमालपर के रास्ते भागलपर-आनंद विहार आनंद विहार टर्मिनल के बीच होगा। रेलवे ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दी है। तीनों ट्रेनों में आरक्षण भी शुरू हो गया है। इन ट्रेनों के चलने से छठ में घर पहुंचे लोगों को वापस जाने में काफी सह्लियत होगी। सभी ट्रेनें तीनों दिन भागलपुर से शाम 5.30 चलेगी, सुल्तानगंज, जमालपुर, किऊल, पटना, आरा, बक्सर और पंडित दीन दयाल उपाध्याय. वाराणसी. लखनऊ के रास्ते आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। अगले दिन शाम 5.45 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।



संख्या 09755, 04577 और 01689 में टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। सभी ट्रेनों में स्लीपर और एसी कोच भी है। ट्रेन का ठहराव

काफी कम दिया गया है। किऊल जंक्शन के बाद स्पेशल ट्रेनों का ठहराव सीधा पटना जंक्शन पर दिया गया है।

रेलवे ने मुंबई और आनंद

सौगात दिया है, इसमें मुंबई की एक ट्रेन का परिचालन योगनगरी (मुंगेर) के रास्ते किया जाएगा। दो ट्रेनें जमालपुर होकर चलेगी। स्पेशल ट्रेनों वालो यात्रियों को टिकट और आरक्षण के लिए मारामारी नहीं करना होगा। सभी स्पेशल ट्रेनों में टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है।

यात्रियों को स्पेशल किराया लगेगा। ट्रेन संख्या 09185 मुंबई-भागलपुर स्पेशल 13 और 20 नंवबर को हर शनिवार को मुंबई से चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09186 16 और 23 नवंबर को भागलपुर से चलेगी। भागलपुर से सुबह पांच बजे चलने के बाद सुल्तानगंज रुकेगी, इसके बाद सीधा 6.25 बजे मुंगेर पहुंचेगी। मुंगेर स्टेशन से पांच मिनट बाद चलेगी। बरौनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, बापू धाम मोतिहारी, गोंडा के रास्ते मुंबई जाएगी। 20 कोच की इस ट्रेन में स्लीपर, एसी-टु और एसी थ्री के कोच होंगे। मंबई के लिए ट्रेन संख्या 01246 17 नंबबर को भागलपर से चलेगी। इस टेन का परिचालन जमालपुर-किऊल के रास्ते किया जाएगा। आनंद विहार टर्मिनल के लिए एक नंवबर से दीपावली और छठ में दिल्ली और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग घर पहुंचते हैं। ऐसे में रेलवे ने भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल के लिए विशेष ट्रेन दिया है।

ट्रेन संख्या 03759 डाउन 15 नंवबर को भागलपुर से सुबह नौ बजे चलेगी। सुल्तानंज, जमालपुर अभयपुर, किऊल स्टेशनों पर रुकती हुई पटना पहुंचेगी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन होते हुए अगले दिन 11.05 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 03760 अप नंत्रबर को आनंद विहार टर्मिनल से शाम 6.15 बजे चलेगी। अगले दिन शाम 5.47 बजे शाम में जमालपर आएगी। इस ट्रेन में 22 कोच होंगे। एलएचबी कोच के साथ परिचालन किया

मधुबनी के पिपराघाट त्रिवेणी संगम तट पर कार्तिक मेला का शुभारंभ 18 को

बाबुबरही (मधुबनी) (एजेंसी) । त्रिवेणी संगम तट में लगने वाले कार्तिक मेला को लेकर पिपराघाट हनुमान मंदिर परिसर में पूर्व मुखिया महंथ सुखलाल दास की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सीओ विजया कुमारी, थानाध्यक्ष रामाशीष कामती उपस्थित थे। अध्यक्ष ने इस मेला की महत्ता सहित अन्य विशेषताओं को विस्तार पूर्वक बताया।

कहा कि वर्ष 1952 से ही इस त्रिवेणी संगम तट पर मेला लगता रहा है। कालांतर में मंदिर निर्माण सिमिति के बैनर तले मेले की व्यवस्था में निरंतर सुधार होता आया है। साथ ही सावन माह के प्रत्येक सोमवारी को जल बोझने हजारों की संख्या में लोग उमडते हैं। प्रत्येक माह के पूर्णिमा तिथि को कमला आरती का आयोजन होता है। कार्तिक स्नान के संग

अन्य पर्वो में भी यहां श्रद्धालुओं की कतार लगती है। पहली बार यहां एक माह के कल्पवास का आयोजन किया गया है। इस मेले की धरोहर व व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने को लेकर इलाकाई ग्रामीणों को आगे आना चाहिए। महत्ता को देखते इस स्थल को पर्यटक स्थल का दर्जा देने तथा मेला को राजकीय मेला घोषित किए जाने की मांग पर जोर दिया गया। मेला के सफलता पूर्वक संचालन के लिए एक समिति का गठन किया गया।

इस समिति में 151 सदस्य होंगे। स्काउट एंड गाइड की सेवा लेने, पेयजल की समस्या, शौचालय की उपलब्धता, एसडीएफ टीम की मौजूदगी, पुलिस बल की व्यस्था, स्नान घाट पर अस्थायी महिला परिधान गृह का निर्माण, साफ-सफाई सहित अन्य

मसलों पर विस्तार से विचार करते प्रशासन से अपेक्षित सहयोग की अपेक्षा की गई। आयोजन में जयिकशोर यादव, मिथिलेश यादव, रंधीर खन्ना, सूर्यदेव सिंह, सुनिल मंडल, प्रभू मंडल, गंगाराम मंडल, संजय सिंह, अरुण प्रसाद शास्त्री सहित सैकडों लोग उपस्थित थे। बताया गया कि मेले का उद्घाटन 18 नवंबर को होगा। पूर्णिमा 19 नवंबर को है और मेले का समापन 20 को होगा। कमला, बलान एवं सोनी नदी के त्रिवेणी संगम तट पिपराघाट में पहली बार कल्पवास का आयोजन किया गया है। कल्पवास में पधारे विभिन्न इलाकों के संतों सहित इलाकाई ग्रामीणों द्वारा प्रतिदिन कमला आरती का अयोजन संध्या में प्रारंभ किया गया है। इस आरती के विहंगम दूश्य से तट आलोकित हो रहा है।

गया के मानपुर में बंद मकान से नगदी सहित साढ़े 10 लाख के जेवरातों की चोरी

गया (एजेंसी) । गया पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था को धत्ता बताते हुए अपराधियों ने बंद मकान से नगदी सहित लगभग साढ़े 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात की चोरी कर ली। घटना के समय पुरा परिवार छठ पूजा में शामिल होने के लिए गांव गया हुआ था।

घटना के बाद घर की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सलेमपुर मोहल्ला की है। सलेमपुर मोहल्ला निवासी

पीडित व्यक्ति मनोज कुमार ने बताया कि आज पड़ोसियों द्वारा सूचना दी गई कि घर के मुख्य दरवाजे का दरवाजे का ताला ट्रंग हुआ है। जिसके बाद पुरे परिवार के साथ यहां पहुंचे।

अंदर जाकर देखा तो घर के सभी कमरे का दरवाजा का ताला ट्रटा

हुआ है और अलमारी का ताला भी टूटा हुआ पाया गया। इस दौरान सारे सामान बिखरे पड़े थे। इस घटना में 9 लाख के सोने-चांदी के जेवरात एवं डेढ लाख रुपए नकदी की चोरी हुई है। साथ ही कई आवश्यक कागजात भी गायब हैं। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मुफस्सिल थाना को दी गई है। पुलिस ने आकर पूरे मामले की छानबीन की हैं?।

बेगूसराय में युवक की मौत के बाद भड़के लोग, डीएसपी की गाड़ी पर पथराव, पुलिस ने की फायरिंग

की सुबह बखरी बलॉक चौक रणक्षेत्र बन गया। पुलिस और आऋोशित भीड के बीच जमकर झडप हुई। इस दौरान आऋोशित भीड ने पीएचसी में भारी तोडफोड करते हुए परिहारा पुलिस तथा पीएचसी प्रभारी के वाहन को आग के हवाले कर दिया। आऋोशित भीड ने पीएचसी सहित में भारी तोडफोड करते हुए प्रसव कक्ष, ओपीडी, लैब, टीबी कक्ष को पुरी तरह ध्वस्त करते हुए प्रभारी डा. एमपी चौधरी के आवास में घुसकर जमकर तोड़फोड़ करने के बाद उसे आग के हवाले कर दिया।

इस दौरान पुलिस के साथ झड़प हुई। आऋोशित भीड़ ने पुलिस को खदेंड दिया। पुलिस द्वारा की गई कई राउंड फायरिंग का भी भीड़ पर कोई असर नहीं हुआ। भीड़ के आऋोश का शिकार सीओ शिवेंद्र क्मार, परिहारा ओपी प्रभारी चंद्र प्रकाश महतो समेत कई पुलिस जवान हुए। करीब तीन घंटे के तांडव के बाद डीएम अरविंद कुमार पहुंचने तथा समझाने-बुझाने के बाद मामला शांत हुआ। डीएम की मध्यस्थता में सीएम से पीडित परिवार की बातचीत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका।

बेगूसराय (एजेंसी) । गुरुवार वर्मा, एसपी अवकाश कुमार के मौत हो गई। मौत के बाद लोग आक्रोशित हो गए और शव को ब्लाक चौक पर रखकर हंगामा करने लगे। तभी भीड ने अचानक पीएचसी पर हमला कर दिया। जबतक वहां पुलिस पहुंची तब तक



इस दौरान पुरा अनुमंडल चौक पलिस छावनी में बदला रहा। घटना की शुरुआत शकरपुरा निवासी ननक् रजक की छठ के दौरान बागमती नदी में डूबने के बाद हुई। बताया जाता है कि ननक को पानी से निकालने के बाद स्वजन एवं ग्रामीण उसे स्थानीय पीएचसी पहुंचे। डाक्टरों ने युवक को देखने के बाद उसे रेफर कर दिया। जिसकी रास्ते में

परा पीएचसी क्षतिग्रस्त हो चका था। डीएम. एसपी के आने के स्थानीय विधायक सर्यकांत पासवान, पर्व विधायक उपेंद्र पासवान , जिला परिषद सदस्य घनश्याम राय, पूर्व मुखिया तुफैल खान, विश्वनाथ यादव, नगर पार्षद नीरज नवीन आदि मौके पर पहुंचे तथा मामले को शांत करवाने में अपना योगदान

SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED

CIN: L65910HR1983PLC050169

Regd. Off: Office No. 322, 3rd Floor, SS Plaza, Commercial Complex, Mayfield Garden, Sector-47, Gurugram-122001

Corp Off: 16/121-122, Jain Bhawan, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi-110005 Email Id: sitalleasing83@gmail.com, Website: www.sitalleasingfinance.com Ph: 9891709895

Standalone Unaudited Financial Result for the Quarter and Half YearEnded 30.09.2021					
				(IN LACS EXCEPT EPS)	
S.NO.	Particulars	Quarter ended 30th September,2021	Half year ended 30th September,2021	Corresponding Quarter ended 30th September,2020	Previous year ended 31st March, 2021
		01.07.2021	01.04.2021	01.07.2020	01.04.2020
		to	to	to	to
		30.09.2021	30.09.2021	30.09.2020	31.03.2021
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audted
1	Total Income from operation	48.97	97.40	38.33	166.77
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exception items	44.79	87.86	34.29	110.27
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exception itmes)	44.79	87.86	34.29	112.02
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exception itmes)	44.79	87.86	36.16	81.13
5	Total [Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	44.79	87.86	36.16	81.13
6	Paid up equity share capital	6,125.74	6,125.74	6,125.74	6,125.74
7	Earning per share (of Rs. 1/- each) after exception item Basic & Diluted	0.01	0.01	0.01	0.01

1. The above Unaudited Consolidated Financial Results for the Quarter and Half year ended September 30, 2021 were reviewed by the Audit Committee at the meeting held on November 11, 2021 and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on November 11, 2021

2. The above is an extract of Unaudited Consolidated Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Unaudited Consolidated Financial Results are available in the Company's website (www.sitalleasingfinance.com) and and also available on the website of MSEI limited at www.msei.in

For and on behalf of board of directors of SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED Place: New Delhi

SURENDRA KUMAR JAIN (MANAGING DIRECTOR) DIN: 00530035

SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED

CIN: L65910HR1983PLC050169 Regd. Off: Office No. 322, 3rd Floor, SS Plaza, Commercial Complex, Mayfield Garden, Sector-47, Gurugram-122001

Corp Off: 16/121-122, Jain Bhawan, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi-110005 Email Id: sitalleasing83@gmail.com, Website: www.sitalleasingfinance.com Ph: 9891709895

⊢					
Consolidated Unaudited Financial Result for the Quarter and Half Year Ended 30.09.2021 (IN LACS EXCEPT EPS					FYCEDT EDS)
S.NO.		Quarter ended 30th September,2021	Half year ended 30th September,2021	Corresponding Quarter ended 30th September,2020	Previous year ended 31st March, 2021
		01.07.2021 to 30.09.2021	01.04.2021 to 30.09.2021	01.07.2020 to 30.09.2020	01.04.2020 to 31.03.2021
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audted
1	Total Income from operation	48.97	97.40	38.33	166.77
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exception items	44.79	87.86	34.29	110.27
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exception itmes)	44.79	87.86	34.29	112.02
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exception itmes)	45.26	88.33	36.16	81.13
5	Total [Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	45.26	88.33	36.16	81.13
6	Paid up equity share capital	6,125.74	6,125.74	6,125.74	6,125.74
7	Earning per share (of Rs. 1/- each) after exception item Basic & Diluted	0.01	0.01	0.01	0.01

1. The above Unaudited Standalone Financial Results for the Quarter and Half year ended September 30, 2021 were reviewed by the Audit Committee at the meeting held on November 11, 2021 and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on November 11, 2021

2. The above is an extract of Unaudited Standalone Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Unaudited Standalone Financial Results are available in the Company's website (www.sitalleasingfinance.com) and also available on the website of MSEI limited at www.msei.in.

For and on behalf of board of directors of SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED Date: 11-11-2021

SURENDRA KUMAR JAIN (MANAGING DIRECTOR) DIN: 00530035

SHRI NIWAS LEASING AND FINANCE LIMITED

CIN: L65993DL1984PLC019141

Regd. Off: 47/18, RAJENDRA PLACE METRO STATION NEW DELHI-110060 Email Id: shriniwas.limited@gmail.com, Website: www.shriniwasleasingfinance.com

	Unaudited Financial Results for the	ne Quarter & Half Ye	ear Ended 30.09.2021		
S.NO.		For the Current year Quarter Ended Ended		For the Corresponding Previous year Quarter Ended	N LACS except EPS) For the Previous year Ended
5.NU.	Particulars	01.07.2021 to 30.09.2021 (`)	01.04.2021 to 30.09.2021 (`)	01.07.2020 to 30.09.2020 (`)	01.04.2020 to 31.03.2021 (`)
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from operation	7.23	14.47	7.73	28.71
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exceptional items	5.63	7.28	6.20	16.20
	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional items)	(5.73)	(4.09)	6.20	5.03
	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exceptional itmes)	(5.73)	(4.09)	6.20	0.81
5	Total [Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	(5.73)	(4.09)	6.20	0.81
6	Paid up equity share capital	399.70	399.70	399.70	399.70
7	Earning per share (of Rs. 10/- each) after exceptional item Basic & Diluted	(0.01)	(0.01)	0.02	0.00

Note

The above unaudited standalone financial results for the quarter and Half Year ended sep tember 30, 2021 were reviewed by the Audit Committee at their meeting and approved by the Board of Directors at their meeting held on November 11, 2021.

The above is an extract of Unaudited Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Unaudited Financial Results are available in the Company's website (www.shriniwasleasingfinance.com).

For and on behalf of board of directors of SHRI NIWAS LEASING AND FINANCE LTD.

RAJNI TANWAR (MANAGING DIRECTOR) DIN: 08201251

Date: 11-11-2021 Place: New Delhi

टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में फखर जमान से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदः हेडन

दुबई (एजेंसी) । पाकिस्तान टीम के बल्लेबाजी सलाहकार मैथ्य हेडन को उम्मीद है कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफइनल में गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाज पखर जमान बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उनके मुताबिक, सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और पूर्व कप्तान शोएब मलिक अगर समय पर फ्लू से उबरने में विफ्ल रहते है तो उस स्थिति



में जमान को बल्लेबाजी ऋम में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। हेडन ने गुरुवार को पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले से पहले बताया, हमारे पास कुछ अविश्वसनीय युवा खिलाड़ी हैं और बल्लेबाजी ऋम में अनुभवी

खिलाडियों का मिश्रण है, जिसे टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। हेडन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे सेमीफइनल में फखर जमान से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, अगर आप गुरुवार को उन्हें बेहतर प्रदर्शन करते देखें तो हैरान मत होना, क्योंकि वह नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं। हेडन ने कहा, अगर आप ऑस्ट्रेलिया के स्पिन गेंदबाज एडम जाम्पा को देखे तो वह आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, तो मुझे लगता है कि फखर के पास पाकिस्तान को अच्छी स्थिति में लाने के लिए यह एक शानदार मौका है। हेडन ने कहा कि एक अच्छा बल्लेबाज होने के साथ-साथ पखर जमान एक बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी हैं जो मैच में टीम के लिए कई रन बचाते हैं।

गोकुलम केरला एएफ्सी महिला क्लब चैंपियनशिप में खिताब की दौड़ से बाहर

अकाबा (जोर्डन) । गोकुलम केरला एफ्सी की टीम बुधवार को यहां ईरान के शाहरदारी सिरजन के खिलाफ 0-1 की शिकस्त के साथ एएफसी महिला क्लब चौंपियनशिप पुरबॉल टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ से बाहर हो गई। भारतीय क्लब की गोलकीपर अदिति चौहान को मैच के दौरान विरोधी खिलाड़ी को गिराने और चोटिल करने के कारण लाल कार्ड दिखाकर बाहर किया गया। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद ईरान की टीम के लिए एक घंटे का कुल समय बीतने के बाद अफ्सानेह चातरेनुर ने प्रीक किक पर शानदार गोल दाग और अपनी टीम को तीन अंक दिलाए। इस गोल से कुछ मिनट पहले ही गोकुलम और भारत की गोलकीपर अदिति को लाल कार्ड दिखाकर बाहर किया गया था। इस हार साथ इंडियन वुमेंस लीग (आईडब्ल्यूएफ) चौंपियन टीम खिताब की दौड़ से बाहर हो गई है। टीम को अपने पहले मैच में जोर्डन के अम्मान क्लब के खिलाफशिकस्त झेलनी पडी थी। अंतिम स्थान पर रहने से बचने के लिए शनिवार को भारतीय क्लब की भिड़ंत उज्बेकिस्तान के एफ्सी बुनयोदकर से होगी। टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में चार देशों के चार क्लब हिस्सा ले रहे हैं जिसे 2021 फीफा-एएफसी पायलट महिला क्लब चौंपियनशिप के नाम से भी जाना जाता है। इस जीत से शाहरदारी सिरजन की टीम छह अंक के साथ खिताब के करीब पहुंच गई है। टीम ने पहले मैच में एफ्सी बुनयोदकर को 2-1 से हराया था। टीम अपने अंतिम मुकाबले में शनिवार को अम्मान

हम निराश हैं लेकिन अपने प्रदर्शन पर गर्व है: मोर्गन

अबुधाबी (एजेंसी) । इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीपाइनल में हार के बाद टीम 'टूट' गई थी लेकिन उन्हें 'अविश्वसनीय' टक्कर देने पर गर्व है। मोर्गन ने साथ ही उम्मीद जताई कि वह टीम की कमान संभालते रहेंगे। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ 2019 एक दिवसीय विश्व कप पाइनल में दिल तोड़ने वाली हार का बदला लेते हुए बुधवार को यहां टी20 विश्व कप सेमीफइनल में इसी टीम को पांच विकेट से हराया। मोर्गन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हां, हम टूट गए थे। करीबी मैच में हार से उबरना आसान नहीं होता। हमने ऐसे विकेट पर अविश्वनीय रूप से अच्छी टकर दी जो हमारी बल्लेबाजी के अनुकूल नहीं था लेकिन हम प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने या इसके करीब पहुंचने में सफ्ल रहे।'' उन्होंने कहा, ''हमने जो प्रदर्शन किया उस पर हमें बेहद गर्व है। अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद

गारंटी नहीं है कि आप हमेशा जीत दर्ज करो। दुर्भाग्य से आज हमें बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।'' वर्ष 2014 से इंग्लैंड की टी20 टीम की अगुआई कर रहे 35 साल के मोर्गन ने कहा, ''मुझे (कप्तान



के रूप में) वापसी की उम्मीद है, मैं अब भी पर्याप्त योगदान दे रहा हूं और मुझे इस टीम के साथ खेलना पसंद है। उनका कप्तान होने पर बेहद गर्व है।'' इंग्लैंड ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए मोईन अली के नाबाद 51 रन की बदौलत चार विकेट पर 166 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने हालांकि एक ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने 47 गेंद में 72 रन की पारी खेली जबकि जेम्स नीशाम ने 11 गेंद में एक चौके और तीन छक्के से 27 रन बनाए। मोर्गन ने कहा कि नीशाम के ऋीज पर उतरने तक इंग्लैंड की टीम मैच में बनी हुई थी लेकिन इस आलराउंडर ने मैच का रुख पूरी तरह से बदल दिया और मुश्किल पिच पर ऐसे शॉट खेले जैसे उनके बल्लेबाज भी नहीं खेल पाए। उन्होंने कहा, ''हमने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। संभवतः जिमी नीशाम के ऋीज पर उतरने तक अगर हम मैच में आगे नहीं थे तो कम से कम मैच में बने हए थे। नीशाम के आने तक सब कुछ काम कर रहा था। बेहद दबाव वाली स्थिति में यह शानदार पारी थी।'' मोर्गन ने न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मिशेल की भी तारीफ की जिन्होंने अपनी नाबाद पारी में चार चौके और इतने ही छक्के मारे। उन्होंने कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि उसने (मिशेल ने) आज बेहतरीन पारी खेली। वह दुनिया की नंबर एक टीम के खिलाफकाफी अच्छा खेला और अपनी टीम को पाइनल में ले गया।

चयनकर्ताओं ने कर दिया टीम से बाहर, खिलाड़ी सोच रहा है आखिर मैंने गलती क्या कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय ऋिकेट टीम में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। आइसीसी टी20 विश्व कप के पहले दौर से बाहर होने के बाद इस फार्मेट की कप्तानी रोहित शर्मा को दी गई। विराट कोहली ने टूर्नामेंट से पहले ही टी20 की कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी। मंगलवार को न्यूजीलैंड के साथ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए टीम का चयन भी किया गया। इसमें एक खिलाड़ी का नाम नहीं होने पर पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने हैरानी जाहिर की। भारत को टी20 विश्व कप के पहले दो मैच में हार की वजह से पहले दौर से ही बाहर होना पडा। टीम तीन लगातार मैच जीतने के बाद भी सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई। विश्व कप के ठीक बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत का दौरा करेगी जहां पहले टी20 और फिर टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलेगी। टी20 सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को मौका दिया। जबिक स्पिनर राहुल चाहर को बिना किसी वजह से बाहर का रास्ता

गावस्कर ने टीवी टुडे से बात करते हुए कहा, मैं इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि राहुल चाहर यह बात पक्का सोच रहे होंगे कि उन्होंने आखिरी ऐसा क्या कर दिया कि वह 16 सदस्यीय घोषित टीम में शामिल नहीं हैं। वह विश्व कप के अंतिम 15 खिलाडियों की लिस्ट में शामिल होने के लिए काफी थे। उनको एक ही मौका दिया गया जिसमें उन्होंने 7.5 प्रति ओवर की इकोनोमी से रन दिए। तो इस वजह वह पक्का इस बात को सोच रहे होंगे कि आखिर मैंने गलत क्या किया। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं में से कोई तो उनके पास जाकर यह बताएगा कि उनको टीम से बाहर किए जाने का कारण क्या है।

टी20 वर्ल्ड कपः न्यूजीलैंड को तीन साल में तीसरा फाइनल में खेलने में आएगा मजा

तीन पाइनल खेलना किसी भी देश के लिए एक बडी उपलब्धि मानी जा सकती है और न्यूजीलैंड जैसे छोटे देश के लिए, इतने सालों में विभिन्न प्रारूपों में अपने तीसरे पाइनल में पहुंचना एक विशेष अहसास दिलाता है। न्यूजीलैंड ने बुधवार को अबूधाबी के जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप के पाइनल में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर पाइनल में प्रवेश किया। हालांकि यह उनका पहला टी20 विश्व कप पाइनल है, जो 50 ओवरों के खेल और टेस्ट ऋिकेट में उनकी हालिया सफ्लता में जोडा गया है। यह न्यूजीलैंड के खिलाडियों की इस स्वर्णिम पीढ़ी के लिए एक बड़ी

न्यूजीलैंड 2019 विश्व कप (50 ओवर) के पाइनल में इंग्लैंड से हार गया था, जबिक कीवी टीम ने पिछले साल इंग्लैंड में आईसीसी टेस्ट विश्व चौंपियनशिप के पाइनल में भारत को हराया था। बुधवार को डेरिल मिशेल (47 गेंदों में नाबाद 72) की शानदार पारी के साथ-साथ जेम्स नीशम (11 गेंदों में 27 रन) के एक विस्पोटक कैमियो ने न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप 2021 के पहले सेमीफड़नल में इंग्लैंड को पांच विकेट से हरा दिया। अब पाइनल में न्यूजीलैंड पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के



बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से कुछ दिनों में भिडेगा।

मिशेल ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाडियों को पिछले कुछ वर्षों में अपनी उपलब्धियों पर गर्व है, लेकिन वे बहुत तेजी से आगे बढेंगे। उन्होंने कहा कि फाइनल में उन्हें और मेहनत करनी होगी और वे जीत के लिए सब कुछ करेंगे, जो भी ऑस्ट्रेलिया या

पाकिस्तान के बीच उनका प्रतिद्वंद्वी होगा। मिशेल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम जानते हैं कि रविवार को हमारा पाइनल है और हम जो भी खेल रहे हैं, उसे अच्छा मजा आना चाहिए। हम इसे वह सब कुछ देंगे जो हमें मिला है, लेकिन दिन के अंत में कुछ चीजें हैं जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, तो हम देखेंगे कि क्या होता है।

ऐसे में उनके लिए बुधवार की जीत कितनी अहम है? मिशेल ने कहा कि वह उस व्यक्ति पर हंसते अगर कोई कहता कि उसे पांच, छह साल पहले कहा गया था कि वह विश्व कप पाइनल खेलेगा। उन्होंने कहा, हाँ, विश्व कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना निश्चित रूप से एक बडे सम्मान की बात है। हाँ, अगर आपने यह पाँच, छह साल इसलिए यहाँ बैठना बहुत बढिया है। हाँ, हम हैं वास्तव में इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने का आनंद ले रहे हैं और जितना हो सके उतना मजा कर रहे हैं। क्रिकेट में देर से शुरूआत करने वाले 30 वर्षीय मिशेल के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिन्होंने 27 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था।

वो कहते हैं, हाँ, मुझे लगता है कि मैं वास्तव में खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं न्यूजीलैंड के लिए खेला हूं। मुझे लगता है कि मैंने 27 साल की उम्र में डेब्यू किया, इसलिए न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने से पहले अपने बेल्ट के तहत सात, आठ साल का घरेलू क्रिकेट हासिल करने में सक्षम होने के लिए, मुझे लगता है कि मैं वास्तव में अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानता हूँ। इसका मतलब है कि मैंने अपने खेल को थोडा सीखा और घरेलू क्रिकेट के उतार-चढाव से गुजरा ताकि एक बार जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचें तो आप समझ सकें कि एक ऋिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में आपके लिए क्या काम करता है। मिशेल ने कहा कि वे दूसरे सेमीफाइनल को दिलचस्पी के साथ देखेंगे लेकिन उन पर अतिरिक्त दबाव नहीं होगा और वे पाइनल में खेलना पसंद करेंगे।

न्यूजीलैंड की टीम अभी सभी प्रारूपों में सबसे मजबूत क्रिकेट टीमः आथर्टन

के पूर्व कप्तान माइक आथर्टन का मानना है कि फ्लिहाल खेल के तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड की ऋिकेट टीम सबसे मजबूत है। आथर्टन ने न्यूजीलैंड के पहली बार टी20 विश्व

कप पाइनल में जगह बनाने के बाद यह बात कही। न्यूजीलैंड ने बुधवार को पहले सेमीफाइनल में प्रबल दावेदार इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड की टीम ने तीन साल में तीसरी बार आईसीसी की वैश्विक प्रतियोगिता के पाइनल में जगह बनाई है। पिछले कुछ वर्षों में न्यूजीलैंड

ने तीनों प्रारूपों में अपनी ताकत दिखाई है। टीम 2019 में 50 ओवर के विश्व कप के पाइनल में पहुंची जहां उसे बाउंडी गिनने के विवादास्पद नियम के आधार पर मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। टीम ने इसके बाद भारत को हराकर पहला विश्व टेस्ट

अबुधाबी (एजेंसी) । इंग्लैंड ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, ''उनकी टीम खेल के सभी प्रारूपों में शानदार है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने एक और विश्व कप के पाइनल में जगह बनाई, वह 2019 में पिछला विश्व कप जीतने के भी बेहद करीब थे, वे



विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के विजेता हैं।'' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, ''आपको कहना होगा कि सभी प्रारूपों में अभी वे सबसे मजबत टीम हैं इसलिए उन्हें बधाई, खिलाड़ियों और पैसे को लेकर सीमित संसाधन के बावजूद शानदार उपलब्धि।'' इंग्लैंड के 167 रन के चौंपियनशिप खिताब जीता। आथर्टन लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड

जनियर हॉकी विश्व कपः १८ सदस्यीय टीम

के विवेक सागर प्रसाद बने कप्तान

ने तीन ओवर के अंदर सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल और कप्तान केन विलियमसन के विकेट गंवा दिए थे जिन्हें क्रिस वोक्स ने पवेलियन भेजा। सलामी बल्लेबाज डेरिल मिशेल (42 गेंद में नाबाद

> 72), डेवोन कॉनवे (38 गेंद में 46) और जिमी नीशाम (11 गेंद में 27) ने हालांकि न्यूजीलैंड को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। आथर्टन ने कहा, ''आज रात चीजें इतनी तेजी से बदली। दूसरी पारी में लंबे समय तक मुझे लगा कि इंग्लैंड मैच में आगे था।'' दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को पाकिस्तान और

आस्ट्रेलिया आमने सामने होंगे और आथर्टन को लगता है कि पूर्व चौंपियन टीम का पलड़ा आरोन फिच की टीम पर भारी होगा। उन्होंने कहा. ''मैं पाकिस्तान के साथ जाऊंगा, मुझे लगता है कि इस प्रतियोगिता में उनका गेंदबाजी आऋमण सर्वश्रेष्ठ और सबसे अधिक विविधता वाला

शीर्ष वरीय सिनर को हराकर मरे क्वार्टर फाइनल में

स्टाकहोम (एजेंसी) । दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाडी एंडी मरे ने शीर्ष वरीय यानिक सिनर को सीधे सेटों में हराकर स्काकहोम ओपन टेनिस टर्नामेंट के क्वार्टर पाइनल में जगह बनाई। मरे ने इटली के खिलाड़ी के खिलाफ 7-6, 6-3 से जीत दर्ज की। ब्रिटेन के मरे की पिछले दो हफ्ते में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफयह दूसरी जीत है। तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता मरे विएना

में ह्यूबर्ट हुरकाज को हराया था। उनकी मौजूदा विश्व रैंकिंग 143वीं है। मरे क्वार्टर पाइनल में टॉमी पॉल से भिडेंगे जिन्होंने अमेरिका के अपने युगल जोडीदार और पांचवें वरीय टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 6-4 से हराकर उलटफेर किया। गत चौंपियन डेनिस शापोवालोव ने खिताब की रक्षा के अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में क्वालीपायर आंद्रिया वावासोरी को 7-6, 6-1 से हराया।

कनाडा के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी शापोवालोव अगले दौर में फ्रांस के आर्थर रिंडरनेच से भिडेंगे जिन्होंने जोजेफकोवालिक को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से शिकस्त दी।

टी20 वर्ल्ड कपः हेडन और लैंगर, दो दोस्त अब आमने-सामने

दुबई (एजेंसी) । टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ सलामी जोड़ी में से एक मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर ने 2000 के दशक में 57 के औसत से मैदान पर रन बनाए थे। एक बार फिर वे क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे हैं, लेकिन इस बार दोस्त के नहीं

बनाते नजर रहे हैं। उपनाम जेएल और हाइडोस, दोनों ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस देश से जुड़े हैं, उनकी मजबूत दोस्ती इन सब बातों से ऊपर है। हेडन ने कहा कि पाकिस्तान के कोचिंग सलाहकार के रूप में ऑस्ट्रेलिया के

आएंगे। कभी हेडन और लैंगर को

ऑस्टेलिया की सफ्ल सलामी जोडी

के तौर पर माना जाता था, आज भी

टेस्ट मैच में चौथी सबसे अच्छी

साझेदारी उन्ही दोनों के नाम हैं। युएई

में अपनी टीम को जिताने के लिए

एक-दूसरे के खिलाफ रणनीति

बल्कि एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में दोनों एक-दूसरे के सामने आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जस्टिन लैंगर अब पाकिस्तान से भिड़ने के लिए तैयार होंगे तो दूसरी ओर पाकिस्तान के बैटिंग सलाहकार के तौर पर हेडन दूसरी ओर से मौजूद होंगे। दोनों अपनी-अपनी टीम को आईसीसी टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीपाइनल में सपोर्ट करते नजर

खिलाफ आना एक असहज भावना है। हेडन साल 2007 के टी 20 वर्ल्ड कप मुकाबले में टूर्नामेन्ट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रह चुके हैं। उन्होंने कहा, यह एक अलग भावना है, मैं दो दशकों से अधिक समय तक ऑस्ट्रेलिया के लिए खेला, जिससे मुझे न केवल इन खिलाडियों से बल्कि ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट से लाभ

तालिबान ने पूर्व क्रिकेटर मीरवाइस अशरफ को कार्यवाहक एसीबी प्रमुख नियुक्त किया

भुवनेश्वर (एजेंसी) । 24 डिफेंडर के रूप में संजय का चयन नवंबर से भवनेश्वर में एफ्आईएच किया गया, जो युवा ओलंपिक खेल अफ्गानिस्तान में तालिबान के नेतत्व जुनियर हॉकी विश्व कप का आगाज 2018 में सिल्वर मेडल जीतने वाली सरकार ने पर्व क्रिकेट होने वाला है। इसके लिए हॉकी वाली भारतीय अंडर-18 टीम का ऑलराउंडर मीरवाइस अशरफ को हिस्सा थे। 18 सदस्यीय टीम में इंडिया ने गुरुवार को 18 सदस्यीय अफ्गानिस्तान क्रिकेट शारदानन्द तिवारी, प्रशांत चौहान, भारतीय जूनियर हॉकी टीम की (एसीबी) का कार्यवाहक अध्यक्ष घोषणा की, जिसमें ओलंपिक के सुदीप चिरमाको, राहुल कुमार नियुक्त किया है। मीरवाइस राजभर, मनिंदर सिंह, अजीजुल्लाह पाजली की जगह लेंगे, विष्णुकांत पवन. जो पिछले दो महीनों से बोर्ड के सिंह, अंकित पाल, प्रभारी थे। तालिबान ने एक बयान में सिंह, सुनील उत्तम कहा, अफ्गानिस्तान के इस्लामी 👠 अमीरात के प्रधानमंत्री ने मीरवाइस



कांस्य पदक विजेता विवेक सागर प्रसाद को 18 सदस्यीय टीम का कप्तान बनाया गया। इस खिताब को भारतीय टीम 2016 में लखनऊ में अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह आयोजन 5 दिसंबर तक चलेगा। विवेक सागर प्रसाद कप्तान और

जोजो, मनजीत, रबीचंद्र मोइरंगथेम, अभिषेक लाकडा, यशदीप सिवाच, गुरमुख सिंह और अरिजीत सिंह

हंदल शामिल हैं। हॉकी इंडिया ने कहा, दीनचंद्र सिंह मोइरंगथेम और बॉबी सिंह धामी को वैकल्पिक खिलाडियों के रूप में चुना गया है, जिन्हें किसी खिलाडी को चोट लगने पर या कोविड-19 के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने पर ही खेलने की अनुमति दी जाएगी।

मैच के बाद कहा, ''हमारी टीमें कई

है। अफ्गान ऋिकेट अतीत में पूर्ण (एजेंसी) प्रतिबंध का शिकार होने के बाद फिर से उभरा है, हालांकि तालिबान ने महिलाओं को ऋिकेट सिहत किसी भी खेल को खेलने से रोक दिया है। बोर्ड अफ्गानिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम



पाकिस्तान, भारत और न्यूजीलैंड से हारने के बाद ट्वेंटी 20 विश्व कप 12 चरण से बाहर हो गई और अपने पांच मैचों में से केवल दो में जीत दर्ज की। अशरफ देश की पुरुष टीम के लिए ऋिकेट के भविष्य को स्थापित करने और उसे मूर्त रूप देने के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। हालांकि अफगानिस्तान की महिला ऋिकेट टीम के होने की उम्मीद अब भी लगभग नामुमिकन सी लगती है। अशरफ ने 2016 में ऋिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने कम से कम 46 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 25 ट्वेंटी -20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। अशरफके लिए पहला लक्ष्य ऋिकेट

ऑस्ट्रेलिया के साथ जुड़ना होगा, जिसने हाल ही में इस महीने के अंत में ब्रिस्बेन में होने वाले अफ्गानिस्तान के खिलाफएक टेस्ट मैच स्थगित कर दिया था। ऋिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि वह मैच की मेजबानी तभी करेगा जब देश की स्थिति और निश्चित हो जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का निर्णय अंतर्राष्ट्रीय ऋिकेट (आईसीसी) तत्वाधान में आया है, जिसके नियम हैं कि सभी सदस्य देशों में पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट टीमें होनी चाहिए। आईसीसी ने एक बयान में कहा है कि वह इस महीने के अंत में बोर्ड की बैठक में इस मामले पर चर्चा करेगा। दूसरी ओर, एसीबी ने घोषणा की है।

सेमीफाइनल में नीशम की धुआंधार बल्लेबाजी की मिशेल ने की तारीफ

अब धाबी (एजेंसी) आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के पहले सेमीपाइनल में बुधवार को न्यूजीलैंड इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर फाइनल में पहुंच गया। इस मैच में कीवी बल्लेबाज डेरिल मिशेच ने 47 गेंदों में नाबाद 72 रनों की पारी खेली। लेकिन उन्होंने मैच को पलटने के लिए अपने साथी जिमी नीशम के योगदान की तारीफकी।

बुधवार को यहां शेख जायद ऋिकेट स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीपाइनल में नीशम ने 11 गेंदों में 27 रन बनाकर मिशेल के साथ न्यूजीलैंड को जीत दिलाई। 167 रनों का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने एक ओवर शेष रहते मैच को अपने नाम कर टी20 वर्ल्ड कप के पाइनल में पहली बार जगह बनाई। न्यजीलैंड को अंतिम चार ओवरों में 57 रन चाहिए थे, नीशम ने दो छक्के और एक चौका लगाया, जबकि 17वें ओवर में मैच पूरी तरह पलट गया जब ऋिस जॉर्डन ने 23 रन दिए। लेकिन आदिल राशिद के अगले ओवर में नीशम

पूरी टीम ने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन मिचेल ने अद्भुत पारी खेलीः विलियमसन

न्यजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में पांच विकेट से जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया लेकिन सलामी बल्लेबाज डेरिल मिचेल की विशेष तौर पर प्रशंसा की जिन्होंने शुरुआती झटकों के बावजूद टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर चार विकेट पर 166 रन बनाये। न्यजीलैंड ने मिचेल (नाबाद 72), डेवोन कॉनवे (46) और जेम्स नीशाम (10 गेंदों पर 26) की पारियों से एक ओवर शेष रहते हुए

जीत हासिल की। विलियमसन ने

अवसरों पर एक दूसरे के खिलाफ खेली हैं और हम जानते थे कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। हमारी पूरी टीम ने वास्तव में अच्छा खेल दिखाया। '' उन्होंने कहा, ''शीर्ष ऋम में मिचेल ने अदभुत बल्लेबाजी की। उन्होंने अपने कौशल और जज्बे का आज असली नमूना पेश किया।'' विलियमसन ने नीशाम की भी प्रशंसा की जिन्होंने तब तूपानी पारी खेली जब न्यूजीलैंड को चार ओवर में 57 रन चाहिए थे। कीवी कप्तान ने कहा, ''टी20 ऋिकेट में कई चीजें मायने रखती हैं जैसे विकेट, छोटी बाउंड्री वाला स्थान और ऐसी ही अन्य चीजें जो

खेल में अंतर पैदा करती हैं। हमारे पास विकेट थे जो वास्तव में महत्वपूर्ण था। नीशाम ने कई बडे शॉट्स लगाए और खेल की दिशा बदल दी।'' इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि उनकी टीम ने पूरे टर्नामेंट में अच्छा खेल दिखाया और यह बता पाना मुश्किल है कि आज उनकी टीम से कहां गलती हुई। मोर्गन ने कहा, ''हम जानते थे कि दोनों टीमों के पास कुशल खिलाड़ी लेकिन आज न्यूजीलैंड ने बढ़िया खेल दिखाया। मुझे अपने सभी खिलाड़ियों पर गर्व है। हमने इस मैच में और पूरा टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया। अभी यह बता पाना मुश्किल है कि कहां गलती हुई। '' उन्होंने

से पता चलता है कि चल रहे ट्वेंटी

20 विश्व कप के दौरान अब धाबी

में तालिबान अधिकारियों के साथ

बैठक के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय

क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों द्वारा

बार-बार मांग के बाद यह निर्णय

लिया गया है। अशरफ की एसीबी

प्रमुख के रूप में नियुक्ति

अफ्गानिस्तान क्रिकेट के लिए

पुनरुद्धार की नई उम्मीदें लेकर आई

कहा, ''विकेट आसान नहीं था और स्पिनरों को मदद मिल रही थी। ऐसे में लंबे शॉट खेलना आसान नहीं था। हमने एक अच्छा स्कोर बनाया था लेकिन न्यूजीलैंड की टीम आज बेहतर थी। नीशाम ने जिस तरीके की पारी खेली और जैस शॉट खेले वह वास्तव में लाजवाब थे।'' मिचेल को उनकी आकर्षक अर्धशतकीय पारी के लिये मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने भी कहा कि नीशाम ने उन पर से दबाव हटाने में अहम भूमिका निभायी। मिचेल ने कहा, ''रन बनाना आसान नहीं थी। नयी गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से नहीं आ रही थी। कॉनवे के साथ साझेदारी महत्वपूर्ण रही।

पीएसजी फुटबॉलर अमिनता डायलो टीम के साथी पर हमले के बाद गिरफ्तार

पेरिस (एजेंसी) । पेरिस सेंट-जर्मेन महिला पुटबॉलर अमिनता डायलो को पिछले गुरुवार को टीम के साथी पर हमले के बाद जांच के तहत फ्रांसीसी पुलिस ने हिरासत में लिया है। क्लब ने बुधवार को यह जानकारी दी। पीएसजी ने बताया कि डायलो को वर्साय पुलिस ने बुधवार सुबह गिरफ्तार किया। पीएसजी ने कहा, पेरिस सेंट-जर्मेन की गई हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा करता है। उन्होंने कहा, गुरुवार शाम से क्लब ने अपनी पूरी महिला टीम के स्वास्थ्य, कल्याण और सुरक्षा की गारंटी के लिए सभी आवश्यक उपाय किए हैं। क्लब ने यह भी कहा कि वह तथ्यों को स्पष्ट करने के लिए वर्साय पलिस के साथ मिलकर काम करेगा।

पीएसजी ने कहा, क्लब कार्यवाही की प्रगति पर पूरा ध्यान दे रहा है और अध्ययन करेगा कि क्या कार्रवाई करनी है। फ्रांसीसी मीडिया रिपोटरें के अनुसार, डायलो और एक अन्य अज्ञात साथी के साथ शाम को बाहर जाने के बाद मिडफील्डर खीरा हमरार्ड्ड पर हमला किया गया था। हमरार्ड्ड को कथित तौर पर दो नकाबपोश लोगों ने उनकी कार से खींच लिया था। 26 वर्षीय डायलो, प्रांस के लिए सात बार खेले। वह 2016 में पीएसजी में शामिल हुए और क्लब के लिए 60 से अधिक प्रदर्शन किया।

मेकर्स ने 'बिग बॉस 15' से अफसाना को किया बाहर? की थी चाकू से खुद को मारने की कोशिश

'बिग बॉस 15' में इस वक्त आए दिन ट्विस्ट आ रहे हैं। हाल ही राकेश बापट हेल्थ इशूज के कारण शो से बाहर हो गए, वहीं अब खबर है कि अफ्साना खान को भी बाहर कर दिया गया है। अफ्साना ने हाल ही वीआईपी जोन में एक्सेस ने मिलने पर खूब हंगामा किया था। उन्होंने चाकू से खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। अफ्साना की शमिता शेट्टी से भी खूब लड़ाई हुई और इस दौरान उन्हें पैनिक अटैक आ गया। 'स्पॉटबॉय' की



रिपोर्ट के अनुसार, अफसाना खान 'बिग बॉस 15' से बाहर आ गई हैं। एक सोर्स ने बताया कि अफ्साना को पैनिक अटैक आ गया था जिसके बाद उन्हें शो से बाहर ले जाया गया। सोर्स ने

कहा, 'वीआईपी टास्क हारने के बाद और दोस्तों से धोखा मिलने के कारण अफसाना का दिल टूट गया था। उन्होंने शमिता शेट्टी से भी लड़ाई की, जिसके बाद उन्हें पैनिक अटैक आ गया। उन्होंने चाकू लेकर खुद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। किचन एरिया में उन्होंने खुद को काटने की कोशिश की। इस कारण मेकर्स ने अफसाना खान को शो छोड़ने के लिए कह दिया। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि बिग बॉस ने हाल ही वीआईपी जोन टास्क करवाया था। इसमें घर के कैप्टन उमर रियाज को पावर दी गई थी कि वो किन्हीं 3 सदस्यों को चुनें जिन्हें वह अपने साथ वीआईपी जोन में ले जाना चाहते हैं। इस राउंड में उमर, करन कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश और करन कुंद्रा को चुनते हैं। उमर इस टास्क से अफ्साना खान को बाहर कर देते हैं, जिससे वह आपा खो देती हैं। (एजेंसी)

पद्म अवॉर्ड्स के दौरान करण जौहर को ढूंढ रही थीं कंगना रनौत

ऐक्ट्रेस कंगना रनौत को हाल ही पद्म श्री सम्मान से नवाजा गया। उनके साथ-साथ यह सम्मान एकता कपूर और करण जौहर को भी दिया गया। कंगना ने बताया कि पद्म अवॉर्ड्स सेरिमनी में उन्होंने करण जौहर को खोजने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह उन्हें वहां नहीं दिखे। अगर दिखते तो वह करण से जरूर बात करतीं। कंगना रनौत और करण जौहर के बीच के मतभेद और लड़ाई किसी से छिपी नहीं है। दोनों के बीच विवाद साल 2017 में हुआ था। उस वक्त कंगना ने करण जौहर के शो पर उन्हें ही बॉलिवुड में नेपोटिजम को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था और उन्हें 'मूवी माफ्ग्रिं।' तक कहा था। इसके बाद करण और कंगना के बीच कई मौकों पर तकरार होती रही। शायद इसी वजह से

ऑर्गनाइजर्स ने भी पद्म अवॉर्ड्स के दौरान इस तरह की व्यवस्था की थी कि कंगना रनौत और करण जौहर आमने-सामने न आ सकें। इस बारे में कंगना ने



टाइम्स नाउ समिट में कहा, 'हमारी सेरिमनी अलग-अलग वक्त पर हुई। मुझे ऐसा लगता है कि हम दोनों को एक-दूसरे से अलग रखने के लिए उन्होंने अलग-अलग टाइम रखा। मैंने करण जौहर को वहां ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वह वहां नहीं थे।' कंगना से जब पूछा गया कि अगर करण उन्हें वहां मिलते तो क्या वह उनसे बात करतीं तो ऐक्ट्रेस ने कहा, 'हां, बिल्कुल। दो लोगों के बीच मतभेद हो सकते हैं, असहमति और विवाद हो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप को-एग्जिस्टेंस में विश्वास न रखें। मैं हर तरह की को-एग्जिस्टेंस को बढ़ावा देती हूं।' कंगना ने आगे कहा, 'कुछ लोग जो अंदर आए और अपना सम्मान लिया, उन्होंने मुझे निरर्थक महसूस कराया। उनमें से कुछ अपनी उपस्थिति में इतने सरल और विशाल थे कि जब वो सामने आए और उनका परिचय हुआ तो मुझे लगा कि मैं तो बहुत मामूली हूं। बहुत कम ही मुझे ऐसा अहसास होता है। ऐसे लोगों को अपना पुरस्कार लेते हुए देखते हुए मुझे लगा कि क्या मैं इतनी अच्छी हूं?' (एजेंसी)

यानिया भारद्वाज ने अपनी टीम की जमकर तारीफ की

मेड इन हेवन सीरीज से पहचान बनाने वाली यानिया भारद्वाज जल्द ही हॉरर फिल्म छोरी में नजर आने वाली हैं। फिल्म के हाल ही में रिलीज हुए टीजर को मिली प्रतिक्रिया ने अभिनेत्री को अभिभूत कर दिया है। टीजर को मिली प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए, वह कहती हैं कि छोरी के टीजर पर लोगों ने जितना प्यार बरसाया है, उसे देखकर मझे बहुत खुशी हो रही है।



लगता है कि आपकी मेहनत की सराहना की जा रही है। मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा लगा। फ्ल्मि की शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में टिप्पणी करते हुए, अभिनेत्री

आगे कहती हैं कि भोपाल में लगभग 25 दिनों के हमारे शूटिंग शेड्यूल के दौरान, विशाल पुरिया सर से लेकर मीता मैम, नुसरत और पूरी टीम ने बहुत मजा किया, और सबसे अच्छी बात यह थी कि खाना था. हम सभी अपनी शटिंग के बीच खाने के ब्रेक का इंतजार करते थे क्योंकि सेट पर खाना बहुत स्वादिष्ट होता था। वो कहती हैं, मैं फिल्म रिलीज के लिए उत्साहित हूं। मैं खुद डरावनी फिल्मों से बहुत डरती हूं लेकिन मैंने इसकी शूटिंग पर एक अद्भुत समय बिताया और मुझे यकीन है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही आनंद आएगा, जितना हमें इसे बनाने में आया हैं।

डिकपल्ड में नजर आएगी माधवन, सुरवीन चावला की जोड़ी

अभिनेता आर. माधवन और सुरवीन चावला नेटफ्लिक्स की आगामी कॉमेडी ड्रामा डिकपल्ड में दिखाई देंगे। माधवन ने कहा कि मैं आर्य का किरदार निभा रहा हूं, जो एक पल्प-फिक्सिन लेखक है, जो निष्पक्षता और स्पष्टता के साथ-साथ समझौता नहीं करता है। वहीं शो में सुरवीन मेरी शांत पत्नी श्रुति का रोल कर रही है। सुरवीन के साथ काम करके बहुत खुशी हुई और मुझे उम्मीद है कि हमने स्क्रीन पर जो केमिस्ट्री और हास्य पैदा करने की कोशिश की है, वह दर्शकों को भी खूब हंसाएगा। माधवन को आर्य और सुरवीन को शरुति के रूप में देखा जाएगा। दोस्तों से लेकर जीवन साथी तक आर्य और श्रुति बहुत कुछ झेल चुके हैं। व्यंग्यात्मक, मुखर पल्प फिक्स्शन लेखक आर्य और उसकी कॉपोर्रेट सूट की सीईओ पत्नी श्रुति अपनी शादी के बाद जॉब छोड़ने का फैसला करती है। सुरवीन चावला ने कहा कि डिकपल्ड एक आधुनिक जोड़े के रिश्ते पर प्रकाश डालती है जो अपनी पवित्रता को बरकरार रखने की कोशिश करते हुए शादी की बारीकियों के माध्यम से काम करने की कोशिश कर रहा है। माधवन मेरे पति आर्य का किरदार बेहद सहजता से निभा रहे हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है। डिकपल्ड के बारे में बोलते हुए, निर्माता मनु जोसेफने कहा कि डिकपल्ड एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जो किसी भी स्थिति में देख सकता है कि कैसे दूसरों को अनदेखा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। **(एजेंसी)**



ने चेन्नई में शुरू की बीस्ट की शूटिंग

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी आगामी ब्लैक कॉमेड़ी एक्शन फिल्म बीस्ट की शूटिंग चेन्नई में शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि तिमल दर्शक फिल्म को लेकर काफी उत्साही हैं। पूजा ने कहा, तिमल दर्शक

उत्साह पारस्परिक है। चेन्नई में वापस आना बहुत अच्छा है। यह राज्य में होने वाली चीजों के केंद्र की तरह है। चेन्नई में मेरे स्टॉपओवर का मुख्य आकर्षण यह है कि इसका व्यंजन खाने वाले का सपना होता है। उन्होंने आगे कहा, बीस्ट की शृटिंग फिर से शुरू होने के साथ, यहां के दर्शक मेरे साथ ऑनलाइन से जुड़े हुए हैं कि यह

मेहनत कर रहे हैं। पूजा कुछ दिनों तक चेन्नई में रहेगी। फिल्म मुगामूदी के बाद तिमल सिनेमा में उनकी वापसी हुई है। हालांकि, नेल्सन दिलीप कमार के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में उनके द्वारा निभाए जाने वाले किरदार के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है। उनकी आने वाली फ्ल्मों में राम चरण और चिरंजीवी के साथ आचार्य, प्रभास के साथ राधे श्याम, महेश बाबू के साथ एसएसएमबी28, रणवीर सिंह के साथ

भाईजान शामिल हैं।

जोया अख्तर नेटफ्लिक्स के लिए 'द आर्चीज' का निर्देशन करेंगी

फिल्म निर्माता जोया अख्तर आर्ची कॉमिक्स के पात्र आर्ची एंड्रयूज पर आधारित संगीतमय फिल्म बनाएंगी, जो ऑनलाइन प्रसारण मंच नेटिफ्लक्स पर रिलीज होगी। नेटिफ्लक्स ने एक बयान में बताया कि प्रसारण मंच ने इस फिल्म के लिए आर्ची कॉमिक्स से करार किया है। इस फ्लिम का नाम 'द आर्चीज' है और यह भारत के 1960 के



दशक की पृष्ठभूमि में बनेगी दिल धडकने दो' जैसी का निर्देशन करने

स्टोरीज' के लिए काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, '' मैं द आर्चीज को दर्शकों के बीच लाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मेरे बचपन और किशोरावस्था का यह बडा हिस्सा रहा है। इन पात्रों को वैश्विक स्तर पर लोग प्रेम करते हैं और इस वजह मैं थोड़ा घबराई हुई भी हूं। मुझे यह सुनिश्चित करना पड़ेगा कि यह उस पीढ़ी के लोगों की पुरानी यादों को जीवंत कर पाए और मौजूदा युवा पीढ़ी का भी मनोरंजन करे।

उमर रियाज़ को डेट करने की खबरों पर आखिरकार सबा खान ने तोड़ी चुप्पी, 'हम दूसरे को पसंद करते हैं

'बिग बॉस 15' कंटेस्टेंट उमर रियाज इस वक्त काफी चर्चा में उमर को बिग बॉस में काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं गेम शो के अलावा उमर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खबरों में बने हुए हैं। इन दिनों ये खबर काफी वायरल हो रही है कि उमर बिग बॉस एक्स कंटेस्टेंट सबा खान को डेट कर रहे हैं। हालांकि आधिकारिक तौर पर किसी ने भी इन खबरों पर हामी नहीं भरी है, लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों के अफेयर की चर्चा जोरों पर है। अब क्योंकि उमर बिग बॉस

में हैं तो वो तो इन खबरों पर प्रतिऋिया नहीं पाएंगे, लेकिन सबा खान ने ज्रूर रिलेशनशिप की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। ईटाइम्स से बात करते हुए सबा ने कहा, 'हाल ही में मैंने कहीं पढा कि



किसी मॉल में मिले हैं, तो मैं बता दूं कि मैं उनसे कहीं भी कभी भी नहीं मिली। बल्कि कुछ टाइम पहले जब मेरा गाना रिलीज हुआ था तो उन्होंने मुझे मैसेज किया था कि मैंने अच्छा काम किया है और मैंने उन्हें इसके अलावा मैंने उनसे कभी बात नहीं की। हां मैं उमर की

मम्मी, पापा और बहन से मिली हूं वो मुझसे काफी प्यार से मिले थे। बल्कि उन्होंने मुझसे कहा भी था कि बिग बॉस में मैं उन्हें पसंद आई'। 'मेरा पहला प्रोजेक्ट उमर के साथ एक म्यूज़िक वीडियो था। इसके बाद प्रमोशन के लिए हम कई बार साथ होते थे। मैं तबसे उन्हें जानती हूं और हमारे बीच बहुत स्ट्रॉन्ग बॉन्ड है। मैं ये नहीं कहूंगी कि हम एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हम डेट नहीं कर रहे, लेकिन हम दूसरे को एक इंसान के तौर पर पसंद करते हैं'।

आरआरआर के सेट से राम चरण और जूनियर एनटीआर की एक्सक्लूसिव तस्वीर हुई वायरल

आरआरआर एक बहप्रतीक्षित फिल्म है। यह मल्टी-स्टारर फिल्म लोकप्रिय फिल्म निर्माता एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित एक अखिल भारतीय फिल्म है। मेकर्स

राम चरण और एनटीआर-स्टारर आरआरआर निमार्ताओं ने लिखा कि गाने की शटिंग के बीच हमारे स्टार्स का चिलिंग करते हुए बीटीएस। यह एक्सक्लूसिव फोटो आरआरआर के सेट



जोर शोर से फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। उन्होंने सेट पर जूनियर एनटीआर और राम चरण की चिल करते हुए एक अनदेखी फोटो पोस्ट की है, जिसने सभी का ध्यान खींचा है। ट्विटर पर एक्सक्लसिव फोटो साझा करते हए. की है। फेटो में राम चरण और एनटीआर

हुए देखा जा सकता है। फिल्म का गाना नाटू नाटू बधवार को बुधवार रिलीज किया गया है, ऐसे में इस गाने के हाई उम्मीद है। इस

साथ मस्ती करते

गाने का हिंदी वर्जन नाचो नाचो है। एम.एम. कीरवानी ने संगीत तैयार किया है, और गाने के तेलुगु संस्करण को गायक राहल सिप्लीगंज और काला भैरव ने गाया है। गाने के बोल चंद्रबोस ने लिखे हैं।

तेलुगु स्टार रवि तेजा की खिलाड़ी अगले साल फरवरी में

तेलुगु अभिनेता रवि तेजा दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं, उनकी फिल्म खिलाड़ी 11 फरवरी, 2022 को सिनेमाघरों पर रिलीज होगी। इस बारे में आधिकारिक घोषणा करते हुए, फिल्म की टीम ने एक पोस्टर जारी किया जिसमें रवि तेजा एक सिगार पीते नजर आ रहे हैं। एक्शन एंटरटेनर मानी जाने वाली खिलाड़ी का निर्देशन रमेश वर्मा ने किया है। अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी और डिंपल हयाती इस आगामी फ्लिम में मुख्य अभिनेत्री के रूप में दिखाई देंगी। रवि तेजा खिलाडी में एक अलग भिमका निभा रहे हैं, जिसे बॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस पेन स्टूडियो ने ए स्टूडियो के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म के कुछ पोस्टर और एक गाना पहले रिलीज किया गया, जिसने खूब सुर्खियां बटोरी। तेलुगु के शीर्ष संगीत निर्देशक देवी श्री प्रसाद खिलाड़ी के संगीत के लिए बोर्ड पर हैं।

साथ ही, निर्माताओं द्वारा प्रचार शुरू करने से पहले, फ्लिम के पोस्ट-प्रोडक्शन कार्यों को जल्द ही पूरा किया जाना है। इस आगामी फिल्म में अर्जुन, उन्नी मुकंदन, अनसूया भारद्वाज, निकितिन धीर और ठाकुर अनूप सिंह जैसे अभिनेता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। सुजीत वासुदेव और जी.के. विष्णु ने खिलाड़ी के लिए कैमरामैन का काम किया है, जबकि पटकथा का समन्वय पत्रिकेय ने किया है। (एजेंसी)

कटरीना-विकी की शादी की अफवाहों पर एक्स-गर्लफेंड हरलीन सेठी ने दिया रिएक्शन बोर्ली- मुझे इन सबसे...

इन दिनों बॉलीवुड के दो सुपरस्टार्स विकी कौशल कर रही हैं। जब भी दोस्त विकी और कटरीना के तरह-तरह की चर्चाएं देखने को मिल रही हैं। वहीं, कई रिपोर्ट्स में इन दोनों की शादी को लेकर भी दावे किए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टस की माने तो विकी और कटरीना इसी साल शादी के बंधन में बंध सकते हैं। इन सबके बीच हाल ही में विकी कौशल की एक्स-गर्लफेंड हरलीन सेठी का इन खबरों पर रिएक्शन ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। हरलीन और विकी कौशल के रिलेशनशिप को लेकर काफी समय तक चर्चाएं रहीं लेकिन बाद में इस कपल का ब्रेकअप हो गया। वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक हरलीन का कहना है कि रिलेशनशिप के दौरान उनके बॉयफ्रेंड ने अचानक रंग बदल लिए, इसलिए उनका ब्रेकअप हुआ। ये सब शुरू हुआ संजू और उरी की सफलता के बाद। वहीं, इसी रिपोर्ट में

बताया गया है कि हरलीन के दोस्तों ने विकी-

कैटरीना की शादी पर एक्ट्रेस का रिएक्शन बताया

है। उनका कहना है कि वो वाकई मूव ऑन कर

चुकी हैं, वो अब सिर्फ अपने काम पर फोकस

और कटरीना कैफ के रिलेशनशिप को लेकर बारे में बात करते हैं तो हरलीन कहती हैं- मुझे अब इम सबसे दूर रखो। बता दें कि विकी हरलीन एक्स-कपल हैं। हालांकि, दोनों ने ही कभी खुलकर अपने रिलेशनशिप की बात को मीडिया



के सामने नहीं रखा था। लेकिन ब्रेकअप के बाद हरलीन का एक ऋिप्टिक पोस्ट खूब वायरल हुआ था। जिसे देखकर कयास लगाएँ जा रहे थे कि उन्होंने इस पोस्ट के जरिए एक्स-बॉयफ्रेंड विकी पर चीटिंग का आरोप लगाया है। इस पोस्ट में हरलीन ने लिखा था- अगर चीट करने का कोई चेहरा होता। (एजेंसी)

सरकारू वारी पाटा में वायलिन वादक

के रूप में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कीर्ति

सुरेश आगामी ड्रामा सरकारू वारी

पाटा में अपनी उपस्थिति से दर्शकों

को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार

हैं। कीर्ति सुरेश और तेलुगु सुपरस्टार

बॉक्स ऑफिस पर डटी है अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी, ६ दिनों में कर ली इतनी कमाई

रही है। आने वाले वीकेंड में

फिल्म के कलेक्शंस में एक

बार फिर उछाल आने की

सम्भावना है, क्योंकि कल

यानी 12 नवम्बर को सूर्यवंशी

का मुकाबला करने के लिए

कोई नई फिल्म सिनेमाघरों में

रिलीज नहीं हो रही है।

निर्माताओं की ओर से जारी

आंकड़ों के अनुसार, बुधवार

को फिल्म ने 9.55 करोड़ का

कलेक्शन किया, जिसके बाद

6 दिनों का नेट कलेक्शन

112.36 करोड़ हो गया है।

फिल्म ने रिलीज के दो दिनों में

50 करोड का पडाव पार कर

लिया था, वहीं 5 दिनों में

100 करोड़ का पड़ाव पीछे

सूर्यवंशी ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनायी - रिलीज हुई सूर्यवंशी ने 26.29 करोड़ की ओपनिंग - फिल्म नहीं हैं। ऐसे में फिल्म के 150 करोड़ तक हुई है। वर्किंग वीक में भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर ली थी। इसके बाद शनिवार को 23.85 करोड़, पहुंचने की सम्भावना है। अक्षय कुमार की यह

अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की फिल्म देश में लगभग 3500 स्क्रींस पर 5 नवम्बर को एंट्री ले थी। दूसरे वीकेंड में सूर्यवंशी के सामने कोई

14वीं फिल्म है, जो 100 करोड़ क्लब में पहुंची है। वहीं, निर्देशक रोहित शेट्टी की लगातार 9वीं फिल्म है, जिसने कम से कम 100 करोड का कलेक्शन किया है। ओवरसीज (अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके और, जीसीसी) मार्केट की बात करें तो फिल्म ने पांच दिनों में 31.39 करोड़ जमा कर लिये हैं। फिल्म ने पहले दिन 8.10 करोड़, दूसरे दिन 8.58 करोड, तीसरे दिन 7.90 करोड़, चौथे दिन 3.43 करोड़ और 3.38 करोड़ का कलेक्शन किया। सूर्यवंशी एक एक्शन कॉप ड्रामा है जिसमें अक्षय कुमार ने एंटी टेररिस्ट स्क्रॉड के मुखिया वीर रघुवंशी का

रोल निभायाँ है। रोहित और अक्षय

पर्दे पर नजर आने वाली है। सभी को इस फिल्म से बहुत अधिक उम्मीदें हैं। एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री होने के अलावा, कीर्ति सुरेश एक संगीतकार भी हैं। वे वायलिन बजाती हैं। कुछ मौके ऐसे भी आए जब अभिनेत्री ने वायलिन को खूबसूरती से बजाकर अपने

प्रशंसकों को आकर्षित किया। कीर्ति कथित तौर पर अपनी आने वाली फिल्म सरकारू वारी पाटा के लिए भी वायलिन बजा रही हैं। एसएस थमन के एक ट्विटर प्रशंसक ने कीर्ति सुरेश के फिल्म के लिए गाना गाए जाने के बारे में पूछा, तो थमन ने जबाव दिया कि वह गाना नहीं

गाएंगी, लेकिन निश्चित रूप से वायलिन बजाएगी। इस ट्वीट से कीर्ति सुरेश के फिल्म में वायलिन बजाने की उम्मीदें दोगुनी हो गई हैं। जैसा कि बताया गया है, थमन को कीर्ति सुरेश की संगीत प्रतिभा का



उपयोग किसी एक प्रचार गीत य संगीतमय बिट के लिए करना था. जो जल्द ही रिलीज किया जाएगा। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सरकारू वारी पाटा परशुराम पेटला द्वारा निर्देशित है और 1 अप्रैल को भव्य रिलीज के लिए तैयार है। (**एजेंसी**)

रविवार को 26.94 करोड़, सोमवार को 14.51 की यह पहली फिल्म है। फिल्म में अजय देवगन छोड दिया। कोरोना वायरस पैनडेमिक के बाद किसी फिल्म का यह सर्वश्रेष्ठ बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन है। करोड और मंगलवार को 11.22 करोड जमा कर अगर दिनवार सुर्यवंशी के कलेक्शंस पर गौर करें तो लिये, जिसके साथ फिल्म ने 100 करोड क्लब में

और रणवीर सिंह ने अपने सिंघम और सिम्बा वाले किरदारों के साथ स्पेशल एपीयरेंस दी है।

DHISHARCH

National English Daily

ISSUE: 233 NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 12, 2021 YEAR : 06

Pages- 8

RNI No. DELENG/2016/67075

Scarlett Johansson, Disney...P-8

www.opensearch.co.in

Kerala government suspends senior cop over links with alleged conman

News in Breif



Thiruvananthapuram, Agency. The crime branch report said Lakshman illegally interfered in an earlier probe against Mavunkal

and got an investigating officer transferred at the behest of Mavunkal. The Kerala government on Wednesday suspended Inspector-General of Police Gugulloth Lakshman over alleged involvement with antiques dealer Monson Mavunkal and interference in criminal cases to help the, according to the Chief Minister's Office. The decision to suspend the IG, who was in charge of traffic and road safety, was taken by Chief Minister Pinarayi Vijayan after a crime branch probe into Mavunkal's dealings allegedly exposed his links with the senior IPS officer, sources aware of the matter said. Mavunkal was arrested in September this year on charges of pocketing Rs 10 crore from a group of people since 2017 after promising them to make then partners in his antiques business. The crime branch report which was submitted on Monday said Lakshman illegally interfered in an earlier probe against Mavunkal and got an investigating officer transferred at the behest of Mavunkal. Besides, the senior police officer played the role of a middleman in Mavunkal's allegedly fraudulent antique dealings, it said.

Ashok Gehlot, Sachin Pilot meet top Congress leaders in Delhi



New Delhi, Agency. Sachin Pilot, sources said, met AICC general secretary in charge of organisation, K C Venugopal, in the morning and left for Rajasthan. Gehlot met Venugopal, Priyanka Gandhi Vadra and AICC in-charge of Rajasthan Ajay Maken later. The Congress high command on Wednesday is learnt to have nudged Rajasthan Chief Minister Ashok Gehlot to carry out a long pending expansion and reshuffle of his Cabinet and include some of Sachin Pilot's loyalists. Both Gehlot and Pilot met senior Congress leaders in Delhi. The issue of a Cabinet reshuffle, political appointments to various boards and corporations and restructuring of the state Congress unit have been hanging fire for long. The Pilot camp has alleged that Gehlot is delaying the Cabinet reshuffle, which, they believe, is the first step towards reconciliation. Pilot, sources said, met AICC general secretary in charge of organisation, K C Venugopal, in the morning and left for Rajasthan. Gehlot met Venugopal, AICC general secretary Privanka Gandhi Vadra and AICC in-charge of Rajasthan Ajay Maken later. Sources said the Congress leadership is keen that the Cabinet reshuffle takes place immediately and some of Pilot's supporters are accommodated. Pilot had met senior leader Rahul Gandhi last month and discussed the much-delayed expansion. While Maken has made multiple visits to Rajasthan in recent months, the reshuffle is yet to happen.

Delhi HC directs Centre to respond to plea seeking labelling of products as veg/non-veg



New Delhi, Agency. In its petition, Ram Gau Raksha Dal argued that it is the fundamental right of citizens to know whether the products they consume are manufactured using components derived from animals The Delhi High Court has directed the Centre to respond within three weeks to a petition seeking strict implementation of rules mandating manufacturers to label their products as vegetarian or non-vegetarian according to the ingredients used in it. "There can be no denying the fact that every person has the right to know, which springs from the Right to Freedom of Speech under Article 19(1)(a) of the Constitution. The issues raised herein have a bearing on Right to Life preserved under Article 21 in as much as a person is entitled to profess and follow his beliefs, which is also protected under Article 25 of the Constitution

Sarbat Khalsa-appointed Jathedar not satisfied with Capt's answers, asks him to appear in person



Amritsar, Agency.

However, Mand said he is not satisfied with the ex-CM's answers, adding that he has given the latter more time to provide an explanation. Capt Amarinder Singh has directly responded to the Sarbat Khalsa-appointed Akal Takht Jathedar Dhian Singh Mand for the first time regarding what he had done to take sacrilege and related police firing cases to their conclusive ends as Punjab chief minister. However, Mand said he is not satisfied with the ex-CM's answers, adding that he has given the latter more time to provide an explanation. "Captain Amarinder Singh has sent us information about some FIRs registered during his term as CM. But we already had that and there was nothing new in it," said Mand, adding that the deadline was extended to December 5 after Mand received a correspondent from the former CM. Amarinder has been asked to appear before Akal Takht with more information. Mand had decided to end the 193 days long 'Insaaf Morcha' at Bargari on December 10, 2018, on the request of the Amarinder government after negotiations through Congress Minister Tript Rajinder Singh Bajwa and two MLAs Harminder Singh Gill and Kulbir Zira. Mand said, "The Bargari Morcha was ended on the promise made by Captain Amarinder Singh that justice in sacrilege

cases would be delivered soon. But nothing happened in last three years, following which we had summoned Captain Amarinder Singh. Ministers Sukhjinder Singh Randhawa and Tripta Rajinder Singh Bajwa had appeared before the Akal TAkht in which they had shifted all the responsibility on Captain Amarinder Singh, who himself never appeared despite the summoning. We had summoned him on November 9. But he has sent a correspondent. We are not satisfied with his answer...He is asked to appear before Akal Takht on December 5." "He should explain to Panth if there was any kind of pressure on him or was there any kind of obstacle in serving justice in sacrilege cases. He is asked to appear in person," he added. Earlier this year, Mand had accused Congress leaders who had been part of negotiations in 2018 of not keeping the promises and asked them to appear before him, after which ministers and MLAs including Randhawa, Bajwa, Zira and Gill had written him a letter and shifted responsibility of sacrilege cases on Amarinder Singh. Bargari Morcha had created pressure on Punjab government to form SITs in the Bargari and police firing cases in 2018. Police action in these cases allegedly slowed down as soon as the morcha ended and inaction in these cases emerged as a big issue during elections.

'Need to be prepared to respond on short notice,' says Rajnath at IAF commanders' conference

New Delhi.Open Search

Addressing the opening day of the Air Force Commanders' Conference in Delhi, Rajnath said the IAF needs to harness capabilities offered by Artificial Intelligence (AI), big data and machine learning. Defence Minister Rajnath Singh on Wednesday exhorted the country's armed forces to be prepared to respond at short notice for "any contingency" and reiterated the importance of the Indian Air Force (IAF) in future conflicts. Addressing the opening day of the Air Force Commanders' Conference here, Rajnath said the IAF needs to harness capabilities offered by Artificial Intelligence (AI), big data and machine learning. The second leg of the biannual conference of IAF brass and is scheduled to conclude on November 12. Air Chief Marshal VR Chaudhari, Chief of Defence

Staff General Bipin Rawat and Defence Secretary Ajay Kumar were among the senior officers at the meet. According to an IAF statement, Singh appreciated the force for "maintaining a



high level of preparedness, ability to respond on a short notice and displaying high standards of professionalism in carrying out operational and peace time tasks." "He also mentioned that the efforts in the field of indigenization through 'Make in India' initiative of Govt of India is showing results and the orders of LCA Mk-1A and C-295 will open new opportunities in the indigenous aerospace sector," the statement added. Speaking on the issue of theatre commands, Singh said "enhancing jointness is essential and the structure should be evolved after closely examining various options, and inputs from all stakeholders would be taken into consideration". His comments come amid reservations of the Air Force in the current structures for the joint theatre commands that are being discussed. During his address, IAF chief Chaudhari emphasised on the need to develop a "multi-domain capability in order to give a swift and befitting response to any misadventures by our adversaries" and on the "need for joint training with the Indian Army and Indian Navy to enable synergised application of combat power in future conflicts". He also complimented the top commanders "for maintaining a high state of readiness despite challenges posed by the pandemic".

1992 MLA murder case : High Court acquits D P Yadav

Dehradun, Agency.

Yadav was sentenced to life imprisonment in the case by a CBI High Court on Wednesday acquitted former Uttar Pradesh minister D P Yadav in the 1992 murder of his mentor and legislator Mahendra Singh Bhati. Yadav was sentenced to life imprisonment in the case by a CBI court six years ago. Acquitting Yadav of all charges, a division bench of Chief Justice Raghvendra Singh Chauhan and Justice Alok Kumar Verma said the conviction was based only on surmises and conjectures. "It is devoid of foundational basis which can be established from cogent and convincing evidence. It is, indeed, trite to state that a conviction has to be based on cogent and convincing evidence. Otherwise, the conviction is not a legal one, but a moral one. The rule of law does not permit a moral conviction," read the judgment. Sandeep Tandon, who represented the Central Bureau of Investigation, said they will challenge the High Court decision in the Supreme



Court and get justice for Bhati's family. The judgment on the other accused in the case is pending with the High Court. On September 13, 1992, Bhati was on his way to village Bhangel when seven-eight unknown persons opened fire at his car, killing him and his friend on the spot. At the time of his murder, Bhati was the Janta Dal MLA from Dadri constituency in Ghaziabad. Yadav, a former associate, was an MLA from Bulandshahr who later joined the Samajwadi Party (SP) and reportedly spent some time in the BSP too before forming his own party, Rashtriya Parivartan Dal. The investigation was transferred from the local police to the Central Bureau of Investigation (CBI) in August1993 on a court's direction.

Kasganj custodial death: Akhilesh demands judicial probe, Rahul asks if human rights exist anymore in UP

New Delhi.Open Search

Congress leader Rahul Gandhi called human rights left in Uttar Pradesh?" The Opposition on Wednesday slammed the BJP government over the law and order situation in Uttar Pradesh after a youth died in police custody in Kasganj. Congress leader Rahul Gandhi tweeted: "Is there anything called human rights left in Uttar Pradesh?" Congress general secretary Priyanka Gandhi Vadra said: "It is clear from incidents like the death of Altaf in Kasganj, Arun Valmiki in Agra, Rajesh Kori in Sultanpur in police custody that the protectors have become devourers. UP tops the country in terms of police custodial death. The law and order situation is in complete disarray under the BJP rule. No one is safe here," she said. Samajwadi President Akhilesh Yadav demanded a judicial probe into the matter. "The death of the



police station is very suspicious. In the name of laxity, suspension of some policemen is a mere eyewash. In this case, a judicial probe should be held to generate confidence on police in the BJP rule," he said. The SP on Wednesday announced that a delegation led by former MLC Aseem Yadav will visit Kasganj and meet the family members of Altaf on Friday. "The six-member delegation will submit a report to the party state leadership," said an SP leader. Earlier, the SP took to Twitter to attack the Yogi Adityanath government, calling the incident another misdeed of UP's "thoko (trigger-happy) police". "In is a couple of feet from the ground.

UP, under the patronage of the chief minister, criminals and police are committing an encounter of law and order. The guilty policemen should face a murder case and must be punished," the Samajwadi Party said. A 22-year-old detained over a minor going missing in Kasganj district of Uttar Pradesh was found dead at a police station on Tuesday. Five officials of the Kotwali Police Station, including the SHO, were suspended over the incident, with police claiming that Altaf had hanged himself with a string from the hood of his jacket, using a water pipe in a toilet that

The Russian statement made no mention of collective cooperation on these issues

After Delhi Declaration, Russia issues own statement, with tweaks

New Delhi.Open Search

As Russia issued its own statement on the NSAs' meeting on Afghanistan, there were at least five differences from the Delhi Declaration a joint statement on the meeting signed by all eight participating countries that was issued hours earlier Wednesday. The meeting, chaired by NSA Ajit Doval, was attended by Russian NSA Nikolai Patrushev. The Indian Express takes a look at how the two statements differed.

*The Delhi Declaration condemned in the strongest terms all terrorist activities and reaffirmed their firm commitment to combat terrorism in all its forms and manifestations, including its financing, the dismantling of terrorist infrastructure and countering radicalisation, "to ensure that Afghanistan would never become a safe haven for global terrorism". The Russian statement said the sides reaffirmed their firm commitment to combating terrorism in all its forms but it did not mention "ensure that Afghanistan would never become a safe haven for global



*The Delhi Declaration emphasised the communities are not violated. The Russian importance of ensuring that the fundamental rights of women, children and minority

statement, while emphasising the importance of ensuring the rights of women, children and minorities, did not call them "fundamental" rights or that they are "not violated".

The Delhi Declaration called for a collective cooperation against the menace of radicalization, extremism, separatism and drug trafficking in the region. The Russian statement made no mention of collective

cooperation on these issues. The Delhi Declaration said that recalling the "relevant UN Resolutions on Afghanistan", the participants noted that the UN has a central role to play in Afghanistan and that its continued presence in the country must be "preserved". The Russian statement said they noted that the UN plays a central role in Afghanistan and the permanent UN presence in the country must be "maintained".

*While the Delhi Declaration said they will hold the next meeting in 2022, the Russian statement did not commit to a timeframe. It said participants agreed to continue interaction on the Afghan issues within this format. It is important to note that Russia is likely to attend the Troika plus meeting with Pakistan, China, US and the Taliban in Islamabad on Thursday a development watched closely by New Delhi.

STATE

Rains wreak havoc in Chennai, leave parts of city submerged



Chennai, Agency.

Chennai rains have wreaked havoc in the capital city, where localities are inundated, trees uprooted and roads caved in. Commuters have been facing a tough time reaching their destinations. Incessant rains in Tamil Nadu have wreaked havoc in the capital city, where localities are inundated, trees uprooted and roads caved in. Commuters have been facing a tough time reaching their destinations. The continuous downpour is due to a depression in the Bay of Bengal, which lies about 130 kilometres away from the city, is expected to cross the coast of north Tamil Nadu this evening. Chennai traffic police Thursday closed 11 subways, including Vvasarpadi, Ganeshapuram, Ajaxs, Gangu reddy, Madley, Duraiswamy, Palavanthangal, Aranganathan, Villivakkam, Kakhan Bridge. At least seven roads, including KK Nagar-Raja Mannar Salai, Mylapore-Sivaswamy Salai, EVR Salai-Gandhi Irwin to Nair Point, Sembeium-Jawahar Nagar, KS Peravallur-70 feet road, Pulianthope-Dr Ambedkar Road, Pulianthope High Road, Perambur Barracks Road, Tower clock and Vyasarpadi-Mullai Nagar Bridge, were cordoned off.

India to work towards zeroemission cars by 2040

New Delhi, Agency.

The declaration formed a sideshow at the UN climate conference (COP26) currently underway at Glasgow, and is one among the many voluntary initiatives that different sets of countries launch at these meetings. India has joined over 30 other countries in signing a declaration that promises to work towards ensuring that only zero-emission cars and vans are sold by the year 2040. However, this timeline is meant mainly for the developed country signatories, and is not a legally-binding commitment. Emerging markets like India have only promised to work "intensely towards accelerated proliferation and adoption of zero-emission vehicles". The declaration formed a sideshow at the UN climate conference (COP26) currently underway at Glasgow, and is one among the many voluntary initiatives that different sets of countries launch at these meetings. Road transport accounts for about 10 per cent of global greenhouse gas emissions, and significant reductions from this sector is considered essential to meeting



the goal of keeping global temperature rise within 2 degrees Celsius from preindustrial levels. At the initiative of the JK government, the COP26 host, India has also joined a Zero Emission Vehicle Transition Council that will discuss ways to accelerate the push towards early adoption of zero-emission vehicles. In the declaration, emerging economies like India called on developed countries "strengthen collaboration and international support offer to facilitate

a global, equitable and just transition" towards zero-emission vehicles. Some major automobile companies, including Ford, General Motors, Mercedes-Benz, Jaguar Land Rover and Volvo, have also signed the declaration, promising to work towards "100 per cent zero emission new car and van sales in leading markets by 2035, or earlier". However, three of the leading car markets United States, China and Japan are not a part of this initiative. A few years earlier, India had announced

that it planned a 100 per cent transition to electric vehicles by the year 2032. Considered an impossible task, the target has since been modified 30 per cent of all passenger cars and 70 per cent of commercial vehicles are now supposed to become electric by 2030. Introduction of electric two-wheeler and threewheelers is also being pushed in a big way. V Sumantran, a mobility expert and author of 'Faster, Smarter, Greener: The Future of the Car and Urban Mobility', said India's decision to sign the zeroemission vehicle declaration showed the right intent and was in line with other efforts being made to reduce emissions. 'This move is well intentioned. We need to earnestly move towards zero-emission vehicles. It is in our interest to do so. We are already moving in that direction. We have articulated a plan to transition 30 per cent of passenger cars and 70 per cent commercial vehicles to electric vehicles by 2030. The declaration at COP26 seems aligned with that. Anything that accelerates this push would be welcome," Sumantran said.

Eyeing Congress base, Pushkar Dhami seeks to seize ND Tiwari legacy



Lucknow, Agency.

Opposition Congress was in for a shock on Monday when, on the eve of Uttarakhand's foundation day, the BJP government of Pushkar Singh Dhami announced a list of five names shortlisted for 'Uttarakhand Gaurav Samman-2021'. Leading the list was the name of late Congress stalwart and former chief minister of the hill-state, N D Tiwari. The government announced the name of Tiwari, who was a prominent Brahmin leader and multiple-time chief minister of Uttar Pradesh and completed a full five-year tenure from 2002 as CM of Uttarakhand, carved out of UP only the year before, for the annual state award posthumously for his "social work and public service", and for this contribution in the state's development. On October 17, on the eve of Tiwari's birth and death anniversaries he had died in 2018 within hours of turning 93 Dhami had announced naming Pantnagar industrial estate in Udham Singh Nagar district after Tiwari. The move was seen as an attempt to appropriate the legacy of the late leader from the grand old party. The next day, Dhami had also offered tributes to Tiwari at the CM's residence. While Uttarakhand Congress general secretary (organisation) Mathura Dutt Joshi countered and asked why the government did not honour Tiwari in the last four years, a senior BJP leader said, "This move will create a perception that the Dhami government functions with a positive mindset and regards senior leaders across party lines for their contribution in development of Uttarakhand. Tiwari-ji was a prominent Brahmin face from Kumain, a region where BJP has been traditionally weak." Sources in BJP said that by honouring Tiwari, the party has tried to set three equations in its favour. First, at a time opposition parties in UP are trying to woo Brahmins and accusing the Yogi Adityanath government of "targeting" the community, BJP expects to reap the benefits in the Thakurs versus Brahmins and Kumaon versus Garhwal electoral divisions in Uttarakhand, Second, Pantnagar

is in Kumaon, and Tiwari came from the same region, and BJP wants to shore up its support there. Kumaon has 29 Assembly constituencies and Garhwal, spread over a larger geographical area, sends 41 MLAs to the Assembly. Out of 57 seats it won in 2017, BJP got 34 seats in Garhwal and 23 in Kumaon. The Congress won six seats in Garhwal and five in Kumaon. Third, most people in the state are aware that Harish Rawat, Congress's senior-most leader in the state, was never comfortable with Tiwari as senior leader in the state and had staged protests on issues of "public interests" when the veteran was CM. During 2017 state elections, Hwari had met then BJP president Amit Shah and announced support to the saffron party, apparently to secure a poll ticket for son Rohit Shekhar, who eventually was not nominated by the party. "But even after his announcing support, Tiwari and his son never met BIP workers. So he was largely known as a Congress leader until his death," a BJP leader in Uttarakhand said. Congress's Mathura Dutt Joshi said, "Tiwari-ji was a pride of Uttarakhand...but the BJP has announced honour for him only when Assembly polls are at the doorstep. This move is politically motivated." Asked how the Congress honoured Tiwari, Joshi said, "Congress made him CM several times in UP, and once in Uttarakhand, and later made him Governor (of Andhra Pradesh). On his birth and death anniversary last month, the party took out a smriti yatra in Haldwani. Programmes were organised across the state." BJP state vice-president Devendra Bhasin said, "The decision to honour Tiwari-ji is not for any political gain. It is a recognition of his contribution in the development of Uttarakhand. After forming a separate state, when then PM Atal Bihari Vajpayee visited Uttarakhand, Tiwari was the CM, and on his (Tiwari's) request, a special industrial package was announced for the new state. Special status was also given to Uttarakhand." Besides Tiwari, others conferred the state award are author Ruskin Bond, environmentalist Anil Joshi, folk singer Narendra Singh Negi, and mountaineer Bachendri Pal

Pre and post 2019 polls: Facebook memos flag anti-minority post surge

New Delhi, Agency.

A July 2020 report specifically noted there was a marked rise in such posts in the preceding 18 months, and that the sentiment was "likely to feature" in the coming Assembly elections, including West Bengal. MULTIPLE INTERNAL Facebook reports over the last two years red-flagged an increase in "antiminority" and "anti-Muslim" rhetoric as "a substantial component" of the 2019 Lok Sabha election campaign. A July 2020 report specifically noted there was a marked rise in such posts in the preceding 18 months, and that the sentiment was "likely to feature" in the coming Assembly elections, including West Bengal. The increase in hate speech and inflammatory content was mostly centred around "themes" of threats of violence, Covidrelated misinformation involving minority groups, and "false" reports of Muslims engaging in communal violence. These reports are part of documents disclosed to the United States Securities and Exchange Commission (SEC) and provided to the US Congress in redacted form by the legal counsel of ex-Facebook employee and whistleblower Frances Haugen. The redacted versions received by the US Congress have been reviewed by a consortium of global news organisations including. Chief Minister, was flagged in as being party to trafficking inflammatory rumours about "Muslims pursuing biological attacks against Assamese people by using chemical fertilizers to produce liver, kidney and heart disease in Assamese." When asked by The Indian Express about this and whether he knew of his "fans and supporters" indulging in hate-speech, Sarma said he was "not aware of that development". Asked if he was contacted by Facebook flagging the content posted on his page, Sarma said: "I had not received any communication." Another internal Facebook report, titled "Communal Conflict in India", notes that inflammatory content in English, Bengali, and Hindi spiked numerous times and especially in December 2019 and March 2020, coinciding with the protests against the Citizenship Amendment Act and start of lockdowns enforced to prevent the spread of Covid-19. Despite presence of such content on the platform, the documents reveal,



content on the newsfeed. To tackle such problematic content, an internal staff group had, in the July 2020 report, suggested various measures such as developing "inflammatory classifiers" to detect and enforce such content in India, improving the platform's image text modelling tools so that such content could be identified more effectively, and building "country specific banks for inflammatory content and harmful misinformation relevant to At Risk Countries (ARCs)". Nearly all these reports place India in countries. According to another 2021 Facebook internal report, titled "India Harmful Networks", groups claiming to be affiliated with the Trinamool Congress engaged in coordinated posting of instructions via large messenger groups and then posted messages across multiple similar groups in an attempt to boost the audience for content which was "often inflammatory," but "usually non-violating". The posts from RSS and BJP affiliated groups, on the other hand, carried a high volume of "love jihad" content with hashtags "linked to publicly-visible Islamophobic content", the internal report noted. Queries sent to the BJP, RSS, and TMC went unanswered. Despite all these red flags, another group of staffers at the social media firm suggested only a "stronger time-bound demotion" of such content. Asked if the social media platform took any measures to implement these recommendations, a spokesperson for Meta Platforms Inc Facebook was rebranded as Meta on October 28 told:

many possible risks associated with the elections in Assam this year, and we proactively put in place a number of emergency measures to reduce the virality of inflammatory comments, particularly videos. Videos featuring inflammatory content were identified as high risk during the election, and we implemented a measure to help prevent these videos from automatically playing in someone's video feed". "On top of our standard practice of removing accounts that repeatedly violate our Community Standards, we also temporarily reduced the distribution of content from accounts that had repeatedly violated our policies," the spokesperson In one internal report in 2021 before the Assembly elections in Assam, Himanta Biswa Sarma, now Assam posts is more compared to other said. On rising hate content, the Meta spokesperson said hate speech against marginalised groups, including Muslims, was on the rise globally. "We have invested significantly in technology to find hate speech in various languages, including Hindi and Bengali. As a result, we have reduced the amount of hate speech that people see by half this year. Today, it's down to 0.03 per cent," the spokesperson added. Not only was Facebook made aware about the nature of content being posted on its platform, but it also discovered, through another study, the impact of posts shared by politicians. In one internal document titled "Effects of Politician Shared Misinformation", examples from India figured as "high-risk misinformation" shared by politicians which led to a "societal impact" of "out-of-context video stirring up anti-Pakistan and anti-Muslim sentiment". The study pointed out that users thought it was "Facebook's responsibility to inform them when their leaders share false information". There was also debate within the company, according to the documents, on what should be done when politicians shared previously debunked content.

Cabinet decisions: MPLADS restored, Rs 2 crore this fiscal Delhi Police arrest 3 associates of local gangster Rajesh Bawania New Delhi, Agency. 5 crore in two instalments a year,

Restoration and continuation of MPLADS up to 2025-26 will cost the government Rs 17,417 crore, the Centre said. After suspending the MP Local Area Development Scheme (MPLADS) to use the funds in the fight against Coivid-19 last year a move criticised by the Opposition the Cabinet Wednesday decided to restore it. However, of the Rs 5 crore that each MP gets under the scheme, only Rs 2 crore will be disbursed in the current financial year. They will get the entire funds from the next financial year. "I am glad to share with you that in view of the improvement in economic scenario, the way economic recovery has taken place and we have seen growth in various sectors as well, a decision has been taken to restore MPLAD Scheme for the remainder period of the fiscal 2021-22," I&B Minister Anurag Thakur said at a Cabinet briefing. The decision comes weeks ahead of the Winter Session of the Parliament. Restoration and continuation of



MPLADS up to 2025-26 will cost the Centre said. Under the scheme, the government Rs 17,417 crore, funded by the Centre, MPs get Rs

which can be used for development work such as creation of community assets in the areas of drinking water, primary education, public health, sanitation and roads, in their respective constituencies. Suspension of the scheme last year had evoked sharp reactions from the Opposition. While the Congress said the decision would undermine the role of an MP, the TMC termed the step "whimsical" and "undemocratic" Central govt okays Rs 17,400 cr to CCI for cotton procurement. The government Wednesday approved 'committed price support' of Rs 17,408.85 crore for Cotton Corporation of India, the agency responsible for procuring cotton from farmers if prices fall below the MSP, for seven cotton seasons from 2014-15. It also made it mandatory for 100 per cent of foodgrains and 20 per cent of sugar to be packed in jute bags. The decisions were taken at the Cabinet Committee on Economic Affairs meet headed by PM Narendra Modi

New Delhi, Agency.

The Delhi Police have arrested three associates of local gangster Rajesh Bawania after a brief exchange of fire in Outer Delhi. The accused were on a bike when the cops spotted them. However, they tried to escape and one of them even shot at the cops. Police said they had received information, late on Wednesday, that members of Bawnia's gang will be going to the Bawana area. They're involved in several cases of murder, robbery, extortion and theft among other crimes. Two teams from the Outernorth



district were sent to arrest them. Brijendra Yadav, DCP (Outernorth), said, "We found them on a bike and tried to stop them. However, they tried to flee from the spot and even shot at us. In retaliation, we fired at them and one of them was injured." The accused have been identified as Manbir (24), Naresh (42) and Madan (26). Rajesh Bawania was arrested in 2014 by the Special Cell of Delhi Police. "He used to call his targets and tell them his full name and give out other details. He would do this on every call so that victims would remember him. He worked with other gangsters like Gogi and extorted money from businessmen in Delhi," an officer said.

3

No Chhath politics, says Kejriwal, as BJP MPs defy Yamuna order



New Delhi, Agency.

The BJP leadership, including MPs Manoj Tiwari and Parvesh Verma, meanwhile flouted the DDMA order that na hanks Tiwari along with

prohibited Chhath on Yamuna banks. Tiwari along with the party's Delhi unit head Adesh Gupta held a puja on the banks of the river in Sonia Vihar. Chief Minister Arvind Kejriwal Wednesday participated in Chhath Puja at East Kidwai Nagar, where he appealed to the opposition not to do politics over the festival, even as several BJP leaders defied an order not to celebrate on the banks of the Yamuna. The order had been imposed by the Delhi Disaster Management Authority (DDMA), which has L-G Anil Baijal as the chairperson. "It is not the time for politics; no party should do politics regarding Chhath and everyone should celebrate Chhath Mahaparv with happiness," said Kejriwal. "We have managed to get a grip over the spread of Covid with great difficulty and penance. It is the worst possible thing that could happen to someone, so it is an earnest request to everyone from my side not to take the situation lightly. Please continue to wear your masks and follow Covid-appropriate behaviour." "This is not the time for politics and tu-tu, main-main. I wish everyone happiness. I wish happiness to my opponents too. There should be positivity in everyone. There should be no politics of any kind," he said. "This time, due to corona, there were many obstacles in the preparations for the Chhath festival. But we tackled all the obstacles with the blessings of Chhathi Maiyya. I am very happy that today all of us are celebrating Chhath with great enthusiasm." The BJP leadership, including MPs Manoj Tiwari and Parvesh Verma, meanwhile flouted the DDMA order that prohibited Chhath on Yamuna banks

Padyatras, small meetings, stops in villages, towns : Cong announces 15-day campaign on price rise

New Delhi.Open Search

www.opensearch.co.in

Instead of holding dharnas or rallies, the new mode of campaign will see Congress workers and leaders taking out prabhat pheris Admitting that its agitations against the government have drawn inadequate public participation, the Congress Wednesday announced padyatras across the country to take its message to the people as part of a 15-day campaign against price rise that begins on November 14. As part of the 'Jan Jagran Abhiyan' (awareness campaign), the party said its leaders and workers will take out week-long marches with night halts in the villages, towns and cities. "Instead of public meetings, small group meetings will be held to communicate nuances of inflation and its adverse effects on everyday lives of the common people," Congress general secretary K C Venugopal said. Senior Congress leader Digvijaya Singh, who heads the party's committee to plan, organise and coordinate sustained mass agitations, said there is a realisation that the agitations undertaken by the party have not drawn enough public participation.



"The Congress party has felt that the agitations that we undertake... our Congress workers participate in it... but the way the people should be involved in these agitations... that has not happened," Singh said. Instead of holding dharnas or rallies, the new mode of campaign

will see Congress workers and leaders taking out prabhat pheris (morning processions) from at 6am followed by a cleanliness drive, preferably in weaker section neighbourhoods. "Each padyatri will wear a Gandhi cap for the purpose of identification," Venugopal said. The

party is also organising a training camp for leaders across the country in Sevagram, Maharashtra in the run-up to the campaign to educate them about the issues to be raised. The idea is to train 10 delegates each from every Assembly and Parliamentary constituency on the messages the party wants to convey. At the CWC meeting last month, Congress chief Sonia Gandhi said the statements issued by the AICC on issues facing the nation do not percolate to the party's cadre at the block and district level, and that there is a lack of clarity and cohesion even among the party's state-level leaders on policy issues. "The BJP government is carrying on its public harassment campaign. Now the Congress will run its Jan Jagaran Abhiyan. We will seek answers to this injustice," tweeted senior Congress leader Rahul Gandhi. Addressing a press conference, Venugopal, Singh and Congress communication department head Randeep Surjewala said price rise was destroying livelihoods and adding to people's woes. The Modi government had proved to be the country's most "expensive regime", Surjewala said:

'If tomorrow some life is lost in fire, who will be responsible', Delhi HC pulls up SDMC on illegal street vending



New Delhi.Open Search

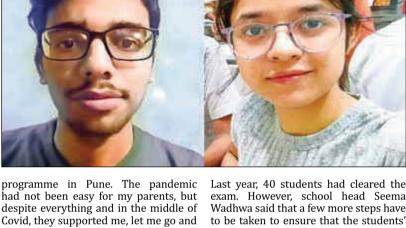
The high court said that SDMC was not following up on its own statement on moving the Supreme Court about the 95 street vendors who have interim orders in their favour for hawking at the Nehru Place. The court also warned SDMC against using court orders to increase the license fee. Observing that commercial places like Nehru Place have become slums now, Delhi High Court on Wednesday said that the officers of South Delhi Municipal Corporation (SDMC) are not even bothered to read the court orders and that police officials, despite being deployed to act against unauthorised vendors, are not being guided by the corporation. "There is something more than what meets the eye and that is what the policeman is also saying 'what do I do? I have deployed the force and I don't know what is to be done' because SDMC is not playing the role of the leaders," said the division bench of Justice Manmohan and Justice Navin Chawla. Pulling up SDMC for not following up on its own statement on moving the Supreme Court about the 95 street vendors who have interim orders in their favour for hawking at the Nehru Place, the court said that the officers have done nothing for the last four weeks. It also noted that vendors have to follow the tehbazari conditions in the meantime. "How far is the Supreme Court from here? How long do you take to move an application? Your officers have to realise the urgency of the situation. If tomorrow in the fire some life is lost, who will be responsible? Just because your officer could not send one letter from one table to the other, some life will be lost," said the court. The high court initiated a suo motu case on August 13 after a fire incident took place in a building at Nehru Place. On October 7, the bench directed the authorities to earmark a lane for emergency services so that the fire brigade and ambulance can reach Nehru Place at the earliest without any hindrance, and ensure that no illegal vendors hawk in and around it. On Wednesday, the court warned SDMC against using court orders to increase the license fee. "Don't use our court ■ The court also warned SDMC against using court orders to increase the license fee. Observing that commercial places like Nehru Place have become slums now, Delhi High Court on Wednesday said that the officers of South Delhi Municipal Corporation (SDMC) are not even bothered to read the court orders and that police officials, despite being deployed to act against unauthorised vendors, are not being guided by the corporation.

orders to increase some rates. Don't use us. We will come down on you with a ton of bricks. Don't spoil our good name. Don't say we are being strict and tough, therefore the rates need to go higher, that should not happen. Some officer will lose his job," it added. The court also questioned SDMC for not disclosing that vendors were keeping their goods at Nehru place even after working hours. "Was this not your job to disclose? I don't know why they pay these officers. If we have to do their duties, then we will do it....then don't pay them. Our October 7 order has not been implemented at all," it said further. Meanwhile, the division bench of Justice Vipin Sanghi and Justice Jasmeet Singh, in a separate matter related to Chandni Chowk, said that there was no "political will" to act against illegal hawkers and directed North Delhi Municipal Corporation (NDMC) to immediately start the process for preparing a plan under the Street Vendors Act in consultation with experts. "Why are we wasting our time and trying to set it in order when everybody is out to scuttle the efforts," observed the bench, adding that the vending needs to be properly regulated so that the vendors can earn their living and at the same time it is convenient for the people to buy goods and services.

NEET toppers from Delhi govt schools : Girl with no doctors in family, boy whose parents didn't attend college

New Delhi.Open Search

The NEET results had been declared by the National Testing Agency (NTA) on November 1. According to an official from the Education Department, 496 students from across these schools have cleared the exam this year. More than 490 Delhi government school children have cleared NEET this year, with Kushal Garg from RPVV Kishan Ganj and Isha Jain from RPVV Surajmal Vihar scoring 700 out of 720. The NEET results had been declared by the National Testing Agency (NTA) on November 1. According to an official from the Education Department, 496 students from across these schools have cleared the exam this year. Of them, the highest scores have been achieved by Kushal and Isha. Kushal has secured an all-India rank of 168 and a rank of 9 in the EWS category. With AIIMS Delhi having offered 11 EWS seats last year, he finds himself standing a chance of being admitted into an institute that he thought was impossible. Neither of Kushal's parents had been to college, though his mother completed schooling till class XII and his father had completed class X. His father works as a carpenter in Delhi. He said that he was unsure about preparing for NEET until late in his final year at school. "I was not very sure about whether I should focus on JEE and NEET, I knew that both were very difficult. In January 2020, I began following some family and I wanted. There are no doctors YouTube channels. Then I got selected for the free coaching programme with the Dakshana Foundation and started coaching online with them from July. I sat for NEET that year and got a score of 531. Then in December 2020, they called me for the offline coaching



journey to medical college is completed. helped me buy some clothes to go there," he said. "My aim had been to cross the We will call these 51 students to school score of 650, I never thought that getting and throw a party for them, and the next this rank would be possible," he said. batch of aspirants will interact with Isha has an all-India rank of 153. "To be them. They will create a WhatsApp group honest, with my score, I thought I would be in the top 100," she said. She had also and help them through every step of the way. We have been creating this kind of support system every year for about the attended coaching classes for a year after she completed school in 2020. Despite last five years. Our Biology teacher also having cleared the scholarship entrance takes great interest in them... However, test for coaching at Aakash Institute, her our students come from underprivileged family had to put together Rs 85,000 for backgrounds and many of them have got just qualifying marks, not very high ranks. This means that they will be in my family and my mother had wanted eligible for private institutes which they me to be one," she said. Some individual can't afford. Just clearing NEET is not enough, we have to make sure that they government schools have a large number get into good institutes. I have appealed of students who have cleared the exam. This is highest at the Sarvodaya Kanya to the government that perhaps some Vidyalaya, Block C, No. 1, Yamuna Vihar, kind of financial assistance can be where 51 students cleared the exam. provided to help them," she said.

Boats and barricades in desperate bid to combat Yamuna foam

New Delhi, Agency.

Attempts were made to raise a temporary barricade-like structure near Kalindi Kunj to prevent the foam from floating further downstream. The Delhi government sprayed water, used boats and tried to erect a makeshift barricade on the Yamuna river Wednesday to "scatter" the foam that had developed over the water. Visuals of water being sprinkled using a hose in the Yamuna river did the rounds Wednesday. Delhi government sources said that the Delhi Pollution Control Committee (DPCC), in collaboration with the Irrigation and



Flood Control Department and the Revenue Department, deployed boats in the river to get rid of the foam. A total of 15 boats were deployed, to "beat the foam with sticks" and disperse it, said a government official. Boats were also deployed in the river on Tuesday, a senior Delhi Jal Board (DJB) official said, and this had helped to "break up" the foam particles, allowing them to dissolve into water. A total of 30 to 40 people were deployed with the boats on Wednesday, sources at the DJB said. "We're aware that long term measures need to be implemented. But the optics associated with Chhath puja and the river meant that we had to resort to such things," the government official said. Chhath devotees have been seen taking a dip in the foaming water in the river near Kalindi Kunj.

Smog cover over Delhi-NCR; air quality severe CBSE to use data analytics to amid unhelpful meteorological conditions detect unfair means usage

New Delhi, Agency.

Green think tank Centre for Science and Environment (CSE) said the ongoing smog episode is a public health emergency. A layer of smog shrouded Delhi-NCR on Thursday and partially blotted out the sun on Chhath Puja as the air quality slipped back into the severe zone with unfavourable meteorological conditions aiding accumulation of pollutants, authorities said. Green think tank Centre for Science and Environment (CSE) said the ongoing smog episode is a public health emergency. "This requires urgent emergency action on key combustion sources (vehicles, industry, waste burning) and dust sources (construction and roads) to prevent further trapping of pollution when there is no wind to blow this away," said Anumita Roychowdhury, executive director, research and advocacy, CSE. At 10 am, Delhi recorded an Air Quality Index (AQI) of 407. Thirtythree of the 39 air quality monitoring stations in the national capital recorded air pollution levels in the severe category. The 24-hour average AQI was 372 on Wednesday. Ghaziabad (454), Greater Noida (404) and Noida (426) also recorded severe air quality at 10 am. An AQI between zero and 50



is considered "good", 51 and 100 "satisfactory", 101 and 200 "moderate", 201 and 300 "poor", 301 and 400 "very poor", and 401 and 500 "severe". An official from the India Meteorological Department (IMD) said shallow fog and low temperatures in the morning Delhi recorded the season's lowest temperature of 12.6 degrees Celsius on Thursday trapped pollutants close to the ground and calm winds led to stagnant conditions. Visibility levels at the Indira Gandhi International Airport and the Safdarjung Airport dropped to 600-800 metres, he added. The CSE said the current severe smog episode in Delhi-NCR is expected to last for two more days. It also said the average daily

contribution of smoke from farm fires from the middle of October to November 8 was the lowest in four years. "Compared to the first smog episode of the previous four years, the current smog has matched the duration of the first smog of 2018 and 2020 season both lasted six days. If conditions do not improve, it might overtake the 2019 smog that lasted eight days," the CSE said. The longer duration of this year's smog despite relatively windier local conditions might be due to a lack of pollution control measures in the city, the green think tank said. On an average, the contribution of smoke to Delhi's daily PM2.5 from the middle of October to November 8 was the lowest in the last four years. "So far, it has recorded an average of 12 per cent (farm fire share) per day in contrast to 17 per cent per day in 2020, 14 per cent per day in 2019 and 16 per cent per day in 2018 (as reported by SAFAR)," the CSE said. The share of farm fires in Delhi's pollution rose to 48 per cent on Sunday, the highest since November 5, 2018, when it was recorded at 58 per cent. Last year, the share of stubble burning in Delhi's pollution had peaked at 42 per cent on November 5. In 2019, crop residue burning accounted for 44 per cent of Delhi's PM2.5 pollution on November 1.

New Delhi, Agency.

On the basis of such analysis, aims to examination centres where the data indicates the existence of malpractices during the conduct of examinations. The Central Board of Secondary Education (CBSE) will now be using "advanced data analytics" during its examinations to detect cases and centres with a high probability of unfair means. "CBSE will use advanced data analytics to detect, respond and therefore, in the long run, prevent any irregularities in



academic testing across all major CBSE administered exams in the country. On the basis of such analysis, CBSE aims to identify examination centres where the data indicates the existence of malpractices during the conduct of examinations. Post this, appropriate measures can be taken by CBSE to strengthen the reliability of the examinations and to deter any such malpractices in the future," read a statement. According to the board, it carried out a pilot analysis during the January 2021 CTET exam in collaboration with Central Square Foundation and Playpower Labs. This system will be used for the National Achievement Survey, CTET and board examinations.

OPINION

Open Search EDITORIAL

Looking for Ambedkar in 'Jai Bhim'

Movies based on the real-life struggles of marginalised groups are rare in mainstream Indian cinema. T J Gnanavel's Jai Bhim is amongst the few that engages with issues of identity and institutionalised discrimination with some sincerity. It is based on the true story of the struggle of Parvathi (Sengani in the movie), an Irula woman, to find and secure justice for her husband, who is arrested and tortured in police custody in a false case of theft, only to disappear from custody later. Jai Bhim has a powerful cast with Suriya playing the protagonist, based on the communist lawyer-turned-judge, K Chandru, Lijomol Jose as Sengani and Manikandan as her husband, Rajakannu. The movie is a portrayal of the life, occupation and culture of the Irula tribe, their aspiration for a better life and education, and the daily exclusions, along with torture and mass incarceration, that they face all nested in the deeply hierarchical and illiberal democratic structure of Tamil Nadu. Set in the early 1990s, the movie shows Rajakannu working as a snake catcher in the homes and farms of the very upper-caste landlords who snub and shun him. Yet, the homeless, landless citizenship of the Irulas is not void of hope and draws meaning from their proximity to nature and the protections enshrined in the Constitution. Justice Chandru makes no bones about his communist leanings in real life and this is shown well in the movie by Gnanavel. The symbolism of the red flag with the hammer and sickle, banners and posters, along with images and statues of Karl Marx are found in the background of various scenes. Justice Chandru hunts down evidence for the custodial murder of Rajakannu and his wrongful arrest for theft, while arguing a habeas corpus petition filed by Sengani in the high court. The depiction of the violence and cruelty faced by the incarcerated Rajakannu and his close relatives is gutwrenching and the pregnant Sengani's quest for justice, despite the trauma, is inspiring. The story unfolds as advocate Chandru argues the case and takes on the mighty apparatus of the state as a good cop (played by Prakash Raj) joins the battle for conscience.

Why India's green façade is cracking

Christophe Jaffrelot , Hemal Thakker
Last week at the COP 26 in Glasgow, Prime Minister

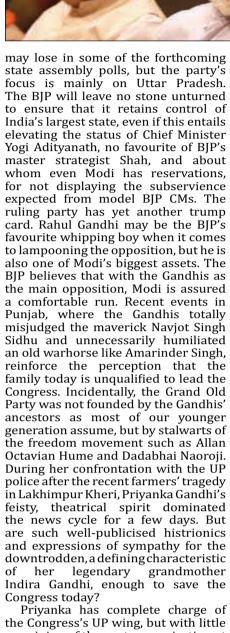
Narendra Modi announced that India has set a target of net-zero carbon emissions by 2070. India also updated its Intended Nationally Determined Contributions (INDCs) that have to be met by 2030. Its new pledge includes increasing the country's installed renewable capacity to 500 GW, meeting 50 per cent of its energy requirements from nonfossil fuel sources, reducing carbon emissions by 1 billion tonnes and bringing down the carbon emissions intensity of the economy by 45 per cent from 2005 levels. At the COP 21 in Paris, India, the third-largest emitter of carbon dioxide behind China and the US, made similar ambitious announcements and aimed to reduce the economy-wide emissions intensity by 33-35 per cent from 2005 levels by 2030. It also set a target of 40 per cent installed capacity from renewable energy resources and committed to creating a carbon sink of 2.5-3 billion tonnes of carbon dioxide equivalent, through additional forest and tree cover. Since then, India has made a name for itself globally because of its massive investments in solar energy. In August, the Ministry of New and Renewable Energy announced that the country has installed 100 GW of renewable energy capacity. The majority of this 100 GW, about 78 per cent, is due to large-scale wind and solar power projects. While this is a milestone, India is on track to accomplishing only about two-thirds of its planned renewable target of 175 GW installation by 2022. To achieve its new goals, India will need to do more in different directions. For instance, it has a target of achieving 40 GW of green energy from the rooftop solar sector by 2022, but it has not been able to achieve even 20 per cent of that so far. In the transport sector, India has targeted a 30 per cent share of electric vehicles (EV) in new sales for 2030. However, according to the Climate Action Tracker, to be compatible with the Paris Agreement, the share of EV sales needs to be between 80-95 per cent by 2030, and 100 per cent by 2040. India also needs to cut down subsidies to the fossil fuel industry drastically not the case currently. While in the past seven years, the country has invested Rs 5.2 trillion in renewable energy, the investment in fossil fuel industry, though down by (only) 4 per cent from 2015-19, was Rs 245 trillion. Worse, coal production is estimated to increase to one billion tonnes by 2024 from 716 million tonnes in 2020-21. India is already home to the second-largest coal-fired power plant pipeline in the world. According to the Central Electricity Authority, coal capacity is projected to increase from 202GW in 2021 to 266GW by 2029-30. The Government of India is not actively discouraging such investments. On the contrary, coal subsidies are still 35 per cent higher than the subsidies for renewables and coal-fired power generation receives indirect financial support from the government through income tax exemptions and land acquisition at a preferential rate. In June 2020, the government carried out an auction of 41 coal mining blocks in which private players were allowed to bid for the first time. India's reliance on coal is the main reason for the country not embarking on a serious decarbonisation trajectory. The Climate Action Tracker, an independent scientific analysis that tracks government climate action against the Paris Agreement targets, deems India's performance as "highly insufficient" simply because coal represents about 70 per cent of the country's energy supply. According to a British Petroleum study, in 2040, coal will represent 48 per cent of the primary energy consumption of commercial fuels in India while renewable energy will contribute only 16 per cent. This means if the growth rate of the economy remains the same, the country's carbon dioxide emissions will double to 5 Gt by 2040. India's share of global emissions will increase from 7 per cent today to 14 per cent by 2040. At the 2009 Copenhagen summit, India was part of a coalition of countries including the other emerging economies and the US which was not as interested as Europe (and a few others) in global warming mitigation. In 2015, however, India played a very constructive role, along with Europeans and others, during the COP 21 in Paris. Prime Minister Modi and then French President Francois Hollande initiated a Solar Alliance that was intended to help poor countries to invest in this renewable energy. Since then. New Delhi has acquired a green image, and Western, as well as Indian observers, have talked about PM Modi as a potential global climate leader, capable of setting the agenda on climate-related issues, while also reminding the developed countries that treating nature well comes naturally to Indians. India's green façade now seems to be cracking. Even though New Delhi has invested in renewable energy and announced a net-zero target, there is a gap between the announcements and the ground reality, as is evident from the promotion of coal. Indian officials argue that Western countries are historically responsible for climate change, India's per capita emissions remain very low, growth is the country's priority, and that the rich countries are not spending the \$100 billion they committed at COP 21 to helping the decarbonisation strategies of poor countries (last year only \$ 80 billion were spent). All this is indeed true, and the rich countries need to financially

support the global south.

Why BJP might remain in commanding position for next many decades

Coomi Kapoor

Judging by its huge defeat in West Bengal and its 50 per cent strike rate in the recent national by-elections, the BJP's prospects for next year's assembly elections in Uttar Pradesh, Punjab, Uttarakhand, Goa and Manipur appear a little shaky. But at the BJP's recent national executive, Prime Minister Narendra Modi exuded confidence that the party will continue to be in a commanding position. He pointed out that the BJP has an army of committed cadres, while other parties revolve around just one family. (It is another matter that today, the BJP and the government revolve entirely around Modi.) More than Modi's speech, it was the unguarded remark of Prashant Kishor, Mamata Banerjee's campaign handler, which provided the reality check to those who assume that Narendra Modi's days are numbered because of bad governance, ugly efforts at communal polarisation, a disturbing disregard for democratic norms and blatant manipulation of constitutional bodies and investigative agencies to settle scores with opponents. Kishor's assessment that the BJP will remain at the centre of Indian politics and will not go anywhere for the next many decades was a candid analysis by a seasoned and successful pollster who is now in the rival camp. His comments were made in the context of Rahul Gandhi's blithe assumption that it is just a matter of time before the voters throw out Modi. In the past, swings for and against a political party were a recurring phenomenon in bi-polar contests, since anti-incumbency was a major factor in voter trends. Kishor comprehends what Rahul still fails to grasp. Modi, ably assisted by Amit Shah, has radically altered the rules of the game in India's politics. The laidback gentlemanly Westminster style of government, the model at the time of Independence, has virtually withered away. The BJP is not a party that springs to life only during the poll season. It is a ruthless, full-time election machine, crushing those who stand in its way and uprooting all dissent, even within its own ranks. Political considerations contribute to most important government decisions. And if the government has messed up in demonetisation or managing the coronavirus pandemic, it has compensated by delivering on a number of schemes of individual benefit to the average Indian voter, whether building millions of toilets or providing running water. True, the BJP



Priyanka has complete charge of the Congress's UP wing, but with little remaining of the party organisation at the grassroots, it makes better sense to join forces with other opposition parties, most notably the Samajwadi Party, rather than sniping at them. Far from responding to the growing rumbles in the party led by the G-23 letter writers at the CWC meet last month, the Gandhis assumed they could cock a snook at the legitimate

demand for a full-time president. Rahul Gandhi made clear that he would formally take over the reins of the party only at a time of his choosing. Meanwhile, the drift in the party continues. His mother Sonia Gandhi remains notional interim president though her health does not permit her to play an active role. Rahul may wax eloquent on the Modi government flouting the Constitution and democratic norms, but he has been equally cavalier in respecting his own party's constitution. Internal party elections have not been held since 1998. Unlike Sonia, Rahul does not bother to consult experienced party elders. Driven by whimsical likes and dislikes, he is cocooned from getting genuine feedback. For instance, unilaterally inducting leftist radicals like Kanhaiya Kumar and Jignesh Mevani did not go down well with the party old-timers who feel overlooked for political lightweights and are uncomfortable with a centrist ideology's lurch towards the radical left. The rapid attrition in the Congress illustrates the level of disillusionment. It is not just genuine Congresspersons who are getting restless, even the Opposition appears frustrated. They do not see Rahul as a credible alternative to a campaign-savvy Modi in the 2024 general elections. Banerjee has already started extending the TMC's geographical boundaries by successfully wooing discontented Congresspersons in Goa, Tripura and Meghalaya. Sharad Pawar's NCP is similarly on an expansion drive at the expense of the Congress. And the AAP keeps nibbling at the Congress's vote share. A split in the Congress in some form is inevitable in the near future, with the Gandhis' refusal to relinquish their position as the chief challenger to the Modi behemoth. Rahul does not seem to comprehend that by refusing to step aside and renounce the claim to the post of PM-in-waiting, he may be doing a grave disservice to the cause. The Gandhis could be the roadblock to the emergence of a viable alternative to the ruling party.



Virat Kohli and Temba Bavuma have stood up for what counts

Sandeep Dwivedi

he laidback

gentlemanly

Westminster

style of

government,

the model at

the time of

Independence,

has virtually

withered away.

The BJP is not

a party that

springs to life

only during the

poll season.

Their teams didn't finish anywhere near the top, nor did they stand out as batsmen. But two captains India's Virat Kohli and South Africa's Temba Bavuma grew in stature at this T20 World Cup. Without bulking up their run tally, they added heft to their character and weight to their voice. In years to come, whenever they walk into the sunset, cricket chroniclers are sure to dedicate mentions to the statesman-like articulations by Kohli and Bavuma this past fortnight. They broke away from cricket's age-old "boys played well" refrains and showed that there were at least a couple of sporting icons aware of real issues outside mammoth stadiums. The two men in their early 30s went beyond the narrow dressing-room definition of camaraderie: Going hoarse while singing the team song or putting arms around the next guy in a huddle. When the mob came banging on the door, shouting their mates' names, both Kohli and Bavuma were brave enough to step out. One confronted them, the other played peacenik. It wasn't easy. Past greats from their countries have remained spectacularly silent, failing to truly represent their respective rainbow nations. In India and South Africa, the politics of polarisation, and sport aren't just married, they are soulmates since birth. If "race" is a hot button no one dares to press in South Africa, for India it is religion. Both Kohli and Bavuma knew what they were getting into when they sat at the press conference. Still, they spoke. Kohli is a diehard fan of 145-plus quicks who can get India rare and precious away wins. Mohammad Shami has a heavy ball, a devilish bouncer, a scissoring incutter that can snap the stumps or cut the batsman in half. He also has the captain's love. Kohli's nickname for Shami on the field is "Lala". A couple of years back at a Cape Town Test, his voice from the slips held a childlike glee when Shami's ball would take off from the lively turf and

would echo around the Table Mountain. Shami would smile, turn back, eager to impress his captain again this time with a wicket. So, when Lala was targeted for his faith in online posts after India's loss to Pakistan, Kohli couldn't look the other way. Not heeding the media manager's intervention, the Indian captain took on the trolls the same way his new-ball bowler would charge at the opposition openers. "Attacking someone over their religion is the most pathetic thing that a human being can do." It was a key to the lock in a long, heartfelt discourse. For the first time ever, someone flagged that age-old obnoxious behaviour pattern of fans. And when Kohli said, "We stand by him fully ... Our brotherhood... nothing can be shaken", you believed. It wasn't some lame cliche. India didn't seem ready for this. Those on both sides of the ideological divide seemed confused. Kohli, by breaking the mould, didn't fit into any stereotype, so the anger bubbled. The woke crowd says it was too little, too late and others hinted that defending Shami wasn't smart. In an article, 'Dear Virat Kohli, Stick To Cricket Only, Please', Swarajya magazine wrote: "The problem with Kohli is he lends himself for all the politically charged narratives without being smart enough to understand them. It makes him come out as a hypocrite.

His teammates Ravindra Jadeja and

Suresh Raina have been attacked for

their caste by the same trolls who now

shed crocodile tears for Shami. But he

didn't even voice a single word in their support... Maybe, Kohli wouldn't have been panned so badly on Shami if his team hadn't bent the knee for Black Lives Matter before the game." Will Kohli continue to speak out or will his baiters come around? Rarely has a cricketing superstar given a nation such a dilemma. The tournament also saw Bavuma face reporters with not much cricket on their minds. Quinton de Kock, a white cricketer from a nation with a history of institutional racial segregation, had refused to take a knee, the BLM-inspired posture of protest. Bavuma, a rare batting prodigy to emerge from a township outside Cape Town, the country's firstever full-time black captain, was under the spotlight. You felt for the 5'3" overly polite man, who sounds like a shy child being forced to recite nursery rhymes in front of guests. Bavuma needed no booming voice, his words had substance. He could have taken the easy path, but he opted for the correct one. Expected to do for cricket what Siya Kolisi, the firstever black to lead the Springboks, did for rugby in the townships, he passed the test. Avoiding the question would have added intrigue, amplified black-white mistrust. He stood by his close friend, opting to be colour blind. When de Kock's stand seemed incorrigibly insensitive, Bavuma spoke of calm and conversations. He didn't rush to pass judgement. A South African journalist with apparent disbelief in his tone, asked: "How does it feel when someone can't do something as simple

and as basic as taking the knee?" Bavuma then spoke lines that would have made the founding fathers of post-apartheid South Africa proud. He offered a dignified objection. "I don't think it is that simple as just taking a knee." That was the prelude. 'We have to appreciate that we live in a country like South Africa that has its own past, that is diverse in its views... decisions that we take, things that we support, are based on our own convictions. As much as we are a team... outside of that we still live our own lives and those lives are different by the very nature that we live in South Africa. My beliefs, the way that I see things, is shaped by my own experience and background, and so is the other person's. If there is a disagreement in terms of beliefs, in terms of views, that's why we have those hard conversations. Through those conversations, we will be able to get the comfort to accept the other person's decision. I can't force anyone to see things the way I do, neither can they force me to.' It's reassuring to hear of reconciliation and harmony from men who come from areas that aren't exactly race/religionneutral. Kohli grew up in West Delhi, a part of the capital that hosted victims of a country's brutal religion-based division. Post Partition, the place has witnessed gruesome religious riots. Meanwhile, Bavuma's hometown has seen the worst of the apartheid era. At the end of the Cape Town Test where Kohli kept asking Lala to let it rip, I spent a day at Langa, the black township where Bavuma enjoys cult status. Centuries of discrimination by a white minority loom large in this poor neighbourhood with the old pigeonhole slums a reminder of the apartheid era. Not far from Bavuma's home in Langa is the Sharpeville massacre memorial. In 1960, 69 black anti-apartheid protestors were killed by police bullets here. Kohli and Bavuma didn't allow the surroundings to harness biases in them. And for them, watching a teammate's back was a far bigger responsibility than refusing a single early in the over during a hostile spell.



ENGLISH DAILY | NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 12, 2021

COP26 draft gareement calls on developed world to double its contribution

Glasgow, Agency.

The first draft of the expected agreement from Glasgow, released on Wednesday morning, asks developed countries to double their financial contribution for adaptation efforts in the developing world, and, for the first time, includes a call for eliminating coal and subsidies for fossil fuels. The draft "notes with regret" the failure of developed countries to deliver on their promise to mobilise \$100 billion in climate finance per year from 2020, and "acknowledges the growing need" of developing countries due to a rising



frequency in climate change impacts as well their "increased indebtedness" due to the pandemic. It therefore calls for greater support through grants or other forms of finance" to

be made available but does not mention any minimum amount that should be raised. Some developing countries and the Africa group had, a day earlier, asked the developed countries to increase the scale of international climate finance to at least \$1.3 trillion by 2030 from the current target of \$100 billion. On Wednesday, the BASIC countries (Brazil, South Africa, India and China) once again called for an urgent delivery of \$100 billion and begin discussions on deciding the new enhanced target for climate finance in the post-2025 period. "...(BASIC) Ministers are concerned that climate finance provided by developed countries has fallen short of the \$100 billion per year commitment by 2020 and that finance tends to be provided with unilateral condionality and eligibility criteria, as well as in the form of loans, rather than grants, which aggravates the debt crisis," BASIC ministers said in a joint statement.

UN slaps sanctions on three leading Houthi rebels in Yemen

www.opensearch.co.in

According to the UN listing, Al-Ghamari "plays the leading role in orchestrating the Houthis' military efforts that are directly threatening the peace, security and stability of Yemen, including in Marib. The UN Security Council has slapped sanctions on three Houthi rebels linked to cross-border attacks from Yemen into Saudi Arabia and to fighting in the government's last stronghold in the country's north. The United Kingdom said Wednesday it proposed the sanctions because the attacks into Saudi Arabia have killed and wounded civilians and because the Houthi offense in the central desert city of Marib has sought to cut off access to humanitarian aid and includes the use of child soldiers. The three rebels added to the UN sanctions blacklist are Houthi chief of general staff Muhammad Abd Al-Karim Al-Ghamari, assistant defense minister Saleh Mesfer Saleh Al Shaer and Yusuf Al-Madani, a prominent leader

According to the UN listing, Al-Ghamari "plays the leading role in orchestrating the Houthis' military efforts that are directly threatening the peace, security and stability of Yemen, including in Marib, as well as cross-border attacks against Saudi Arabia." Al Shaer, who is in charge of logistics, "assisted the Houthis in acquiring



smuggled arms and weapons," and as "Judicial Custodian" he was "directly involved in the widespread and unlawful appropriation of assets and entities owned by private individuals under arrest by the Houthis or forced to take refuge outside of Yemen," the UN said. It said AlMahwit, and Raymah" engaged in activities threatening the peace, security and stability of Yemen. The UN sanctions order all countries to immediately freeze the assets of the three Houthis and impose a travel ban on them. Their addition brings the number of Yemenis under UN sanctions to nine, including Abdel-Malek al-Houthi, leader of the Houthi movement, and Yemen's former president, Ali Abdullah Saleh, who reportedly died in December 2017. Yemen has been convulsed by civil war since 2014, when Iran-backed Houthi rebels took control of the capital of Sanaa and much of the northern part of the country, forcing the internationally recognized government to flee to the south, then to Saudi Arabia. A Saudi-led coalition entered the war in March 2015, backed by the United States, to try restore President Abed Rabbo Mansour Hadi to power. Despite a relentless air campaign and ground fighting, the war has deteriorated largely into a stalemate and spawned the world's worst humanitarian crisis. The U.S. has since suspended its direct involvement in the conflict. In early 2020, the Houthis launched an offensive in the mostly government-held Marib province that has cost the lives of thousands of young people and left thousands of displaced civilians living in constant fear of violence and having to move again.

Bangladeshi film 'No Ground Beneath the Feet' selected for the international competition section of IFFI, Goa

Dhaka,Agency

Bangladeshi film 'Paayer Tolay Mati Nai' (No Ground Beneath the Feet) directed Mohammad Rabby Mridha has been included in the international competition section of the 52nd International Film Festival of India (IFFI) to be held at between 20-28

Mohammad

51st International Film Festival of India, Goa

stars Mostafa Monwar, Priyam Archi and Dipanita

The film narrates the story of Saiful who is an He experiences death on a selected for the 26th Busan daily basis but poverty is his biggest challenge as his family faces shrinking resources with river erosion destroying their land in the village. His second wife working abroad blames him for not buying her a return ticket. The film depicts the struggle of a person driven to the brink due to the stress caused by poverty further aggravated by natural disasters caused by cli-

Earlier, this film was

mate change.

International Film Festival (BIFF) held at Haeundae, Busan in South Korea from 6-15 October. It was included in the section named 'A Window on Asian Cinema' of the festival. Best of the feature

length films from all over the world are selected to compete in the international competition section of IFFI. It is one of the most important sections of festival that feature some of the best films of the year, said

an official press release of IFFI.

'Paaver Tolav Mati Nai' will compete with 14 other films for the Golden Peacock and other awards like Best Director, Best Actor (male), Best Actor (female) and Special Jury Award of the festival.

The best film in the category selected for the Golden Peacock award carries a cash prize of Rs. 40 lakhs to be shared equally between the Director and Producer.

Pak Opposition slams Imran Khan for not informing parliament on giving air corridor to US

Islamabad, Agency

The Opposition in Pakistan Senate has slammed Prime Minister Imran Khan-led government for not keeping the parliament in loop on the decision of giving air corridor to the US and instead the information was given by the US Congress that Islamabad was in talks

with the US on the matter. According to a report by Dawn, Former Senate chairman and PPP leader Mian Raza Rabbani Wednesday said the parliament was not taken into confidence on a decision on giving air corridor to the United States and the information came from the US Congress that Pakistan was

in talks with the US on giving air corridor, whereas a resolution was adopted at a joint sitting in 2012 on the terms of engagements that Pakistan would not give air corridor to the US. He also lashed out at the PM for holding negotiations with Tehreek-i-Taliban Pakistan (TTP) without the authorisation by the parliament.

ILD

INDIA LEASE DEVELOPMENT LIMITED

CIN: L74899DL1984PLC019218 GSTIN: 07AAACI0149R1ZB

REGD. OFFICE: MGF House, 4/17-B, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

PH.: 41519433, 41520070 FAX: 41503479

EXTRACT OF STANDALONE UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE CT OF STANDALONE UNAUDITED THRONGINE REPORT OF STANDALONE UNAUDITED THRONGINE REPORT OF STANDALONE UNAUDITED THRONGINE REPORT OF STANDALONE REPORT OF STANDA

S No.	Particulars	For the quarter ended	Corresponding 3 months ended in the previous year	Six mont	x months ended Year to figure the fin year e	
		30.09.2021	30.09.2020	30.09.2021	30.09.2020	31.03.2021
		(Unaudited)	(Unaudited)	, ,	(Unaudited)	(Audited)
1	Total Income from Operations (Net)	46.85	16.36	72.05	32.79	70.23
2	Net Profit/(Loss) for the period (before Exceptional items and tax)	1.05	2.35	8.79	3.86	(2.13)
3	Net Profit/(Loss) for the period (after exceptional items and before tax)	1.05	2.35	8.79	3.86	(2.13)
4	Net profit / loss for the period after tax	1.05	2.35	8.79	3.86	(2.13)
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	1.45	2.80	9.60	4.67	130.07
6	Paid-up Equity Share Capital	1470.02	1470.02	1470.02	1470.02	1470.02
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous financial year	-	-	-	-	(412.42)
8	Earning per Share (of Rs. 10/- each) (not annualised)					
	Basic	0.01	0.02	0.06	0.03	(0.01)
	Diluted	0.01	0.02	0.06	0.03	(0.01)

By order of the Board of Directors

For India Lease Development Limited

The above is an extract of the detailed format of Unaudited Standalone Quarterly/Half Yearly Financial Results filed with Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the standalone unaudited quarterly and half yearly financial results are available on the Stock Exchange website www.bseindia.com and also at the

Place: New Delhi Date: November 11, 2021

Rajiv Gupta DIN:00022964

November. 'Paayer Tolay Mati Nai' Bangladeshi director Rabby ambulance driver in Dhaka. Mridha's feature debut. It

Pashupatinath-Kashi

Vishvanath Motorcycle



Kathmandu, Agency

The Pashunatinath-Kashi Vishvanath Mahotsav Motorcycle Rally was flagged off on Thursday jointly by Nepalese Minister for Culture, Tourism and Civil Aviation Prem Bahadur Ale and Indian Ambassador Vinay Mohan from Kwatra Pashupatinath Temple.

The rally was flagged off in the august presence of the Venerable Chief Priest Mool Bhatta of the Temple, who blessed the participants before they set out on the journey. Nearly 50 Indian and Nepali motorbike enthusiasts are participating in the rally.

The rally is aimed at showcasing the profound and timeless people-to-people connect between India and Nepal and further strengthen mutual cultural relations, an Embassy of India press release said. The rally is also intended to increase awareness among youth about the precious shared religious and cultural heritage of our two great countries. In his remarks Minister Ale spoke about the age-old cultural heritage and civilizational links between India and Nepal and wished the participants of the rally success in their journey. Ambassador Kwatra in his remarks spoke about the special between its people. association

Kathmandu and Kashi and the role played by the two ancient temples Pashupatinath and Kashi Vishwanath - in bringing people of the two countries together.

Ambassador Kwatra also urged the vouth of India and Nepal to cherish and preserve this shared cultural wealth. The participants of the rally would visit Kashi Vishwanath Temple in Varanasi on November 13 and perform puja and offer 'Swachchata Shramdan'

Dashashvamedha ghat to spread the message of cleanliness. During the journey, the rally would also cross several historically important places: Motihari - where Mahatma Gandhi launched

'Champaran Satyagraha' during India's freedom struggle, Sarnath - the city where Mahatma Buddha delivered his first sermon, and Gorakhnath Math - a temple highly revered and visited by people from both India and Nepal.

The rally is organized by Embassy of India, Kathmandu in collaboration Royal with Enfield Kathmandu as part of 'Azadi ka Amrit Mahotsav', an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of independent India and the history of remarkable progress of

SHRI NIWAS LEASING AND FINANCE LIMITED CIN: L65993DL1984PLC019141

Regd. Off: 47/18, RAJENDRA PLACE METRO STATION NEW DELHI-110060

Email Id: shriniwas.limited@gmail.com, Website: www.shriniwasleasingfinance.com Ph: 9891709895,

	Unaudited Financial Results for the Quarter & Half Year Ended 30.09.2021					
	(₹ IN LACS except EP					
		For the Current year Quarter Ended	For the Half Year Ended	For the Corresponding Previous year Quarter Ended	For the Previous year Ended	
s.no.	Particulars	01.07.2021 to 30.09.2021 (`)	01.04.2021 to 30.09.2021 (`)	01.07.2020 to 30.09.2020 (`)	01.04.2020 to 31.03.2021 (`)	
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	
1	Total Income from operation	7.23	14.47	7.73	28.71	
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exceptional items	5.63	7.28	6.20	16.20	
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional items)	(5.73)	(4.09)	6.20	5.03	
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exceptional itmes)	(5.73)	(4.09)	6.20	0.81	
5	Total [Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	(5.73)	(4.09)	6.20	0.81	
6	Paid up equity share capital	399.70	399.70	399.70	399.70	
7	Earning per share (of Rs. 10/- each) after exceptional item Basic & Diluted	(0.01)	(0.01)	0.02	0.00	

The above unaudited standalone financial results for the quarter and Half Year ended sep tember 30, 2021 were reviewed by the Audit Committee at their meeting and approved by the Board of Directors at their meeting held on November 11, 2021.

The above is an extract of Unaudited Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Unaudited Financial Results are available in the Company's website (www.shriniwasleasingfinance.com).

For and on behalf of board of directors of SHRI NIWAS LEASING AND FINANCE LTD.

Date: 11-11-2021

Place: New Delhi

RAJNI TANWAR (MANAGING DIRECTOR) DIN: 08201251

SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED

CIN: L65910HR1983PLC050169 Regd. Off: Office No. 322, 3rd Floor, SS Plaza, Commercial Complex, Mayfield Garden, Sector-47, Gurugram-122001

Corp Off: 16/121-122, Jain Bhawan, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi-110005 Email Id: sitalleasing83@gmail.com, Website: www.sitalleasingfinance.com Ph: 9891709895

> Consolidated Unaudited Financial Result for the Quarter and Half Year Ended 30.09.2021 (IN LACS EXCEPT EPS)

S.NO.	Particulars	Quarter ended 30th September,2021	Half year ended 30th September,2021	Corresponding Quarter ended 30th September,2020	Previous year ended 31st March, 2021
		01.07.2021	01.04.2021	01.07.2020	01.04.2020
		to	to	to	to
1		30.09.2021	30.09.2021	30.09.2020	31.03.2021
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audted
1	Total Income from operation	48.97	97.40	38.33	166.77
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exception items	44.79	87.86	34.29	110.27
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exception itmes)	44.79	87.86	34.29	112.02
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exception itmes)	45.26	88.33	36.16	81.13
5	Total [Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	45.26	88.33	36.16	81.13
6	Paid up equity share capital	6,125.74	6,125.74	6,125.74	6,125.74
7	Earning per share (of Rs. 1/- each) after exception item Basic & Diluted	0.01	0.01	0.01	0.01

1. The above Unaudited Standalone Financial Results for the Quarter and Half year ended September 30 2021 were reviewed by the Audit Committee at the meeting held on November 11, 2021 and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on November 11, 2021

2. The above is an extract of Unaudited Standalone Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations. 2015. The full format of the Unaudited Standalone Financial Results are available in the Company's website (www.sitaleasingfinance.com) and also available on the website of MSEI limited at www.msei.in

For and on behalf of board of directors of SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED Date: 11-11-2021 Place: New Delhi

SURENDRA KUMAR JAIN (MANAGING DIRECTOR) DIN: 00530035

SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED

CIN: L65910HR1983PLC050169

Regd. Off: Office No. 322, 3rd Floor, SS Plaza, Commercial Complex, Mayfield Garden, Sector-47, Gurugram-122001

Corp Off: 16/121-122, Jain Bhawan, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi-110005 Email Id: sitalleasing83@gmail.com, Website: www.sitalleasingfinance.com Ph: 9891709895

Standalone Unaudited Financial Result for the Quarter and Half YearEnded 30.09	2021
	(IN LAC

S.NO.	Particulars	Quarter ended 30th September,2021	Half year ended 30th September, 2021 01.04.2021 to 30.09.2021 (1) Unaudited 97.40	Corresponding Quarter ended 30th September,2020	Previous year ended 31st March, 2021
		01.07.2021 to 30.09.2021	to 30.09.2021	01.07.2020 to 30.09.2020	01.04.2020 to 31.03.2021
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audted
1	Total Income from operation	48.97	97.40	38.33	166.77
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exception items	44.79	87.86	34.29	110.27
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exception itmes)	44.79	87.86	34.29	112.02
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exception itmes)	44.79	87.86	36.16	81.13
5	Total [Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	44.79	87.86	36.16	81.13
6	Paid up equity share capital	6,125.74	6,125.74	6,125.74	6,125.74
7	Earning per share (of Rs. 1/- each) after exception item Basic & Diluted	0.01	0.01	0.01	0.01

1. The above Unaudited Consolidated Financial Results for the Quarter and Half year ended September 30, 2021 were reviewed by the Audit Committee at the meeting held on November 11, 2021 and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on November 11, 2021

2. The above is an extract of Unaudited Consolidated Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Unaudited Consolidated Financial Results are available in the Company's website (www.sitalleasingfinance.com) and and also available on the website of MSEI limited at www.msei.in

For and on behalf of board of directors of SITAL LEASING AND FINANCE LIMITED Date: 11-11-2021 Place: New Delhi

SURENDRA KUMAR JAIN (MANAGING DIRECTOR) DIN: 00530035

SPORTS

Bairstow finds himself in boundary drama: Kane Williamson marshalls his troops to reach first World T20 Final

New Delhi, Agency.

New Zealand win thrilling semifinal by 5 wickets, guided by Neesham, Mitchell heroics. A wicket-keeper since his junior days, Johnny Bairstow has spent many hours diving around on the field. But here he was playing probably the most important T20 game of his life and England's fortunes depended on his diving catch. But this was cricket. Pardon the pun, there was a catch. And he was on the boundary ropes. Had Jimmy Neesham



hit the ball a bit harder, Bairstow would have merely watched the ball sail over the fence. If the shot was slightly less powerful, he wouldn't have to dive. This was a cruel

skier, it lingered over the rope for a while and the stadium watched Bairstow with open mouth. Will it drop in or out? Will Bairstow catch it or not? He dived, he got the ball in his hands but his knee touched the boundary rope. This was a game of small margins. New Zealand had won by a few millimeters. There were two things Daryl Mitchell did for which he needs appreciation beyond the big hits. He could have stolen a run, and most batsman would have done, with the team still needing 34 off 18. But from the non-striker's end he turned down Jimmy Neesham's call because he felt he had got in the way of Adil Rashid, the bowler. A lovely moment in the white heat of a high pressure game. Once he found his timing and his bat started booming towards the business end of the innings, Mitchell was all grace when he hit the winning runs. He had got the full toss from Chris Woakes to the backward square-leg boundary to finish the game. And then all the pent up adrenalin came rushing out. Being the son of a Haka-dancing All Black John, a victory scream was par for the course.

Wrestler, brother shot in Sonepat, mother injured; accused coach on the run

The mother, Dhanpati, alleged that the coach Pawan, who is also the owner of the academy, had opened fire at them after her daughter accused him of harassing her. A 20-yearold wrestler and her 18-year-old brother were shot dead Wednesday afternoon at a wrestling academy in Halalpur village of Haryana's Sonepat, allegedly by her coach and his accomplices, police said. The mother of the victims, Nisha Dahiya and Suraj Dahiya, was also shot at and is undergoing treatment at PGIMS in Rohtak, police said. The victims' father, who is an Inspector in the CRPF and posted in Srinagar, has been informed about the incident that occurred at around 2 pm. In a statement to police, the mother, Dhanpati, alleged that the coach, Pawan, who is also the owner of the academy, had opened fire at them after her daughter accused him of harassing her. Mayank Gupta, Assistant Superintendent of Police (Kharkhoda). said: "Prima facie, the main suspect is Pawan, who is the coach, and some of his aides. The accused are absconding and we are making efforts to trace them. The academy's name is Sushil Kumar Academy, but we have found no links with the Olympics wrestler. After the incident, a group of irate villagers set fire to the academy." Pawan hails from Baland in Rohtak, police said. "The coach Pawan was allegedly harassing the girl and she called her brother and mother to the spot. Pawan was accompanied by his wife and 2-3 relatives, who fled after shooting the three. The girl had been training at the academy for the



last three years," said Inspector Karamjeet Singh, SHO, Kharkhoda. Meanwhile, with initial reports mistakenly identifying the victim as the World U-23 bronze medallist wrestler Nisha Dahiya, the junior international issued a statement saying that she is "okay" and at UP's Gonda for the senior national championship. In her statement, the victims' mother Dhanpati stated that her daughter had informed her earlier that Pawan often misbehaved with her. "Despite discussing the issue with him several times, he did not mend his ways. This morning, as per her routine, my daughter had gone to the academy for training and later returned home. At 1 pm, she went to the academy again. Then, we got a call from Pawan saying Nisha was not feeling well, and he asked us to take her home," she said in the statement. The mother said that

she and her son rushed to the academy on a motorcycle and "saw Pawan, his wife and at least two of their aides rush towards Nisha near the main gate". "Nisha told me that Pawan had harassed her and threatened to kill her and her family if she told anyone. Suddenly, Pawan pulled out a gun and fired multiple bullets at my daughter. She collapsed after sustaining gunshot wounds near the gate. My son and I ran in different directions. The accused got hold of me...and shot me. They chased my son, who was running towards the village. I saw them firing several bullets, which hit him and he died on the spot," Dhanpati said in her statement. "Pawan and his aides removed the CCTV camera at the academy and near the village road before absconding," said Deepak, Nisha's cousin. Police, however, said the motive behind the killings is yet to be established and that four teams from the Crime Branch were searching for the accused. Relatives of Nisha said she had started wrestling while at school and had won a silver medal in the All India University Inter-Wrestling Tournament in 2018. According to local residents and coaches at wrestling academies nearby, Pawan had opened the academy in the village about five years ago and was training about 30 trainees. While the academy has been named after two-time Olympics medallist wrestler Sushil Kumar, Kumar's father-in-law and 1982 Asian Games champion wrestler Satpal Singh told that it is "not being run by Kumar or any of his family members"

Growing up on rugby circuit, how Daryl Mitchell became a world class cricketer

New Delhi, Agency.

Mitchell, on Wednesday, made his cricketing journey more rewarding by guiding New Zealand to the World T20 final. His 47 ball 72 and his late six hitting steak gave him the Man of the Match award. Daryl Mitchell's first cricketing memory is of the Lord's. The Mitchell household was then shuttling between London and Manchester, where his father, John, was coaching English rugby sides, Sales and Wasps. And they would often drive around the stadium, and his father would tell him that it's the most historic cricket ground in the world. Nothing specifically registered in his mind, except his father's words and the architectural grandeur. It's later, when he blossomed into a fine cricketer, that he realised the glow of his first cricketing memory. Twenty five years later, it turned out to be his temporary home when Middlesex acquired his services. "I felt emotional, and I still remember we used to drive past [Lord's] and all of that as a little kid. I think I was about five years old, so it was pretty cool," he told stuff.co.nz. Mitchell, on Wednesday, made his cricketing journey more rewarding by guiding New Zealand to the World T20 final. His 47 ball 72 and his late six hitting steak gave him the Man of the Match award in the tense semi final against England. Mitchell has had homes around the world. It was another coaching stint of his father that shaped his cricketing career. When he was about 16, his father shifted to Perth to coach Western Force. While his father was busy resurrecting the club and making it a powerhouse—the side beat all Australian Super 14 rivals in 2009, and beating every province in his fouryear-stay, he was busy honing his batting skills under an Australian legend, Justin Langer at the Scarborough Cricket Club in the outskirts of Perth. By then Langer had retired and embarked into coaching duties. But intermittently, he would drop by and play premiership games. "In my first year playing alongside Justin we won a premiership. That was pretty special, just being able to share a dressing room with him. He's been a lot of help to me. He used to share a lot of experience about his playing days, used to tell me that batting is a lot about mental strength and really made us more ambitious," he said in that interview. It was from Langer that he perhaps learned to pace his innings. The Australian would begin warily, ducking and weaving from punches, before he would unleash a flurry of counterpunches at his opponent. Mitchell, against England, began cautiously, before accelerating in scintillating fashion. Three years later, his father joined a club in Johannesburg, but he didn't tag along with him, but went back home to chart his career for the country. By that time, his new-balls skills too had improved. "I bowl medium-pacers, with a bit of out-swing, nothing too flash." Of late, he has looked to crank up pace, and believes he has succeeded. "I think I'm quick but no-one else does," he said in a press conference. Some of the Indian batsmen who toured New Zealand in 2020 would remember the venom of his out-swing during a warm-up game in Hamilton. In the second innings, he devoured Prithvi Shaw, Shubman Gill and Rishabh Pant. Fortunately, his father was not fussy about him picking cricket over rugby. Rather, he only encouraged him and used to play driveway cricket with him. "He's useless at cricket. I remember playing him when I was about 10-years-old in the backyard and

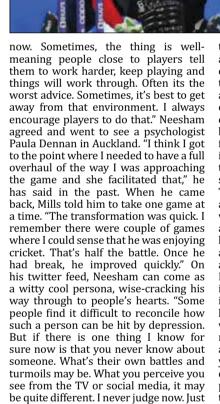


I had him covered even then. He loves his cricket and he's a massive supporter to me and my sister, but at the same time he's just a normal dad. He gives you a bit of stick and it's good fun," he recollected in a conversation with Waikato Radio. He, though, keeps his dad's All Blacks jumper next to his first Black Caps' one. "Both are special to me," he said. But he is such a fan of his father that he supported England in the Rugby World Cup semifinals. "It's a strange watch, to be fair. Your whole life you grow up supporting the All Blacks, but at the same time you want your old man to do well. At the end of the day, I wanted the old man to do well. To get a chance to win a World Cup final is pretty cool. The whole family is supporting him," he said in a press conference. There was another England connection too in 2016, to enlarge the canvas of his sporting journey, he turned up for Blackpool in the Northern Premier League, struck 762 runs at 44.82 and taking 37 wickets at 15.40 to help them to second place. But his ascent to the national team was a sweaty trek, built on patience and consistency. But when he finally got a break, at the not-so-young age of 29, he made it count, first with a Test hundred against Pakistan, coming in at No 7, before the most defining hour of his career yet, the unbeaten 72 not out in the World Cup semifinal. There is also that unflinching belief in his skills. "I will do anything to win games for my team," he once said. Like opening in a T20 game for his country in a World Cup. Only during the warm-up games did they decide on trying him as an opener. And he responded positively. "I pride myself on having the ability to adapt to whatever position I've got to do. After the initial conversation, I was just really excited to get the opportunity to play for New Zealand at a World Cup," he said in a press conference. Coach Gary Stead was bowled over by his competitiveness. "He's got a lot of really strong attributes that we like. We love his competitiveness and the way he takes on teams as well. I think sometimes you do have to be brave, and you run with what feels right at the time, and it felt right, and we've given Daryl that opportunity, and he's repaid us in spades." He said this before the semifinal, bur every word is as timely and relevant. But unlike the Lord's memory, the Abu Dhabi knock is a bit of blur for Mitchell. "Obviously a bit of a whirlwind there. I can't really remember what was going on for the last half [of that] but it's nice to get the job done and move on to the big dance," he said after the game.

Neesham's journey: From fighting depression to being New Zealand's crisis manager

New Delhi, Agency.

Luckily for him, Heath Mills, the head of player association in New Zealand cricket, and his team had been closely observing Neesham. Sometime in 2017, New Zealand's World T20 semi-final hero Jimmy Neesham was gripped by a growing sense of depression. He would wake up in the mornings of games, open the shades of his room, and would hope for rain. "Hoping it was raining is not the ideal way to be starting a day of cricket," he said. He decided to quit the game. Luckily for him, Heath Mills, the head of player association in New Zealand cricket, and his team had been closely observing Neesham. Mills has seen talented players like Jesse Ryder and others struggling with mental-health issues in the past and is particularly sensitive to spotting signs. "I had observed him and suspected that he was struggling mentally. I got in touch with him and we started talking," Mills tells The Indian Express, hours after Neesham's thrilling heroics that helped New Zealand beat England in the T20 world cup semifinal. The situation got worse after couple more weeks and Neesham got on a phone call with Mills to tell him that he was quitting the game. "He was struggling to cope, and it had all got a bit too much for him. The stress of the sport and combined with his personal well-being had grown too severe. He felt like giving up the game would be the best way out," Mills says. But Mills had another suggestion. "I told him why don't you just step away from the game for a while. A short break. This isn't the time to take any drastic decisions. Come back after a few weeks, and then let's see how we feel in 4 to 5 weeks. We were able to do that. He told me how he was feeling about the game and we decided to take a break. "He had enough of cricket and wasn't in good space at all. I managed to convince him that quitting wasn't the best decision



they are doing well, doesn't mean anything. Especially in a high-profile environments as sport. We all have troubles in our lives and players such as Neesham are no different to anyone else." There have been numerous cases of depression in cricket and talks about bubble fatigue too are taking place. Mills feels that the situation is getting better in international cricket with reference to how it acknowledges depression in sport. "I think we are getting better. There are number of teams and player associations in a few countries who are working well with their cricket teams and high=performance programmes like in New Zealand. There is a greater awareness about personal wellbeing as important as your cricket. However would say that our environment increasingly challenging for international players. The Indian team with bubbles and stuff. It's very hard to maintain a normal healthy lifestyle. You are away 11 months from the family, your comfort places, and you are being critiqued every day almost. We are putting players in great stress. We have to be careful and something definitely needs to be done about the scheduling,

Haryana withholds Rs 1.5 crore award money of Para Asian Games silver medallist after controversy over residential proof

because somebody is doing well in life

or have a persona that seems to suggest

Chandigarh, Agency.

The Haryana sports authorities have put on hold the Rs. 1.5 crore award money of a Para Asian Games silver medallist after a controversy erupted over his residential address proof. An RTI activist, PP Kapoor, on Wednesday also lodged a police complaint against the swimmer, Swapnil Sanjay Patil, for trying to get the award money from Haryana government on the basis of "fake documents". The complaint claimed that the sportsperson belongs to a different state. A senior officer of Haryana sports department on Wednesday told The Indian Express: "We will not release the award money till the issue of his domicile is cleared by the authorities of Karnal. We have put the award money on hold after receiving several complaints against the swimmer over his domicile." Karnal SP Ganga Ram Punia said they will examine the matter after receiving a formal complaint. As per the policy of Haryana government, a sum of Rs 3 crore is given to the gold medallist in Para Asian Games, with Rs 2 crore being given to silver medallists. According to the RTI activist Kapoor, Patil had won a silver medal in swimming in Para Asian Games held in Jakarta (Indonesia) in 2018. As per the official documents accessed by The Indian Express, Patil submitted an application to the Haryana Sports and Youth Affairs Department for grant of the cash award while submitting a Haryana Resident Certificate, which was issued by Karnal Tehsildar on August 29, 2018.

'Job finished? I don't think so': New Zealand's Andy Murray beats top seed Sinner Jimmy Neesham on not celebrating semifinal win

Neesham, who thrashed 27 runs off 11 balls to help them reach their first world T20 final, sat with arms crossed and a sphinx-like expression as team mates leapt to their feet and punched the air after the five-wicket win was sealed. As New Zealand celebrated wildly upon beating England in the T20 World Cup semi-final on Wednesday, all-rounder James Neesham gave a quiet reminder of the side's determination to erase past heartbreaks by winning the decider. Neesham, who thrashed 27 runs off 11 balls to help them reach their first world T20 final, sat with arms crossed and a sphinx-like expression as team mates leapt to their feet and punched the air after the five-wicket win was sealed. A photo of the moment went viral on social media and Neesham re-tweeted it with the caption: "Job finished? I don't think so." Long after players and officials walked off the turf at Abu Dhabi's Sheikh Zayed Cricket Stadium, Neesham was still sitting on the sidelines, staring out into space. The team's batting coach Luke Ronchi was impressed with his reserve. "It's always nice winning semi-finals and getting into finals, isn't it?" he told reporters. "But all that means is you have another game left." New Zealand will meet either Australia or Pakistan,



who play later on Thursday, in Sunday's final. For a country of five million people, the "Black Caps" have long punched above their weight in cricket and captured the inaugural World Test Championship in June by beating Virat Kohli's India. Success in the biggest showpieces of short format cricket has proved elusive, however. New Zealand reached the final of the last two 50-over World Cups, losing to England by a technicality in the 2019 classic,



four years after being well-beaten by Australia in the 2015 decider. After losing the 2019 final on boundary-count, the since abandoned method of determining the champion after a tied "Super Over", Neesham captured New Zealand's 2019 heartbreak on Twitter, saying: "Kids, don't take up sport. Take up baking or something. Die at 60 really fat and happy." Two years later, New Zealand and Neesham have another chance at redemption.

to reach Stockholm quarterfinals

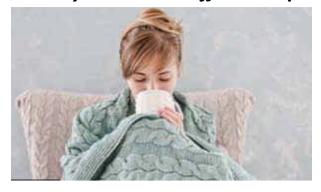
New Delhi, Agency.

Andy Murray has defeated top-seeded Jannik Sinner 7-6 (4), 6-3 to reach the quarterfinals of the Stockholm Open. Andy Murray defeated top-seeded Jannik Sinner 7-6 (4), 6-3 on Wednesday to reach the quarterfinals of the Stockholm Open. It was Murray's second victory over a top-10 opponent in the past two weeks after the three-time Grand Slam champion, who has had two hip surgeries, beat Hubert Hurkacz in Vienna. Murray broke



the 20-year-old Italian, who is ranked 10th, twice in the second set on his way to victory. In the opener, he took his first set point after having saved the only break point. "It's probably my best win this season," said the 34-year-old Murray, a former world No. 1. The Briton has reached just his second ATP Tour quarterfinals in the last two years. "Obviously, if I want to move back up the rankings and have good runs in tournaments again, I need to win these matches," said Murray, who is ranked 143rd. "I want to have a deep run here." Murray said he's trusting his instincts more, rather than rushing to try to finish points. "I've said in the last few weeks, it's coming. I don't know if it will be this week or at the beginning of next year, but I'm going to be pushing and getting deep in tournaments again," he said. He next faces Tommy Paul, who upset doubles partner and fifth-seeded Taylor Fritz 6-4, 6-4. Earlier, Denis Shapovalov finally got to launch the defense of his Stockholm title from 2019, beating qualifier Andrea Vavassori 7-6 (1), 6-1 to reach the quarterfinals. The 22-year-old Canadian has had to wait two years to defend the only ATP title he has won in his short career, with the 2020 edition canceled because of the coronavirus pandemic. "It felt amazing to be back here," the third-seeded Shapovalov said after breaking Vavassori's serve three times in the last 16. Shapovalov, ranked No. 18, will next play Arthur Rinderknech after the Frenchman's 6-4, 6-1 win over Jozef Kovalik. Rinderknech had advanced to the last 16 after his first-round opponent, sixth-seeded Alexander Bublik, retired with an injury.

This monsoon, stay fit and healthy with these effective tips



New Delhi, Agency.

The monsoon season brings with it beautiful weather, rains and delicious snacks. But it is also accompanied by a host of diseases like dengue, chikungunya, malaria, cholera, typhoid, diarrhoea, viral fever and common cold and flu. According to the Food Safety & Standards Authority of India (FSSAI), the apex food regulator of India under the Ministry of Health and Family Welfare, "The risk of diseases increase during monsoon." "During rains, the chances of food-borne illnesses increase," it added. With the added risk of COVID-19, it becomes extremely important to be mindful of one's health. As such, FSSAI shared a video on its official Twitter handle asking people to keep the following things in mind to protect themselves from falling sick during the ongoing rainy season.

Monkey B virus: Know more about the symptoms, prevention and cure

As the world continues to battle the Covid-19 pandemic, a new viral infection has claimed its first life in China. According to reports, a 53-year-old veterinary surgeon contracted the Monkey B virus in March this year and eventually succumbed to it in May. According to PTI, "A Beijing-based veterinarian who was confirmed as China's first human infection case with Monkey B virus (BV) has died, amid rising concerns." The report quoting Global Times and citing English Platform of Chinese Centre for Disease Control and Prevention further added that the vet "showed early-onset symptoms of nausea and vomiting, a month after he dissected two dead monkeys in early March". To understand more, we reached out to experts who explained its transmission pattern, symptoms, treatment and people who may be at risk of getting infected by it. "Monkey B virus is a very rare viral infection and is one of the groups of herpes virus. It is traditionally found in an ancient variety of monkeys like



macaques, chimpanzees and capuchin," Dr Charu Dutt Arora, consultant home care, Covid expert and medical services at Asian Institute of Medical Sciences, said. Agreed Dr Bela Sharma, additional director, internal medicine at Fortis Memorial Research Institute who said that "it is not a common virus and is not very dangerous either." She added that it is "a zoonotic virus that spreads mainly to animals and rarely infects humans". According to Dr Arora, since 1932, only around 60-80 cases of Monkey B virus have

www.opensearch.co.in

been reported in the world. Experts said the virus essentially spreads through droplet infection when there is an exchange of bodily fluids, mainly saliva, urine, blood and certain brain fluids from the monkey. "No human-tohuman transmission of the virus has been reported so far," Dr Arora told indianexpress. com. People who are at risk are those who may get bit or scratched from monkeys, like veterinary doctors, plumbers, construction site workers, labourers and people who work in the jungles, said the experts.

*Body pain *Muscle pain

*Nasal blockage

*Runny nose *Watery eyes

*Low-grade temperature

"When the virus attaches itself to the brain and spinal cord, patients start experiencing neurological symptoms like difficulty in memory, muscle coordination, muscle movements and fogging of the brain. Sometimes, this leads to encephalitis or brain swelling that could be fatal," the doctors said. According to CDC, a person may start showing symptoms "within one month of being exposed to a monkey with B virus infection, but could appear in as little as three to seven days." "Fluid therapy is the only treatment for Monkey B virus," said Dr Arora who added that in case a person has had any contact with a monkey or has been bitten or scratched, they should continuously wash the area with soap, detergent or iodine for a

Work from home and spondylitis: All you need to know



New Delhi, Agency.

Also, 'spondylitis' and 'spondylosis' are sometimes confused with one another since they sound similar and share many symptoms. However, they are separate conditions with important differences Owing to the current Covid-19 pandemic, people have been compelled to work from home. But while the work came home, the workstation did not; forcing many to work on not very ideal workstations like sofa, couches and even bed. "These sitting areas lead to bad posture further exacerbating the degenerative changes or wear and tear. You end up slouching, rounding up your shoulders putting your head forward," said Dr Sheetal Rane, head-physiotherapy at Bhatia Hospital Mumbai. Long hours of sitting also increases pressure on intervertebral discs. "This eventually leads to undue strain on the tissues which may result in chronic back and neck pain including spondylitis," she mentioned. The terms 'spondylitis' and 'spondylosis' are sometimes confused with one another since they sound similar and share many symptoms. However, they are separate conditions with important differences. Spondylitis is an inflammatory condition caused by the immune system acting against the joints and other soft tissues, whereas spondylosis or spinal osteoarthritis is not inflammatory and is caused by normal "wear and tear "or as part of ageing process. "Spondylosis is common and becomes increasingly prevalent with age. Wear and tear are a normal and quite common. It usually goes unnoticed as the body's soft tissue recovery or repair happens simultaneously. However, as the wear and tear outrun the soft tissue recovery process, symptoms start presenting. Previous injuries, bad posture may exacerbate or accelerate these degenerative changes," said Dr Rane. The most common symptom that a person presents is pain and stiffness. You may also get muscle spasms and weakness. The symptoms varies according to the severity and location of the spondylitis. "In significant measure, it can cause pressure on the surrounding neural structures and cause symptoms like numbness, tingling, pain that radiates down the arm or leg and weakness of the muscles,"

Prepare your workstation

A comfortable chair with adjustable height is preferable. Your feet should be flat on the floor and not hanging. The chair should have a back rest, with a small towel roll or pillow to support lower back. The computer screen should be placed at such level that the upper border of the screen should be at eye level and 16 to 30 inches away. Forearms should be supported.

Breaks and stretchingTake a break of 2 to 5 minutes every 60 minutes. Break

the position you are in. Walk around. Stand during some tasks. Do stretching exercises for arms and legs during the

Improve posture

Consciously make an effort to improve your posture. Sit tall aligning your ears shoulder and hips in a line. Sit an inch taller frequently. Movement has many benefits: it relaxes tissues, lubricates joints, prevents stiffness improves circulation, reduces fatigue, and increases

Physical fitness can help you avoid and treat problems related to computer use and long hours of sitting. It improves strength endurance and flexibility. The World Health Organization (WHO) recommends minimum of 150 minutes of moderate intensity activity per week for better cardiac health. It also helps to keep weight gain in check. Some of these exercises could be in the form of aerobics, Zumba, cycling, swimming, skipping or even simple walking.

Treatment

It is a must to visit a doctor if you experience constant pain, numbness, weakness, and encounter problems that interfere with daily activities, said Dr Rane. "In acute stages of the pain, rest is beneficial, following which you can start with posture correction exercises and stretching. The physiotherapist will gradually progress your exercises to strengthening," said Dr Rane.

Alcohol abuse is on the rise, but doctors too often fail to treat it

New Delhi, Agency.

Like many people who struggle to control their drinking, Andy Mathisen tried a lot of ways to cut back. He went through an alcohol detox program, Alcoholics Anonymous meetings, and tried using willpower to stop himself from binge drinking. But this past winter, with the stress of the pandemic increasingly weighing on him, he found himself craving beer every morning, drinking in his car and polishing off two liters of Scotch a week. Frustrated, and feeling that his health and future were in a downward spiral, Mathisen turned to the internet and discovered Ria Health, a telehealth program that uses online coaching and medication to help people rein in their drinking without necessarily giving up alcohol entirely. After signing up for the service in March, he received coaching and was given a prescription for naltrexone, a medication that diminishes cravings and blunts the buzz from alcohol. The program accepts some insurance and charges \$350 a month for a one-year commitment for people who pay out of pocket. Since he started using it, Mathisen has reduced his drinking substantially, limiting himself to just one or two drinks a couple days a week. "My alcohol consumption has dropped tremendously," said Mathisen, 70, a retired telecommunications manager who lives in central New Jersey. "It's no longer controlling my life."

Mathisen is one of the roughly 17 million Americans who grapple with alcoholism, the colloquial term for alcohol use disorder, a problem that was exacerbated this past year as the pandemic pushed many anxious and isolated people to drink to excess. The National Institutes of Health defines the disorder as "a medical condition characterized by an impaired ability to stop or control alcohol use despite adverse social, occupational or health consequences." Yet despite how Yet despite how prevalent it is, most people who have the disorder do not receive treatment for it, even when they disclose their drinking problem to their primary care doctor or another health care professional. Last month, a nationwide study by researchers at the Washington University School of Medicine in St Louis found that about 80 per cent of people who met the criteria for alcohol use disorder had visited a doctor, hospital or medical clinic for a variety of reasons in the previous year. Roughly



70 per cent of those people were asked about their alcohol intake. Yet just 1 in 10 were encouraged to cut back on their drinking by a health professional, and only 6 per cent received any form of treatment. Alcohol abuse can be driven by a complex array of factors, including stress, depression and anxiety, as well as a person's genetics, family history and socioeconomic circumstances. Many people kick their heavy drinking habit on their own or through self-help programs like Alcoholics Anonymous or SMART Recovery. But relapse rates are notoriously high. Research suggests that among all the people with alcohol use disorder who try to quit drinking every year, just 25 per cent are able to successfully reduce their alcohol intake long-term. While there is no silver bullet for alcohol use disorder, several medications have been approved to treat it, including pills like acamprosate and disulfiram, as well as oral and injectable forms of naltrexone. These medications can blunt cravings and reduce the urge to drink, making it easier for people to quit or cut back when combined with behavioural interventions like therapy. Yet despite their effectiveness, physicians rarely prescribe the drugs, even for people who are most likely to benefit from them, in part because many doctors are not trained to deal with addiction or educated on the medications approved to treat it. In a study published last month, scientists at the NIH found that just 1.6 per cent of the millions of Americans with alcohol use disorder had been prescribed a medication to help them control their drinking. "These are potentially life saving medications, and what we found is that even among people with a diagnosable alcohol use disorder the rate at which they are used is extremely low," said Dr. Wilson Compton, an author of the study and deputy director of the National Institute on Drug Abuse. The implications of this are substantial. Alcohol is one of the most

common forms of substance abuse and a leading cause of preventable deaths and disease, killing almost 100,000 Americans annually and contributing to millions of cancers, car accidents, heart attacks and other ailments. It is also a significant cause of workplace accidents and lost work productivity, as well as a driver of frayed family and personal relationships. Yet for a variety of reasons, people who need treatment rarely get it from their physicians. Some doctors buy into a stereotype that people who struggle with alcohol are difficult patients with an intractable condition. Many patients who sign up for services like Ria Health do so after having been turned away by doctors, said Dr. John Mendelson, a professor of clinical medicine at the University of California, San Francisco, and Ria Health's chief medical officer. "We have patients who come to us because they've been fired by their doctors," he added. In other cases, doctors without a background in addiction may worry that they don't have the expertise to treat alcoholism.

Or they may feel uncomfortable prescribing medications for it, even though doing so does not require special training, said Dr. Carrie Mintz, an assistant professor of psychiatry at Washington University and a co-author of the study last month that looked at nationwide treatment rates. The result is that a lot of patients end up getting referred to mental health experts or sent to rehab centers and 12-step programs like AA. "There's a stigma associated with substance use disorders, and the treatment for them has historically been outside of the health care system," Mintz said. "We think these extra steps of having to refer people out for treatment is a hindrance. We argue that treatment should take place right there at point of care when people are in the hospital or clinic." But another reason for the low rates of treatment is that problem drinkers are often in denial said Compton at the National Institute on Drug Abuse. Studies show that most people who meet the criteria for alcohol use disorder do not feel that they need treatment for it, even when they acknowledge having all the hallmarks of the condition, like trying to cut back on alcohol to no avail, experiencing strong cravings, and continuing to drink despite it causing health and relationship problems. "People are perfectly willing to tell you about their symptoms and the difficulties they face," Compton said. "But then if you say, 'Do you think you need treatment?'

Covid 19: Patients diagnosed with black fungus opt for leech therapy; all you need to know

New Delhi, Agency.

The number of black fungus or mucormycosis cases in both active and recovered Covid patients has been alarming. In fact, in May this year, the centre asked states to notify black fungus as an epidemic. Meanwhile, recovered diagnosed with black fungus have opted for leech therapy, an Ayurvedic treatment, after trying conventional methods for cure. An Ayurvedic practice, leech therapy is a blood purification process that is helpful in letting toxic blood out of the body. Medicinal

leeches suck impure blood and release enzymes supportive in increasing immunity. Dr Aswathy Pathiyath, Ayurveda consultant, Fazlani Natures Nest, tells indianexpress.com, "Mucormycosis or black fungus is mainly affecting coronavirus patients with comorbid conditions like diabetes. It is classified into five types depending on the part affected. Among them, Disseminated Mucormycosis in the later phase and Cutaneous mucormycosis can be correlated to Dustavrana



(non-healing ulcer) and Kusta (skin disease), Visarpa (erysipelas) respectively." "In this, leech therapy is one among the best methods of treatment. This again depends on the 'prakruthi' of the person and the extent of the symptoms," the expert adds. He further says, "Along with other Ayurveda treatment principles of mucormycosis, depending upon the area affected, leech therapy may be administered. However, the main line of treatment will be Kledohara chikista and Premehahara (treatment

of diabetes and diabetic wounds and skin issues), Agnivardhaka (modalities digestion), Ojovardhaka (treatment of infections) and Rasayana chikitsa (rejuvenation and immunoboosting therapies)." Dr Yash Javeri, critical care, Anesthesia and Emergency Medicine, Regency Superspecialty Hospital, Lucknow, however, says, "Though the therapy might be useful for few medical conditions. there is no medical literature or evidence to support the use of leech therapy in mucormycosis.

We need to select therapies very carefully." Dr Amitabh Malik, ENT surgeon, Paras Healthcare, agrees that Ayurveda treatment for mucormycosis lacks scientific proof. "There is only one therapy that has been proven worldwide which is working on such patients is to surgically remove all the disease tissue and then give them amphotericin B liposomal and other anti-fungal drugs. People can have faith in anything but so far there has been no scientific evidence for this leech therapy," he says.

Tea time fitness: Do you really need a snack with chai?

Japan, Agency.

"You seriously don't always need a nashta or snack with your tea and coffee," said food therapist Dr Ria Banerjee Ankola. For a lot of us, tea time is synonymous with not just our regular cuppa but also munchies and snacks including rusks, cookies, and namkeen. However, before reaching out for an extra helping of calorie-laden snacks, it is important to ask yourself if you are really that hungry, or just want it like that? Food therapist Dr Ria Banerjee Ankola recently took to Instagram to share how people often snack unnecessarily even if they are not hungry, a common issue that leads to weight gain. "You seriously don't need a nashta or snack always with your tea and coffee," she said. Add on a snack only if you are hungry. "Otherwise give rest to your digestive system from the unnecessary eating," she mentioned. According to Dr Ria, one should focus on eating their meals right. "The human body was designed to stay active all day, eat sumptuous meals when hungry, and rest when you are tired. It's that simple," she said while sharing that she



snacks, but "not everyday". "I always ask myself if I am actually hungry before I pick up a snack," she shared. When you wake up in the morning, it's okay to have 4-5 almonds and then have your tea or coffee just to avoid acidity. But even if you are fit, you seriously don't need that processed cookie or rusk with it, she added.

www.opensearch.co.in

ENTERTAINMENT

The lawsuit said Johansson's

contract guaranteed an

exclusive theatrical release, with her potential earnings

tied to the box office

performance of the

film. But as it has

with other recent releases since

the coronavirus

released the film

simultaneously in theaters and through

began, Disney

its streaming

service

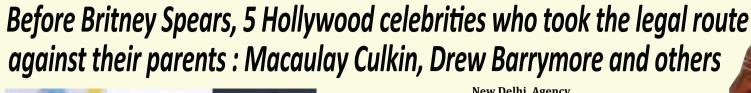
Disney+

for a

\$30

rental.

pandemic



Here are five American celebrities who invoked US' emancipation law. The list includes Michelle Williams, Alicia Silverstone and Ariel Winter. Pop star Britney Spears was given relief after a judge on Wednesday suspended her father Jamie Spears as her conservator. Britney has been in a conservatorship since 2008 over concerns about her mental health after breakdown and hospitalisation. A conversatorship is kind of an adult guardianship in the US that empowers a conservator to be in complete control of conservatee's career, life and finances if the latter is deemed unfit to take care of such things themselves. Britney Spears has detailed the pain and abuse she has felt during conservatorship. She told the court in June this year, "I don't want to be evaluated, to be sat in a room with people four hours a day like they did before," she said. Apart from Britney Spears, several other Hollywood celebrities have suffered due to bad parenting and have chosen

with Home Alone movies, sued his parents for emancipation and \$17 million as per People magazine when he was just 16 in 1997. He claimed that his father Kit Culkin mismanaged his earnings and forced him to sleep on the couch. He told Empire last year, "It's always misconstrued, that I 'emancipated' myself from my parents. I legally took my parents' names off of my trust fund and found an executor, someone who would look over my finances, just in case anyone wanted to stick their f***ing pinkie in the pie." Never Been Kissed and Charlie's Angels star Drew Barrymore emancipated herself at 15. Barrymore had a troubled childhood with a domineering mother and an uncaring father and was placed in rehab at the age of 13. Her mother made her stay at an institution for the mentally ill for eighteen months. The time did not appear to have improved her mental health as she attempted suicide at the age of 14, prompting the emancipation. Best known for mockumentary series Modern Family, Ariel Winter was 14 when her mother Chrisoula Workman was accused of abusing her. She was removed to a legally sanctioned guardianship under her older sister. After three years, she was was emancipated. On Twitter, she had said then: "I am now officially emancipated!!! I'm really lucky I have an amazing support system and lovely people in my life who have given me the support and guidance to have been given this wonderful opportunity." Alicia Silverstone rose to fame as a teen star in the 1990s because of the erotic thriller The Crush and the music video of Aerosmith's song "Cryin". It was while filming The Crush, at 17, she filed for emancipation, but it was not due to abusive parents, but because she needed to circumvent child labour laws of California that did not allow her to work longer hours. An acclaimed actor, Michelle Williams was also emancipated not due to any trouble with her parents, but because she wanted to pursue her acting career without any legal interference over working hours due to her tender age. This paid off handsomely when she was cast in Dawson's Creek, a teen TV series that made her a popular name.

US' emancipation law. However, not every child who goes for emancipation does so because of bad parents. Macaulay Culkin, who rose to fame

Scarlett Johansson, Disney settle Black Widow lawsuit: 'Happy to have resolved our differences'



her lawsuit over the streaming release of Black Widow, bringing a swift end to what had begun as the first major fight between a studio and star over recent changes in rollout plans for films. Johansson filed the lawsuit in Los Angeles Superior Court two months ago, saying the streaming release of the Marvel movie breached her contract and deprived her of potential earnings.

Scarlett Johansson and the Walt Disney Co. on Thursday settled

Los Angeles, Agency.

The settlement brought a swift end to what had begun as the first major fight between a studio and star over recent changes in rollout plans for films. Scarlett Johansson and the Walt Disney Co. on Thursday settled her lawsuit over the streaming release of Black Widow, bringing a swift end to what had begun as the first major fight between a studio and star over recent changes in rollout plans for films. Johansson filed the lawsuit in Los Angeles Superior Court two months ago, saying the streaming release of the Marvel movie breached her contract and deprived her of potential earnings. Know all about the case Terms of the deal were not disclosed, but the two sides released a joint statement in which they pledged to continue working together. "I am happy to have resolved our differences with Disney," said Johansson, who has played Natasha Romanoff aka Black Widow, in nine movies going back to 2010's Iron Man 2. "I'm incredibly proud of the work we've done together over the years and have greatly enjoyed my creative relationship with the team. I look forward to continuing our collaboration." Alan Bergman, chairman of Disney Studios Content, said he is "pleased that we have been able to come to a mutual agreement." "We appreciate her contributions to the Marvel Cinematic Universe and look forward to working together on a number of upcoming projects," Bergman said. The lawsuit said Johansson's contract guaranteed an exclusive theatrical release, with her potential earnings tied to the box office performance of the film. But as it has with other recent releases since the coronavirus

pandemic began, Disney released the film simultaneously in theaters and through its streaming service Disney+ for a \$30 rental. The rhetoric of the lawsuit and Disney's response suggested a long and ugly battle was ahead. "In the months leading up to this lawsuit, Ms. Johansson gave Disney and Marvel every opportunity to right their wrong and make good on Marvel's promise," the lawsuit said. "Disney intentionally induced Marvel's breach of the Agreement, without justification, in order to prevent Ms. Johansson from realizing the full benefit of her bargain with Marvel." Disney at the time said the lawsuit had "no merit whatsoever," adding that it was "especially sad and distressing in its callous disregard for the horrific and prolonged global effects of the COVID-19 pandemic." Disney said the changed release plan "significantly enhanced her ability to earn additional compensation on top of the \$20M she has received to date." Delayed more than a year because of COVID-19, Black Widow debuted to a what was then a pandemic-best of \$80 million in North America and \$78 million from international theaters on July 9. But theatrical grosses declined sharply after that. In its second weekend in release, the National Association of Theater Owners issued a rare statement criticizing the strategy. Revised hybrid release strategies have occasionally led to public spats between stars, filmmakers and financiers who

are unhappy with potential lost revenues and their lack of say in such strategies. But none were as big or as public as Johansson's lawsuit. Saif Ali Khan confirms son Ibrahim's entry in

New Delhi, Agency.

Saif Ali Khan, however, did not reveal the name of the said movie. Both Sara and Ibrahim are Saif's children with his first wife Amrita Singh. He has two sons, Taimur and Jeh, with wife Kareena Kapoor. Saif Ali Khan has confirmed that his son Ibrahim is the latest member of the family to become a part of Bollywood. He said that he is assisting Karan Johar on a movie. He, however, did not reveal the name of the said movie. While speaking to TV host and presenter Siddharth Kannan for his YouTube channel, Saif was asked about his equation with his kids. He answered, "They are all different. Ibrahim is assisting on a Karan Johar movie and sharing that, and talking about what his ideas and dreams are. Sara is older and we have a very different equation." Sara is already deep into the film industry, with many films to her name. She debuted in 2018 with romance-disaster movie Kedarnath opposite late Sushant Singh Rajput.



Bollywood: 'He is assisting Karan Johar'

She has also been a part of Simmba, Love Aaj Kal, and Coolie No. 1. Next, she will be seen in Atrangi Re. Both Sara and Ibrahim are Saif's children with his first wife Amrita Singh. He also has two sons with Kareena Kapoor: Taimur and Jeh. Talking about his advice to his children, Saif told indianexpress.com, "There are so many people around you - big stars and great actors,

learn from all of them. Try to do good things. It's easier said than done. Make mistakes, for sure. But the bottomline is, you have to contribute something to the world we live in, and we've chosen to contribute entertainment. So make sure it's entertaining." Saif, meanwhile, was last seen in Pavan Kirpalani's horror comedy Bhoot Police. The film also starred Arjun Kapoor, Jacqueline Fernandez, Yami Gautam and Javed Jaffrey in significant roles. The Indian Express film critic Shubhra Gupta gave the film a positive review, singling out Saif's performance in the movie for praise. Her 2.5 star review read, "But while it stays in the let's-make-fun-of-ghosts zone, it really is funny. Especially when Saif is on song, which is quite often: he is having a blast, and makes sure we do, too. Arjun Kapoor fits the part too, as do the girls. What's truly a saving grace is that nothing gets too dark. And no one takes themselves seriously at all, even if you feel like ruffling Ms Fernandez's perfect blowout: there's a ghost in front of her!'

Sunny Kaushal on comparison with brother Vicky Kaushal: 'We have different journeys'

Mumbai, Agency.

Sunny Kaushal and Radhika Madan's Shiddat will stream on Disney+ Hotstar from October 1. The actor speaks about love and constant comparisons with brother Vicky Kaushal ahead of release. Vicky Kaushal and brother Sunny Kaushal both started their Bollywood journey around the same time and continue to go strong. As Vicky enjoys stardom after hits such as Uri and Raazi, Sunny is ready with his next release Netflix film Shiddat. In an interview with indianexpress.com, Sunny Kaushal opens up about how it is to face constant scrutiny



and comparison with Vicky, his journey in films, and how preparing for Shiddat was an internal process. Sunny is coming out with a film after two years; his last release was Bhangra Pa Le (2019). Talking about how Shiddat happened, he says, "Shiddat happened to me after Gold. I had auditioned a couple of times for the film after meeting Dinesh Vijan and Kunal Deshmukh, and it worked out. When I heard the story of the film, I knew I wanted to do the film. The film's perspective about love is very different, and yet Kunal has managed to show it in a very simple manner. Radhika (Madan), Mohit (Raina) and I met up for a few readings and started shooting in November 2019." He says Shiddat forced him to look at love with a different lens. "I had to prepare in a way for Shiddat that I had never done before. It was internal for me. I had to think the way people think today because my character in the film is street-smart, and cool and yet a simple guy at heart. If you love someone, there shouldn't be any complications. It is about having courage and passion to live with the person you love. And that's what the film is about, how people do so many things for whatever their definition of love is. I believe in the power of love, and I will go all out for it.